हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 12.12.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 140 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

सरकारी नियुक्तियों में महिलाओं को मिलेगा 33 प्रतिशत आरक्षण : संतोष गंगवार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के छठे सत्र के तीसरे दिन बुधवार को सदन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार का अभिभाषण हुआ। राज्यपाल ने सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए सबसे पहले सत्र में मौजूद सभी सदस्यों का स्वागत किया। इसके बाद संतोष गंगवार ने विधानसभा चुनाव जीतकर आये नवनिर्वाचित विधायकों को बधाई दी।

राज्यपाल ने कहा कि आप में से कई सदस्य पूर्व में भी विधानसभा के सदस्य रहे हैं जबकि कई सदस्य पहली बार निर्वाचित होकर विधानसभा पहुंचे हैं। इस विधानसभा में अनुभवी और नये सदस्यों का समागम हुआ है। सबको मिलकर जनादेश का सम्मान करते हुए जनभावनाएं और जनआकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करना है। उन्होंने कहा कि जनता के कल्याण और राज्य के विकास के लिए पूरी लगन, निष्ठा और समर्पण से कार्य करना है। विधानसभा की आदर्श परंपराओं और कीर्ति को आप सबको मिलकर आगे बढ़ाना है।

राज्यपाल ने कहा कि केंद्र और राज्य के परस्पर सहयोग से ही राज्य की जनता का चहुंमुखी विकास संभव है, इस अवधारणा के हम पक्षधर हैं। हमारी सरकार संघीय ढांचे की स्वस्थ परंपरा को आगे बढ़ाने का काम करेगी तथा भारत की गरिमामयी विरासत का सम्मान करते हुए कल्याणकारी राज्य की परिकल्पना के अनुरूप जनहित के व्यापक कार्य करेगी। आप सभी के माध्यम से राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए गरिमामय और गौरवपूर्ण चचाओं का साक्षी बनेगा। यह सदन अपने विधायी कार्यों से झारखण्ड राज्य को प्रगति के शिखर तक ले जायेगा।

राज्यपाल ने कहा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि, जन आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति के प्रतीक होते हैं। षष्ठम विधानसभा के शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया की समाप्ति के बाद राज्य में एक मजबूत और स्थिर सरकार के गठन का जनादेश जनता ने दिया है। यह सरकार झारखंड की मूल चेतना के साथ समावेशी विकास का ध्येय लेकर आगे बढ़ेगी। हमारी सरकार बिना किसी द्वेष के वंचितों को विशेष महत्व देने के मानवीय सोच के साथ सबको उचित अधिकार, सबको सुरक्षा और हर द्वार तक समृद्धि पहुंचाने को प्रतिबद्ध है।

राज्यपाल ने कहा कि हमारी सरकार एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ समाज के वंचितों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों एवं गरीबों की खुशहाली के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि सरकार शहीदों के त्याग और बलिदान को हृदय में आत्मसात करते हुए द्वेष, घृणा, अहंकार, प्रतिशोध से दूर रहने का प्रण लेकर कार्य करेगी। झारखंडी अस्मिता को केंद्र में रखकर सजग, सुलम, स्वच्छ, पारदर्शी और संवेदनशील प्रशासन के माध्यम से राज्य को प्रगति के उच्च शिखर पर ले जाने के लिए संकल्पित है।

अभिभाषण में राज्यपाल ने गिनाईं उपलब्धियां

- केंद्र सरकार एवं उनकी कंपनियों के पास पड़ा राज्य का बकाया 01 लाख 36 हजार करोड़ रुपये वापस लाने के लिए राज्य सरकार कानूनी रास्ता भी अपनायेगी।
- हो, मुंडारी, कुड़ुख और अन्य जनजातीय भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने की पहल करेंगे।
- सरकार आदिवासी-मूलवासी को स्थानीय नीति बनाकर तृतीय और चतुर्थ श्रेणी की नौकरियों में शत प्रतिशत आरक्षण देने के लिये प्रतिबद्ध है।
- राज्य में निबंधित सभी पत्रकारों के लिए प्रशिक्षण, बीमा और पेंशन का अधिकार सुनिश्चित किया जायेगा।
- राज्य के जिन सहारा पीड़ितों ने अपने प्राण गंवाये या दुःख-अवसाद में आत्महत्या करने को मजबूर हुए, उनके परिजनों को सरकारी स्तर पर आर्थिक सहयोग दिया जायेगा।
- किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर कृषि ऋण उपलब्ध कराया जायेगा।
- राज्य भर में प्रखंड स्तर पर 500 सीएम स्कूल ऑफ एक्सिलेंस की स्थापना करेंगे। सभी सीएम स्कूल ऑफ एक्सिलेंस में खेल शिक्षक एवं संगीत शिक्षक की नियुक्ति की जायेगी। साथ ही 4,500 पंचायत स्तरीय आदर्श विद्यालय प्रारंभ किये जायेंगे।
- राज्य में 10वीं कक्षा में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना से जोड़ते हुए 15 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी।
- केजी क्लास से पीएचडी तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जायेगी।
- मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत 50 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जायेगा।
- राज्य में 60,000 पदों पर शिक्षकों, 15,000 पदों पर प्रधानाध्यापकों, विभिन्न कार्यालयों में 2,500 पदों पर लिपिकों और विभिन्न थानों में 10,000 पुलिस कर्मियों की नियुक्ति की जायेगी।
- क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 10,000 पदों पर भाषा शिक्षकों की नियुक्ति की जायेगी।
- राज्य में मदरसा बोर्ड का गठन किया जायेगा।
- राज्य की सभी महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना के तहत सम्मान राशि के रूप में 2,500 रुपये हर महीने दिये जायेंगे।
- राज्य में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी राखी मंडल की महिलाओं को 15,000 करोड़ रुपये का क्रेडिट लिंकेज उपलब्ध कराते हुए स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे।
- प्रत्येक ग्राम संगठन की 0 प्रतिशत ब्याज दर पर 15-15 लाख रुपये का क्रेडिट लिंकेज उपलब्ध कराया जायेगा।
- राज्य के सभी जरूरतमंद परिवारों को 15 लाख रुपये के अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना से जोड़ा जायेगा।
- अबुआ आवास योजना के तहत 25 लाख से अधिक गरीब परिवारों को सुविधायुक्त तीन कमरों का सुंदर आवास चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जायेगा।

विधानसभा में 11,697 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश

रांची : झारखंड विधानसभा के छठे सत्र के तीसरे दिन बुधवार को राज्यपाल के अभिभाषण के बाद वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने सदन में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 11697.45 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया। इसमें सबसे अधिक महिला बाल विकास विभाग के लिए 6390.55 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके बाद ऊर्जा विभाग के लिए 2577.92 करोड़, गृहकारा विभाग के लिए 445.96 करोड़, माध्यमिक शिक्षा के लिए 301.89 करोड़ और प्राथमिक शिक्षा के लिए 272.80 करोड़ का प्रावधान है। अनुपूरक बजट पेश होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही 12 दिसंबर को पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

राज्यपाल ने रबीन्द्रनाथ महतो के आवास जाकर पिता के निधन पर जताया शोक

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को झारखण्ड राज्य विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो के कांके रोड, रांची स्थित आवास जाकर उनके पिता गोलक बिहारी महतो के निधन पर दुःख व शोक व्यक्त किया। राज्यपाल ने दिवगंत आत्मा की चिरशांति हेतु प्रार्थना की एवं शोकाकुल परिवारजनों के प्रति संवेदना प्रकट की। रबीन्द्रनाथ महतो के पिता का निधन 8 दिसंबर को 90 वर्ष की उम्र में हुआ था। इसकी जानकारी रबीन्द्र नाथ महतो ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से दी थी।

एक नजर

बीजापुर में मुठभेड़ एक नक्सली ढेर, दो जवान घायल

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुनगा के वन क्षेत्र में बुधवार सुबह हुई मुठभेड़ में जवानों ने एक नक्सली को ढेर कर दिया। इस दौरान नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट किया, जिसमें डीआरजी के दो जवान घायल हो गए। दोनों को बीजापुर जिला अस्पताल लाया गया है। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि घायल जवानों- मंगलू कुड़ियम और योगेश्वर सोरी का इलाज बीजापुर जिला अस्पताल में जारी है। दोनों जवानो की स्थिति सामान्य है। उन्होंने बताया कि मारे गये नक्सली के शव के साथ मौके से 9 एमएम. पिस्टल, जिन्दा आईईडी, 6 नग रिमोट स्विच एवं अन्य सामग्री बरामद की गयी है।

जेएमएम केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

अगली बार अकेले बनाएंगे सरकार : हेमन्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के आवास में आज जेएमएम की केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक हुई। इसे मुख्यमंत्री के अलावा अन्य मोर्चा नेताओं ने संबोधित किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा गया कि अगर यही उत्साह और जोश रहा तो मोर्चा अगली बार अकेले सरकार बनाने की स्थिति में होगा। मोर्चा के प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि हम अगली बार अकेले सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को प्रेरित कर रहे हैं। वहीं, मिथिलेश ठाकुर ने इस बीच कहा है कि दूसरे राज्यों में भी जेएमएम को मजबूत करने का नेताओं को टास्क मिला है।

वहीं, बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने विधानसभा चुनाव में सभी कर्मठ नेताओं और जुझारू कार्यकर्ताओं को उनकी कड़ी मेहनत और करोड़ो राज्यवासियों के आशीर्वाद के फलस्वरूप बने आबुआ सरकार के गठन के लिए बधाई व शुभकामना दी। हेमन्त ने आने वाले समय में झामुमो परिवार की जड़ों को मजबुत करने के लिए वंचित, शोषित समेत समाज के सभी वर्गों को हक-अधिकार देने की दिशा मे लगे रहने का आह्वान किया।

जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति शीघ्र करे सरकार : एचसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि राज्य सरकार अति शीघ्र जेपीएससी अध्यक्ष पद पर नियुक्ति करे। कोर्ट ने यह बात बुधवार को जेपीएससी 11 से 13 सिविल सेवा परीक्षा का साक्षात्कार एवं रिजल्ट जल्द प्रकाशन करने को लेकर दाखिल पवन कुमार वर्मा की रिट याचिका की सुनवाई के दौरान कही। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने झारखंड सरकार को जल्द से जल्द जेपीएससी अध्यक्ष के रिक्त पद को भरने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि जेपीएससी में अध्यक्ष का पद पिछले तीन माह से रिक्त रहने से कई नियुक्ति प्रक्रिया बाधित हो रही

है। झारखंड वेलफेयर स्टेट है। यहां विधानसभा चुनाव होने के बाद एक पॉपुलर सरकार भी बन चुकी है। एक बेहतर स्टेट होने के नाते झारखंड में जेपीएससी अध्यक्ष के रिक्त पद को जल्द से जल्द भरे जाने की उम्मीद की जा रही है।

कोर्ट ने कहा कि जेपीएससी के कैलेंडर के तहत अगस्त माह में साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी हो जानी थी। जेपीएससी के अध्यक्ष के पद रिक्त होने से कई अभ्यर्थियों को उम्र सीमा के नुकसान होने एवं उनके करियर पर असर पड़ने की भी संभावना है। झारखंड में नई सरकार का गठन हो चुका है। कैबिनेट की बैठक भी हो रही है और सदन की कार्रवाई भी चल रही है। इसके अलावा संवैधानिक पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। ऐसे में जेपीएससी के अध्यक्ष पद पर क्यों अब तक नियुक्ति नहीं हो रही है?

सुनवाई के दौरान जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने कोर्ट को बताया कि जेपीएससी नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के उचित कार्रवाई कर रही है। ऐसे में जेपीएससी अध्यक्ष का रिक्त पद जैसे ही भरा जाएगा। नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने की कार्रवाई तत्काल शुरू हो जाएगी। सुनवाई के दौरान प्रार्थी के अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने पक्ष रखा।

एक नजर

ट्रेलर गाड़ी गिरी खाई में, चालक बुरी तरह घायल

चौपारण : चौपारण की प्रसिद्ध घाटी दनुवा घाटी जिसे अब मौत की घाटी के नाम से जाना जाता है। बुधवार को भी लगभग एक बजे कोलकाता से आयरन लोड कर आ रही ट्रैलर दनुवा घाटी हथिया बाबा के समीप खाई मे जा गिरा। खाई मे गिरने से चालक रमेश कुमार पिता मनोहर यादव उम्र लगभग 50 वर्ष, जौनपुर उत्तर प्रदेश निवासी बुरी तरह घायल हो गया। दुर्घटना की सुचना एनएचआई एम्बुलेंस को दिया गया। जिसके बाद एनएचआई के एम्बुलेंस से सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल मे चिकित्सकों ने ईलाज कर बेहतर ईलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया। वहीं चौपारण से घायल चालक को आपदा मित्र एम्बुलेंस चालक शक्ति के द्वारा हजारीबाग पहुंचाया गया।

कांग्रेस की विस चुनाव को लेकर हुई समीक्षा बैठक

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण आश्रम में हजारीबाग विधानसभा में हुए चुनाव के नतीजे को लेकर एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव नें की। इस बैठक मुख्य अतिथि हजारीबाग जिला चुनाव समिक्षा समिति के संयोजक पूर्व मंत्री बंधु तिर्की तथा विशिष्ट अतिथि जिला चुनाव समीक्षा समिति के सदस्य सुल्तान अहमद, रविन्द्र झा तथा संविधान रक्षक अभियान के जिला संयोजक शांतनु मिश्रा उपस्थित हुए। बैठक में प्रदेश पदाधिकारी वरिष्ठ कांग्रेसी प्रदेश प्रतिनिधि कार्यकारिणी के सदस्य प्रखंड अध्यक्ष प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मंच मोर्चा के अध्यक्ष तथा कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने विचारों को रखा । जिला समीक्षा समिति के संयोजक पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने लोगों की बातों को गंभीरतापूर्वक सुन कर इसकी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कार्यालय को समर्पित करेगें । बैठक के पश्चात जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव असगरी अंजूम के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई । उक्त जानकरी जिला प्रवक्ता निसार खान नें दी।

मुखिया ने आंगनबाड़ी केंद्र में किया स्वेटर का वितरण

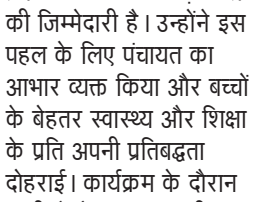

बरही : बरही प्रखण्ड के भंडारो पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र बैरीसाल में बुधवार को बच्चों को स्वेटर का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पंचायत की मुखिया रीना देवी, आंगनबाड़ी सेविका रेणु देवी व ग्रामीण महिलाओं की उपस्थिति में बच्चों के बीच स्वेटर वितरित किए गए। इस अवसर पर मुखिया रीना देवी ने कहा कि पंचायत स्तर पर बच्चों की जरूरतों को पूरा करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में बच्चों को गर्म कपड़े उपलब्ध कराने का यह प्रयास उनकी सेहत और भलाई के लिए किया गया है। आंगनबाड़ी सेविका रेणु देवी ने कहा कि बच्चों की देखभाल और उन्हें आवश्यक सुविधाएं प्रदान करना आंगनबाड़ी केंद्र की जिम्मेदारी है। उन्होंने इस पहल के लिए पंचायत का आभार व्यक्त किया और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना की और बच्चों के लिए ऐसी सुविधाओं को जारी रखने की अपील की।

दीपक सिंह हत्याकांड का पुलिस ने किया उद्भेदन, हत्या में संलिप्त दो गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिला अंतर्गत गिद्दी थाना क्षेत्र में हुए दीपक सिंह हत्याकांड मामले में हत्या में शामिल दो लोग को गिरफ्तार करते हुए हजारीबाग पुलिस ने मामले का उद्भेदन किया साथ ही कांड में प्रयुक्त पिस्टल बरामद किया व मृतक दीपक सिंह का मोबाइल भी बरामद किया इस बाबत हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने अपने आवासीय सभा कक्ष में प्रेसवार्ता कर जानकारी दिया उन्होंने बताया कि 5 दिसंबर को दोपहर में स्थानीय पुलिस को सूचना मिली कि गिद्दी थाना क्षेत्र अंतर्गत साधु कुटिया के पीछे एक व्यक्ति का शौक पड़ा हुआ है जिसकी पहचान रैलीगडडा दो ताला निवासी दीपक सिंह 30 वर्ष के रूप में हुई जिसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी इस घटना का खुलासा करने के लिए हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पवन कुमार बड़कागांव पुलिस निरीक्षक अनिल कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया टीम के द्वारा उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर इस कांड में शामिल संतोष कुमार उर्फ होरील भुइयां और उरवि करमाली उर्फ अभिराज को गिरफ्तार किया गया है। जिसके द्वारा बताया गया कि हजारीबाग जेल में बंद मिलन तूरी के द्वारा इस पूरी हत्याकांड का साजिश रच गया और उरवि करमाली के मदद से संतोष कुमार उर्फ होरिल के द्वारा इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया हत्या के बाद बदले में मिलन तूरी उरवि करमाली को 25000 भेजा। जिसमें 17000 रुपया उरवि करमाली ने संतोष कुमार को दिया संतोष कुमार के पास से मृतक दीपक कुमार सिंह का मोबाइल और हत्या के बदले 17000 रुपया में से बचे 16300 और संतोष कुमार उर्फ होरील भुइयां की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथियार को बरामद किया गया। अनुसंधान के क्रम में हत्या का मुख्य कारण पैसे का लेनदेन और मिलन तूरी से दीपक सिंह का आपसी विवाद का मामला प्रकाश में आया है गिरफ्तार अभियुक्तों में संतोष कुमार उर्फ होरिल भुइयां पिता स्व इंद्रदेव भुइयां साकिन करियातपुर थाना बरही जिला हजारीबाग वर्तमान पता तूफान चौक गिद्दी थाना जिद्दी जिला हजारीबाग एवं उरवि करमाली उर्फ अभिराज करमाली पिता मुन्ना करमाली साकिन वाशरी कॉलोनी थाना गिद्दी जिला हजारीबाग शामिल है। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से मृतक दीपक सिंह का मोबाइल हत्या में प्रयुक्त पिस्टल, हत्या के लिए दिए गए पैसे में से 16300, अभियुक्त का जूता, हत्या के बाद पैसे लेनदेन की विवरण, अभियुक्त उरवि करमाली एवं संतोष कुमार के पास मोबाइल जब्त किया गया।

जनहित मुद्दों को विस में मजबूती से उठाएं विधायकगण : मनोज सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : भाजपा नेता सह झारखण्ड सेल अध्यक्ष मनोज सिंह बुधवार को झारखण्ड विधानसभा के विशेष सत्र में पहुँचे। विपक्ष के विधायक कक्ष में पहुंचकर मनोज सिंह ने विपक्ष के निर्वाचित विधायको को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने सभी विधायकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सभी विधायकगण विधानसभा में जनहित मुद्दों को मजबूती से उठाएं। जनता ने आपको विपक्ष में रहने का मौका दिया है सरकार को आईना दिखाने का कार्य करें। मनोज सिंह ने बरही विधायक मनोज कुमार यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। सम्मानित करने वाले विधायको में बाबूलाल मरांडी, धनवार, मनोज कुमार यादव बरही, सीपी सिंह राँची, राज सिन्हा धनबाद, आलोक चौरसिया डाल्टेनगंज, जयराम महतो डुमरी, प्रदीप प्रसाद हजारीबाग, डॉ मंजू देवी जमुआ, नागेंद्र महतो बगोदर, प्रकाश राम लातेहार, नवीन जायसवाल हटिया, उज्ज्वल दास सिमरिया, रौशन लाल चौधरी बड़कागांव, तिवारी महतो मांडू आदि उपस्थित थे ।

अध्यक्ष रबींद्र महतो का नेतृत्व विधानसभा को नई ऊंचाईयों पर ले जाएगा : प्रदीप प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने बुधवार को विधानसभा के अध्यक्ष रविंद्र महतो से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें विधानसभा के अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस मुलाकात के दौरान प्रदीप प्रसाद ने महतो के कुशल नेतृत्व और विधानसभा में उनके समर्पित योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष के रूप में महतो का अनुभव एवं नेतृत्व सदन की मयार्दा और कार्यकुशलता को नई ऊंचाईयों तक ले जाएगा। प्रदीप प्रसाद ने विश्वास व्यक्त किया कि रविंद्र महतो के नेतृत्व में विधानसभा में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को मजबूती मिलेगी और सभी दलों के बीच समन्वय स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष के रूप में महतो का कार्यकाल प्रदेश के विकास और लोकतंत्र के लिए एक प्रेरणादायक अध्याय साबित होगा। इस अवसर पर सिमरिया के विधायक कुमार उज्जवल दास भी महतो को बधाई देने के लिए उपस्थित रहे। उज्जवल दास ने भी अध्यक्ष के प्रति अपनी शुभकामनाएं प्रकट करते हुए कहा कि उनका अनुभव एवं मार्गदर्शन विधानसभा की कार्यवाही को और अधिक सशक्त बनाएगा। उन्होंने सदन में रचनात्मक सहयोग और समर्पण के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। शिष्टाचार भेंट के दौरान दोनों विधायकों ने महतो से विधानसभा और प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और उनके साथ सकारात्मक दृष्टिकोण साझा किया। यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक रही, जो प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया और सद्भावना को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण कदम है।

नारीशक्ति का संगठन में सक्रियता के साथ रहना बहुत ही जरूरी है : नागेन्द्र त्रिपाठी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : भाजपा क्षेत्रीय संगठन मंत्री नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी को हजारीबाग आगमन पर भारत माता चौक पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने फूलमाला एवं बुके भेंटकर स्वागत व अभिनन्दन की। इस अवसर पर संगठनात्मक विषयों पर सनिध्य एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। संगठनात्मक वातार्लाप कर पार्टी की मजबूती पर विशेष एवं खास चर्चा की। इस दौरान भाजपा क्षेत्रीय संगठन मंत्री नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने भाजपा नेत्री शेफाली की सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में रूचि देखते हुए जमकर प्रशंसा किया। कहा कि पार्टी में आप जैसे नारीशक्ति का संगठन में सक्रियता के साथ रहना बहुत ही जरूरी है। आपके उज्जवल भविष्य की बहुत- बहुत शुभकामनाएं। भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने कहा कि पार्टी द्वारा मिली जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा एवं सक्रियता से निर्वहन करती हूँ। कोशिश करती हूँ कि जहां तक संभव हो सके सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में जुडकर कार्य करूँ। मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक यादव, भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष मनोरमा राणा, पूर्व जिला अध्यक्ष रणुका देवी, भाजपा नेता आनंद देव, सदर मंडल पश्चिमी अध्यक्ष रंधीर पाण्डेय सहित कई भाजपा कार्यकर्ताओं की विशेष उपस्थिती रही।

अवैध जलावन लकड़ी लोड ट्रैक्टर को वन विभाग ने किया जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : भगहर अधिसूचित वन से अवैध जलावन लकड़ी लोड ट्रैक्टर को वन विभाग की टीम ने जप्त कर रेंज कार्यालय लाया। हालांकि लकड़ी लदे ट्रैक्टर को लाने मे वन विभाग को काफी मसक्कत का सामना करना पड़ा। इसके बाद वन विभाग ने चौपारण थाना को सुचना दिया और थाना के सहयोग से लकड़ी लदे ट्रैक्टर को चौपारण रेंज कार्यालय लाया गया और जाँच कर वन वाद दायर किया जा रहा है। वहीं प्रभारी वनपाल पंकज कुमार ने बताया की गुप्त सूचना प्राप्त हुवा की जंगल से अवैध लकड़ी काटकर ट्रैक्टर से ले जाया जा रहा है। उसके बाद तुरंत छापामारी दल का गठन किया गया और छापामारी किया गया छापामारी दल को देखते ही लकड़ी तस्कर फरार हो गया। बता दे कि जंगल ही सारे अवैध कार्य का बना है अड्डा तस्करों का सेफ जोन माना जाता है जंगल। छापामारी दल मे प्रभारी वनपाल पंकज कुमार, अजीत कुमार गंझु, सिकंदर नायक, उमेश कुमार, अशोक साही, चालक सुखदेव यादव, होमगार्ड के जवान सहित दैनिक कर्मी शामिल थे।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय में फिट इंडिया वीक कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय में फिट इंडिया वीक 2024 का उद्घाटन समारोह 11 दिसंबर 2024 को भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह, डीन स्टूडेंट वेलफेयर ने की। समारोह में डॉ. सादिक रजाक, रजिस्ट्रार और डीन, सोशल साइंसेज, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अन्य प्रमुख अतिथियों में डॉ. अविनाश कुमार, हेड, बॉटनी विभाग, डॉ. अविनाश कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, साइकोलॉजी विभाग, डॉ. विनोद रंजन, हेड, एंथ्रोपोलॉजी विभाग और नोडल ऑफिसर, फिट इंडिया वीक डॉ. उमेंद्र सिंह, कार्यक्रम समन्वयक कार्यक्रम का संचालन पुष्कर कुमार पुष्पा, शोधार्थी, अर्थशास्त्र विभाग ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विनोद रंजन द्वारा प्रस्तुत किया गया। डीन स्टूडेंट वेलफेयर, प्रो. डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा, रफिट इंडिया वीक के माध्यम से हम छात्रों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और फिटनेस के महत्व को समझने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। यह पहल युवाओं के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। फिट इंडिया वीक सेलिब्रेशन के नोडल ऑफिसर, डॉ. उमेंद्र सिंह घोषणा की कि, फिट इंडिया वीक के अंतर्गत विश्वविद्यालय में आयोजित खेलों में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि उद्घाटन दिवस पर 600 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। आज के कार्यक्रम में विशेष रूप से बैलून फ्लोटिंग गेम का आयोजन किया गया, जिसमें लड़कों और लड़कियों दोनों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस खेल के दौरान प्रतिभागियों ने दौड़ने और गुब्बारे फुलाने जैसी गतिविधियों में अपनी फिटनेस और क्षमता का प्रदर्शन किया। रजिस्ट्रार और डीन सोशल साइंसेज, डॉ. सादिक रजाक ने कहा, फिट इंडिया वीक जैसी पहल न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, बल्कि यह हमें मानसिक रूप से मजबूत बनने की प्रेरणा भी देती है। फिट इंडिया वीक के दौरान आगामी दिनों में योग, दौड़, खेल प्रतियोगिताएं और अन्य फिटनेस गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच फिटनेस के प्रति रुचि और जागरूकता को बढ़ावा देना है।

संक्षिप्त खबरें

चम्पई सोरेन जैसे वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं से मुलाकात करना मेरे लिए प्रेरणादायक : प्रदीप

हजारीबाग : सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने पूर्व मुख्यमंत्री सह सरायकेला के वरिष्ठ और लोकप्रिय विधायक चंपई सोरेन से भेंट की। यह मुलाकात क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से की गई। इस दौरान दोनों नेताओं ने अपने-अपने क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़कों की जर्जर स्थिति, पेयजल की समस्या, और बेरोजगारी जैसे विषय शामिल थे। विधायक प्रदीप प्रसाद ने सरायकेला क्षेत्र में चंपई सोरेन द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की और उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया।चंपई सोरेन ने सदर क्षेत्र में विकास योजनाओं को लागू करने और स्थानीय जनता के हित में कार्य करने के लिए विधायक प्रदीप प्रसाद को सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को समझकर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल करना ही एक जनप्रतिनिधि की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा सरायकेला विधायक चंपई सोरेन से भेंट मेरे लिए एक बेहद महत्वपूर्ण अनुभव रहा। उनके विकास कार्यों और जनता के प्रति समर्पण ने मुझे बहुत प्रभावित किया। हमारे क्षेत्र की समस्याओं को हल करने और विकास की नई दिशा देने के लिए उनके मार्गदर्शन से मुझे नई ऊर्जा और प्रेरणा मिली है। मैंने चंपई सोरेन जी के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और रोजगार जैसी क्षेत्रीय समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मुझे इन समस्याओं के समाधान के लिए मूल्यवान सुझाव दिए। मैं उनके अनुभवों से सीखते हुए अपने क्षेत्र की जनता के लिए बेहतर कार्य करने का प्रयास करूंगा। जनता के विकास और समृद्धि के लिए ऐसे संवाद और सहयोग बेहद जरूरी हैं। मैं चंपई सोरेन जी का धन्यवाद करता हूं और उनके मार्गदर्शन से प्रेरित होकर अपने दायित्वों को और अधिक जिम्मेदारी से निभाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। इस मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय समन्वय को मजबूत बनाने और विकास कार्यों में एक-दूसरे का सहयोग करने की प्रतिबद्धता जताई।

एसडीपीओ के आदेश पर थाना प्रभारी ने मोटरसाइकिल जांच अभियान चलाया

बड़कागांव : बड़कागांव एसडीपीओ पवन कुमार के निदेर्शानुसार सिकरी ओपी थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह के द्वारा सिकरी राजाबागी बड़कागांव मुख्य पथ पर ड्राइवरी लाइसेंस, बिना हेलमेट के बाइक चलाने वाले एवं कम उम्र के चालकों की जांच पड़ताल की गई। जिसमें 14 बाइक पकड़े गए सभी के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई के लिए रिपोर्ट हजारीबाग भेजी गई। हालांकि सभी पकड़े गए वाहन के मालिकों को बाइक सुपुर्द कर दिया गया। जांच के दरमियान थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह के द्वारा वैसे लोग जो हेलमेट टांग करके चल रहे थे उन्हें अपने हाथों से हेलमेट पहनाया और जीवन की सुरक्षा को लेकर बात बताई। एसडीपीओ पवन कुमार ने कहा कि इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी, सभी वाहन मालिक नियम का पालन करें जो भी नियम का पालन नहीं करेंगे उन पर नियम संगत कार्रवाई होगी उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। मोटरसाइकिल जांच कार्यक्रम में थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह सहित पुलिस सशस्त्र बल शामिल थे।

मुखिया ने बसरिया आंगनबाड़ी के बच्चों को पहनाया स्वेटर

चौपारण : प्रखंड के बसरिया आंगनबाड़ी केंद्र में अध्ययनरत बच्चो को मुखिया मंजू देवी ने ठंड को देखते हुए हाईनेक स्वेटर का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा की बाल विकास परियोजना विभाग की यह महत्वाकांक्षी योजना है। आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ रहे तीन से छह वर्ष के बच्चों को ठंड से बचने के लिए स्वेटर दिया दिया गया है। स्वेटर मिलने के बाद आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के चेहरे खुशी से खिल गया।

'पोषण भी पढ़ाई भी' कार्यक्रम के तहत शुरू हुआ सेविकाओं का प्रशिक्षण

रामगढ़ : रामगढ़ जिले में समाज कल्याण विभाग के कार्यक्रम "पोषण भी पढ़ाई भी" के तहत आंगनबाड़ी सेविकाओं का प्रशिक्षण शुरू हुआ है। इस प्रशिक्षण के दौरान सेविकाओं को यह बताया जाएगा कि बच्चों को कैसे पोषण आहार उपलब्ध कराना है और उन्हें शिक्षा के स्तर पर भी मजबूत रखना है। तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ होटल टी एंड ट्रीट के सभागार में दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर समाज कल्याण पदाधिकारी इन्दु प्रभा खलखो ने जानकारी दी कि ये प्रशिक्षण कार्यक्रम पांच बैच में चलाया जाना है। जो दिनांक 11 दिसंबर से चार जनवरी तक निर्धारित है। इसमें 500 आंगनबाड़ी सेविकाएं सम्मिलित होगी। देश भर में पोषण और प्रारंभिक बचपन की शिक्षा में सुधार के उद्देश्य से 'पोषण भी पढ़ाई भी' की शुरूआत की गयी है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 0-3 एवं 03 से 06 वर्ष के बच्चों के लिए नवचेतना एवं आधारशिला के अन्तर्गत प्रारंभिक बचपन की देखभाल, शिक्षा, पोषण, बच्चों के विकास के सभी आयामों, पोषण ट्रेकर एप, एसएएम,एमएएम बच्चे, एमसीपी कार्ड, स्थानीय चीजों का प्रयोग कर आंगनबाड़ी केन्द्रों को लर्निंग सेन्टर के तौर पर विकसित करने के संबंध में जानकारी दी जाएगी। इस अभियान के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति, साक्षरता और संख्यात्मक कौशल में एक मजबूत नींव तैयार किए जाने को लेकर प्राथमिकता तय की गयी है, जिससे 0-6 वर्ष के बच्चों के सम्पूर्ण विकास पर फोकस किया जा सकें। प्रशिक्षण का उद्देश्य आंगनबाड़ी केन्द्रों की सेविकाओं को कौशल प्रदान करना है। ताकि 06 वर्ष से कम आयु के बच्चों को प्रारंभिक बाल्यावस्था में देखभाल और शिक्षा तथा पोषण सेवा प्रदान करने के लिए उनकी क्षमता का निर्माण किया जा सकें।

एक नजर

झारखंड में मदरसा बोर्ड के गठन के लिए नियम-कानूनों का हो रहा अध्ययनः हफीजुल

रांची : झारखंड में मदरसा बोर्ड के गठन की कवायद शुरू कर दी गई है। इसके लिए बिहार, ओडिशा और तेलंगाना के नियम-कानूनों का अध्ययन भी किया जा रहा है। बताते चलें कि बुधवार को सदन में राज्यपाल के अभिभाषण में मदरसा बोर्ड के गठन का भी जिक्र है। इस मसले पर कैबिनेट मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि मदरसा बोर्ड के गठन को जल्द ही सरकार अंतिम रुप देगी। झारखंड में काफी समय से मदरसा बोर्ड की मांग की जा रही है। हफीजुल हसन ने कहा कि हज हाउस में गरीब बच्चों की पढ़ाई जल्द ही शुरू की जाएगी। इसकी भी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इस व्यवस्था के लिए टेंडर जारी किया जाएगा।

झारखंडी युवाओं को लाठी नहीं नौकरी दें : विजय शंकर

रांची : आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने हजारीबाग के आनदोलनरत छात्रो पर हुए लाठीचार्ज में आगे कहा कि लाठी, गोली लोकतंत्र के लिए शुभ नही है। आपकी सरकार मे यह व्यवस्था बन्द होनी चाहिए और वार्ता का दौर ज्यादा से ज्यादा हो। जनता की हरेक बातों को ध्यान से सुना जाना चाहिए और वातार्लाप को बढ़ावा दे कर सकरात्मक पहल होनी चाहिए जिससे आपकी सरकार जनता की सरकार हो इसका संदेश जनता के बीच जा सके। श्री नायक ने आगे कहा कि जेएसएससी-सीजीएल की परीणाम देखकर अंधा भी यह कह सकता है कि कुछ न कुछ 100 प्रतिशत इसमे धांधली की गई है। इन परीक्षा मे उत्तीर्ण जो रौल नम्बर है उसकी सघनता से जांच की जाए।

किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे : बाबूलाल

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झामुमो-कांग्रेस गठबंधन ने किसानों से वादा किया था कि धान की खरीद 3200 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर की जाएगी लेकिन चुनावी वादों पर अमल न होने से किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। बाबूलाल ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया है कि चुनावी वादों के अनुरूप किसानों से 3200 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर धान की खरीद करें। साथ ही किसानों के लिए पारदर्शी व्यवस्था और समय पर भुगतान सुनिश्चित करें। सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि किसान हमारे देश की रीढ़ हैं और उनकी समस्याओं को नजरअंदाज करना सभी के भविष्य के साथ अन्याय है।

सहायक शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया के रिजल्ट पर हाई कोर्ट ने लगायी रोक

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने कृष्ण कुमार हलदर की ओर से राज्य में 26000 सहायक शिक्षकों (आचार्य) की नियुक्ति के लिए चल रही प्रक्रिया के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई पूरी कर ली है। सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। बुधवार को हाईकोर्ट ने कहा है कि जब तक अदालत अपना फैसला नहीं सुनाता रिजल्ट जारी नहीं किया जाए। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और जस्टिस दीपक रौशन की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई। बुधवार को सहायक शिक्षक नियुक्ति नियमावली में पारा शिक्षकों को 50 प्रतशत आरक्षण दिए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया है।

झारखंड का धान सिर्फ राज्य में उपयोग होगा : इरफान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार के खाद्य सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग की एक महत्वपूर्ण बैठक मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट बिल्डिंग के एनेक्सी भवन में आयोजित की गई। बैठक में विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी और राज्य के विभिन्न विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री ने बैठक में विभागीय कार्यों की गहराई से समीक्षा करते हुए साफ संदेश दिया कि यह विभाग गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों से सीधा जुड़ा है। इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही या गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राशन कार्ड से अधिकतम उपभोक्ताओं को जोड़ने का लक्ष्य

मंत्री ने कहा कि राज्य के लगभग 5.5 लाख उपभोक्ताओं को राशन कार्ड से जोड़ने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि कोई भी परिवार अनाज के अभाव में भूखा न रहे।

सोना-सोबरन धोती-साड़ी वितरण योजना

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की पहल के तहत बंदना और सोहराय पर्व के अवसर पर बेहतर गुणवत्ता की धोती, लूंगी और साड़ी का वितरण किया जाएगा। मंत्री ने इस योजना में पूर्व में हुई गड़बड़ियों की शिकायतों पर सख्ती से जांच कराने और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने का आश्वासन दिया।

खाद्य सुरक्षा योजना के तहत चावल वितरण में बढ़ोतरी

झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत चावल का वितरण 5 किलो से बढ़ाकर 7 किलो किया जाएगा।

झारखंड का धान राज्य के भीतर ही उपयोग

राज्य में उत्पादित धान को झारखंड के बाहर नहीं भेजा जाएगा। सभी संसाधनों का उपयोग झारखंड के लोगों के लिए ही किया जाएगा।

पहाड़ी क्षेत्रों में चावल की पहुंच

मंत्री ने कहा कि झारखंड की दुर्गम पहाड़ी इलाकों में भी चावल को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा, ताकि कोई भी परिवार वंचित न रह सके।

आउटसोर्सिंग से एजीएम की नियुक्ति

विभाग को और अधिक सक्षम बनाने के लिए 286 एजीएम की बहाली आउटसोर्सिंग के माध्यम से की जाएगी।

गुणवत्ता और पारदर्शिता पर जोर

मंत्री ने कहा कि विभाग 2जी नहीं, 5जी की स्पीड में काम करेगा और सभी कार्य पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ किए जाएंगे।

मंत्री इरफान अंसारी ने बैठक के दौरान स्पष्ट किया कि गलत कार्य करने वाले पदाधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी, जबकि अच्छा काम करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा।आगे मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा, यह विभाग झारखंड के गरीब और मध्यम वर्गीय लोगों की जीवन रेखा है। इसमें किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। हेमन्त सोरेन सरकार अपने वादों को पूरा करने के लिए दृढ़संकल्प है और राज्य के हर नागरिक को इसका लाभ मिलेगा। विशेष रूप से, जामताड़ा के उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देते हुए उनकी सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

इस बैठक के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि राज्य सरकार अपने नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। विभागीय कामकाज को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने के लिए निरंतर कदम उठाए जा रहे हैं।

माकपा का तीन दिवसीय राज्य सम्मेलन नौ जनवरी से

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : शहर के मेन रोड स्थित सीपीआईएम (माकपा) कार्यालय में पार्टी की राज्य कमेटी की बैठक हुई। बैठक में पार्टी के दो पोलित ब्यूरो सदस्य, पूर्व सांसद वृंदा करात और डॉ रामचंद्र डोम की उपस्थित में विधानसभा चुनाव की समीक्षा की गयी। साथ ही राज्य के मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर सीपीआईएम का तीन दिवसीय राज्य सम्मेलन 9 से 11 जनवरी तक नामकुम में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। सम्मेलन में राज्य भर में जिला सम्मेलनों से निर्वाचित 347 प्रतिनिधि और 19 दर्शक शामिल होंगे। पार्टी के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि वे राज्य भर में फैले सीपीएम के 5505 पार्टी सदस्यों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सम्मेलन की तैयारी के लिए साहित्यकार और भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी एवं ट्राइबल रिसर्च संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ रणेन्द्र की अध्यक्षता में 115 सदस्यीय स्वागत समिति का गठन किया गया। स्वागत समिति में प्रगतिशील, जनवादी साहित्य कला एवं संस्कृति के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों, ट्रेड यूनियनों, महिलाओं, युवाओं तथा छात्रों के जनसंगठनो सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है।

स्वागत समिति के सचिव पार्टी की रांची (पश्चिम) जिला कमेटी के जिला सचिव प्रफुल्ल लिंडा एवं संयुक्त सचिव रांची (पूर्वी) के जिला सचिव दिवाकर सिंह मुंडा तथा कोषाध्यक्ष अमल आजाद होंगे। सम्मेलन स्थल का नाम पार्टी के दिवंगत महासचिव सीताराम येचुरी के नाम पर होगा। सम्मेलन के सभागार का नाम पं. बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के स्मृति में रखा गया है। सम्मेलन के मंच का नाम शहीद सुभाष मुंडा मंच होगा। यह जानकारी राज्य सचिव ने प्रकाश विप्लव ने दी।

झारखंड में लगातार बढ़ रही ठंड, अगले पांच दिनों तक मौसम रहेगा साफ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में बारिश के बाद लगातार ठंड बढ़ रही है। साथ ही ठंडी हवाओं के साथ तापमान लगातार गिर रहा है। इसमें अभी और गिरावट की संभावना है। अगले पांच दिनों तक मौसम साफ रहने की संभावना है। राज्य में कम से कम 4 डिग्री तक तापमान में गिरावट आएगी। राज्य का सबसे कम न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। अधिकतम तापमान अभी 27.6 डिग्री सेल्सियस है।

इस संबंध में रांची मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बुधवार को बताया कि अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री की गिरावट आएगी। इस वजह से लोगों को ठंड का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि झारखंड में अगले पांच दिनों तक बारिश के आसार नहीं हैं। सुबह में कोहरा रहेगा लेकिन बाद में मौसम साफ हो जायेगा।

मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी रांची का न्यूनतम तापमान बुधवार को 9.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। पिछले 24 घंटे के दौरान जमशेदपुर के अधिकतम तापमान में छह डिग्री की वृद्धि हुई है। राजधानी रांची के अधिकतम तापमान में 2.4 डिग्री, डाल्टेनगंज में 1.4 डिग्री और बोकारो में 3.6 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। न्यूनतम तापमान की बात करें, तो रांची में 3.9 डिग्री सेल्सियस, जमशेदपुर में 3.4 डिग्री, डाल्टेनगंज में 2.7 डिग्री और बोकारो में 3.1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान में वृद्धि के बाद रांची का उच्चतम तापमान 22.4 डिग्री, जमशेदपुर का 26.7 डिग्री, डाल्टेनगंज का 25.2 डिग्री, बोकारो का 23.1 डिग्री और चाईबासा का 27.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।

हाई कोर्ट ने सरयू राय के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर लगी रोक की अवधि बढ़ाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने जदयू विधायक सरयू राय को मिली राहत बरकरार रखी है। अदालत ने बुधवार को उनके खिलाफ स्वास्थ्य विभाग के अपर सचिव की ओर से दर्ज करवाए गए मामले में पीड़क कार्रवाई पर रोक के आदेश को 10 जनवरी तक विस्तार दिया है। इसके साथ अदालत ने राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए दोबारा समय दिया है।

हाई कोर्ट के जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में सरयू राय की याचिका पर सुनवाई हुई। उनकी ओर से अधिवक्ता दिवाकर उपाध्याय ने बहस की। चुनाव के समय पीड़क कार्रवाई पर रोक के आदेश को विस्तार मिलने से सरयू राय को बड़ी राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि गोपनीय दस्तावेज के लीक मामले में विधायक सरयू राय के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग के अवर सचिव की ओर से मई 2022 में डोरंडा थाना में दर्ज करायी गयी थी। रांची के एमपी-एमएलए के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने आपराधिक साजिश रचकर स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग से संचिका के गोपनीय पन्नों की चोरी करने के आरोप में विधायक सरयू राय के खिलाफ दायर आरोप पत्र पर संज्ञान लेते हुए समन जारी किया है, जिसे उन्होंने हाई कोर्ट में चुनौती देते हुए अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने का आग्रह कोर्ट से किया है। मामले में आरोप पत्र भी दाखिल हो चुका है।

स्कूली बच्चों ने वृद्धाश्रम में की बुजुर्गों की सेवा, जरूरत की सामग्री की भेंट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बाल्य काल से ही छात्रों में सामाजिक दायित्व और बुजुर्गों के प्रति सम्मान की भावना से संपोषित करने के उद्देश्य से जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली के कक्षा पांच के 40 विद्यार्थियों ने डीएवी नंदराज विद्यालय के परिसर में स्थित 'सीनियर सिटीजन होम' वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों से बातचीत कर उनकी भरपूर सेवा की। बच्चों ने दीपावली से पूर्व अपने हाथों से दीया बनाकर प्रदर्शनी लगाई थी। इसे आतिथियों और अभिभावकों ने खरीदा था। प्रदर्शनी से प्राप्त राशि से बच्चों ने वृद्धाश्रम के लिए आवश्यक खाद्य-पदार्थ, गर्म कपड़े और अन्य जरूरत की सामग्री भेंट की। इतना ही नहीं बच्चों ने वृद्धाश्रम में रह रहे 60 बुजुर्गों के लिये भजन और गीत गाए। बच्चों ने बुजुर्गों को अपने हाथों से बनाया हुआ कार्ड भी दिया। प्राचार्य समरजीत जाना ने कहा सामाजिक दायित्वों से ही मानव का पूर्ण विकास होता है। आज युवाओं में पारिवारिक जिम्मेदारी और सामाजिक दायित्वों के प्रति अनदेखी की जा रही है। ऐसे में बच्चों को वृद्धाश्रम में लाने का मकसद बुजुर्गों के प्रति आदर सम्मान पैदा करना और उनमें अच्छे संस्कार पैदा करना है। इससे बच्चों के मन में अपने बुजुर्ग दादा-दादी और नान-नानी के प्रति सेवा व समर्पण भाव पैदा हो। इन बच्चों का प्यार -दुलार देखकर कई बुजुर्गों की आंखों में भी आंसू भी गए। उन्हें अपने पोते-पोतियों की याद आने लगी।

उन्होंने बच्चों को आशीष देते हुए कहा कि आप अपने मां-बाप को इतना प्यार देना की, किसी भी बुजुर्ग को वृद्धाश्रम की जरूरत ही न पड़े। प्राचार्य समरजीत जाना खुद इस पुनीत यात्रा के नेतृत्वकर्ता बने।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा मामला : कथित गड़बड़ी के विरोध में देवेंद्रनाथ महतो ने निकाला कैंडल मार्च

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा संचालित सीजीएल परीक्षा का विरोध तेज हो गया है। विरोध में छात्र सड़कों पर उतर आए हैं। मंगलवार को प्रशासन द्वारा हजारीबाग के आंदोलनरत छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया है। लाठी चार्ज से कई छात्र गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। घायल छात्र फिलहाल अस्पताल में इलाजरत है। जिससे छात्रों एवं अभिभावको में भारी नाराजगी है। इस बेरहमी लाठी चार्ज का झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन ने भी विरोध किया। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के वरीय उपाध्यक्ष सह छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने आज बुधवार को सरकार और प्रशासन के खिलाफ कैंडल मार्च निकाला। यह संध्याकालीन कैंडल मार्च जयपाल सिंह स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक निकाला गया। विरोध प्रदर्शन के दौरान शहिद अल्बर्ट एक्का रांची में छात्रों एवं अभिभावको का भारी जुटान देखा गया। छात्रों में भारी नाराजगी एवं गुस्सा देखा गया। अभ्यर्थियों ने जमकर जेएसएससी आयोग और राज्य सरकार विरोधी नारे लगाए। घंटो तक सड़कों में जाम की स्थिति बन रही। मौके पर लाठी चार्ज का कड़ी निंदा करते हुए छात्र नेता देवेन्द्र नाथ महतो ने दोषी अधिकारियों पर करवाई करने का मांग किया। एवं सीजीएल परीक्षाफल पर धांधली का आरोप लगाते हुए कहा कि कट-ऑफ अंक जारी नही कर सिधे चयनित छात्रों का सुची जारी करना सेटिंग-गेटिंग साबित होता है। पहले दिन के इस परीक्षा में लगभग मात्र 82 छात्रों का ही सिलेक्शन हुआ जबकि दूसरे दिन 22 सितम्बर को हुए परीक्षा में लगभग 2149 छात्रों का सिलेक्शन हुआ है जो कि एक गंभीर जांच का विषय है। छात्रों का भविष्य का ख्याल रखते हुए तत्काल डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन पर रोका लगाया जाय एवं इस विवादित परीक्षाफल को रद्द कर पुनः प्रदर्शिता के साथ परीक्षा का आयोजन होनी चाहिए।

कैंडल मार्च के दौरान देवेंद्र नाथ महतो, चंदन रजक, खगेन महतो, हर्षित सिंह, कर्मु मुंडा, लक्ष्मी कुमारी, रवी मंडल, विजय, प्रभु, विष्णु आदि हजारों की संख्या में अभ्यर्थी, कोचिंग संचालक शिक्षक एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे। आक्रोशित छात्र जेएसएससी सीजीएल परीक्षाफल रद्द करना होगा, झारखंड सरकार हाय-हाय, सेटिंग गेटिंग नाय चलतो और सरकार विरोधी नारे जम कर लगे।

संक्षिप्त खबरें

मंत्री दीपिका पांडेय से मिला जिला परिषद अध्यक्षों का प्रतिनिधिमंडल

रांची : झारखंड जिला परिषद के अध्यक्ष का प्रतिनिधि मंडल ने आज प्रोजेक्ट भवन में ग्रामीण विकास विभाग की मंत्री श्रीमती दीपिका पांडे से मुलाकात कि। प्रतिनिधि मंडल ने मंत्री से जिला परिषद एवं झारखंड के सभी पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकार एवं पंचायती राज व्यवस्था को सख बनाने की मांग की है। इस प्रतिनिधि मंडल में शांति देवी गढ़वा अध्यक्ष सरला सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष धनबाद निर्मला भगत रांची शांति देवी गढ़वा शांति देवी गढ़वा पूनम देवी आदि लोगों ने मुलाकात की है।

सदर एसडीओ ने फुटपाथ पर सोने वाले बेघर लोगों को शेल्टर हाउस पहुंचाया

रांची : रांची के उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री के आदेश के बाद में मंगलवार देर रात अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ), सदर उत्कर्ष कुमार ने रांची के मुख्य चौराहों पर फुटपाथ पर सोने वालें बेघर लोगों को रेस्क्यू कर शेल्टर हाउस पहुंचाया। जो नहीं गए उनके लिए कंबल और अलाव की व्यवस्था की गई ताकि ठंड से उनका बचाव किया जा सकें। कुमार ने अपर बाजार स्थित और खादगड़ा स्थित शेल्टर होम का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्य रूप से शेल्टर होम के बाथरूम की साफ-सफाई और रिपेयर कार्य कराने का संबंधित पदाधिकारी को दिशा-निर्देश दिया। साथ ही शहर अंचल अधिकारी को मुख्य इलाकों में अलाव जलाने के लिए कहा। उल्लेखनीय है कि उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री बेहद संजीदगी से लोगों की समस्या को जमीनी स्तर पर दूर करने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने विशेष रूप से कहा है कि रांची जिले के सभी लोगों के साथ जिला प्रशासन हमेशा खड़ा है। आम जनमानस उनसे कभी भी समस्या लेकर मिल सकते है।

मोक्षदा एकादशी के अवसर पर श्याम मंदिर में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

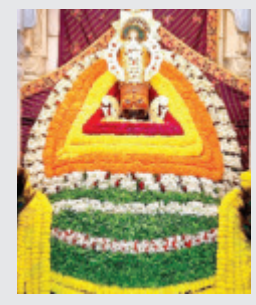

रांची : श्रीश्याम मित्र मण्डल द्वारा संचालित हरमू रोड़ के श्रीश्याम मंदिर में बुधवार को मोक्षदा एकादशी के अवसर प्रातः से देर रात तक बड़ी संख्या में भक्तजनो ने खाटूनरेश का दर्शन कर आशीष प्राप्त किया। खाटूनरेश का श्रृंगार करके आरती की गयी। इसके पहले खाटूनरेश को मेरुन कलर का चमकदार नवीन पौशाक पहनाया गया। सभी गर्भगृहो का अनोखा श्रृंगार मंदिर के आचार्यों ने किया। सायंकालीन श्रृंगारित दरबार को जब खोला गया तो सैकड़ों उपस्थित भक्तजनो ने खाटूनरेश की जय-जयकार करके अपना मत्था टेका। मोक्षदा एकादशी के अवसर पर भजन -संकीर्तन का विशेष कार्यक्रम हुआ। श्रवण ढाढ़निया, श्यामसुंदर शर्मा गौरव अग्रवाल मोनू, अनुज मोदी, मनोहर केडिया, सलज अग्रवाल सोनू, पंकज गाड़ोदिया, निखिल नारनोली, वेदभूषण जैन पप्पू, रतन शर्मा, साकेत ढाढ़निया, रोशन खेमका, किशन शर्मा, विशाल पोद्दार ने एक से बढ़कर एक भजनों का गायन कर खाटूनरेश को रिझाया। भजनों की अमृतगंगा में भक्तजन झूमते रहे। मण्डल के महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, संजय सराफ, रतन शर्मा, रौनक पोद्दार, अरविन्द सोमनी, अभिषेक सरावगी ने प्रसाद वितरित किया। देर रात महाआरती के साथ मोक्षदा एकादशी कार्यक्रम का समापन हुआ।

चेक बाउंस मामले में सजायाफ्ता की सजा बरकरार, अपील खारिज

रांची : न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने बुधवार को चेक बाउंस मामले में सजायाफ्ता सोनी देवी की सजा को बरकरार रखा है। अदालत ने अपीलकर्ता की याचिका को खारिज करते हुए उसकी सजा को बरकरार रखा है। इससे सजायाफ्ता को झटका लगा है। सोनी देवी को न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडे की अदालत ने शिकायतवाद संख्या 1702/23 मामले में दोषी पाकर 21 जुलाई को एक साल की सजा और 12 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया था। कोर्ट से सुनाई गई सजा को चुनौती देते हुए सजायाफ्ता ने न्यायायुक्त की अदालत में क्रिमिनल अपील दाखिल की थी। इस पर सुनवाई पश्चात अदालत ने सजा को बरकरार रखा और अपील को खारिज कर दी। अपीलकर्ता ने सुखदेव नगर निवासी शंकर कुमार वर्मा से 13 लाख रुपये दोस्ताना लोन ली थी। बदले में 8.25 लाख रुपये चेक दिया था, जो बाउंस कर गया था। चेक बाउंस मामले में 16 जनवरी, 2023 को केस हुआ था। सुखदेव नगर के न्यू किशोरगंज के आनंद नगर निवासी प्रदीप कुमार प्रजापति की सोनी देवी पत्नी है।

छात्रों पर लाठीचार्ज करके सरकार ने मंशा स्पष्ट कर दी : चम्पाई सोरेन

रांची : पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के विधायक चम्पाई सोरेन ने हेमन्त सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि एक कहावत है कि पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं। इसी तर्ज पर अपने कार्यकाल की शुरूआत में ही न्याय की मांग कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करके सरकार ने अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है। चम्पाई सोरेन ने लिखा है कि हमारा स्पष्ट तौर पर मानना है कि यदि नियुक्ति सहित किसी भी सरकारी प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हों, तो सीबीआई जांच के जरिये सरकार इस विवाद का सर्वमान्य हल निकाल सकती है लेकिन जिस प्रकार लाठी के दम पर युवाओं के आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया जा रहा है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भाजपा जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में हुई गड़बड़ी के विरोध में आंदोलन कर रहे छात्रों के साथ खड़ी है। झारखंड की अगली पीढ़ी के भविष्य के साथ हो रहे इस खिलवाड़ को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

खरमास के बाद नए बंगलों में होगा मंत्रियों का गृह प्रवेश

रांची : रांची के स्मार्ट सिटी में मंत्रियों के लिए नवनिर्मित बंगलो उनके वेलकम को तैयार है। जानकारी के अनुसार, खरमास के बाद मंत्रियों का इस नए बंगलो में गृह प्रवेश होगा। बताते चलें कि सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्मार्ट सिटी में मंत्रियों के लिए बने बंगलो का निरीक्षण भी किया था। इसके बाद सीएम ने अफसरों को 15 जनवरी 2025 तक आवास से जुड़े सभी कार्य को पूरा करने का निर्देश दिया था। स्मार्ट सिटी में मंत्रियों के लिए 11 आवास बनाए गए हैं।

एक नजर

हार्ट अटैक से हुई जज के पेशकार की मौत

बोकारो : बोकारो के सिविल कोर्ट के एक जज के पेशकार की मौत हार्ट अटैक से हो गयी। यह मौत आज उस वक्त हो गई जब पेशकार मनोज साह अपने दफ्तर मे काम कर रहे थे। जहाँ उनकी अचानक हालत बिगड़ी तथा ऑफिस मे ही गिर पड़े। आनन फानन मे सहयोगी कर्मी उन्हें अस्पताल लाये जहाँ चिकित्स्कों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक मनोज साह मूलतः रांची धुर्वा के निवासी बताये जा रहे है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर सिटी पुलिस पहुंची तथा मामले की तहकीकात शुरू कर दी है। वैसे अस्पताल मे मृतक का परिजन भी पहुंच चुके है, परिजनों के गगनभेदी चित्कार से पूरा अस्पताल गमगीन हो गया है। पुलिस शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम कराने की तैयारी मे जुट गई। वैसे मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

अतिक्रमण हटाने के दौरान लगी आग

बोकारो : बोकारो स्टील प्रबंधन द्वारा अवैध अतिक्रमणकरियो के खिलाफ अभियान चलाये जा रहे है, इसी अभियान के तहत आज प्रबंधन ने सिक्योरिटी गार्डो के सहायता से सेक्टर 4 मे अतिक्रमणकारियो के खिलाफ बुलडोजर चलाया। जिस दौरान एक गुमटीनुमा दुकान मे आग लग गई तथा दुकान जलकर राख हो गयी।इसके बाद आक्रोशित दुकानदारों ने अन्य सामानो को भी आग के हवाले कर दी। दुकानदारों ने बताया की बीएसएल के द्वारा बिना सुचना दिए दुकान हटाए जा रहे थे, इस दौरान जेसीबी से दुकान पलट दिया गया, उसवक्त दुकान मे चूल्हे जल रहे थे, जिससे दुकान मे आग लग गई तथा सामान जलकर राख हो गई। हलांकि जो तस्वीर सामने आई है उसमे साफ दिख रहा है की आग मे शेष सामानो को दुकानदारों द्वारा फेंककर जलाया जा रहा है, खबर तो ये भी है की अतिक्रमण हटाने से आक्रोशित दुकानदार ने दुकान को खुद आग के हवाले किया है। मामला जो भी दुकान जलकर खाक हो गई है।

भीख मांगने वाले पीने का पानी को खरीद कर पीने को मजबूर

बोकारो : झारखंड के देहातो में एक कहावत प्रचलित रजाएगा बेटा नेपाल साथ में जाएगा कपारर कपार मतलब (माथा किस्मत) यही हाल है स्वांग कोलियरी में निवास करने वाले गांधीग्राम के निवासियों का बीते साल समाज के मुखिया के तुगलकी फरमान से झारखंड सहित देश-विदेश में स्वांग उत्तरी पंचायत स्थित गांधी ग्राम का नाम चर्चा में आया था, तब शासन प्रशासन ने यहां पहुंचकर बड़े-बड़े वाइदे और इनके विकास और उत्थान के लिए कई योजनाओं का धरातल पर लाने की बात कही थी, बताते कुछ हद तक उस घटना के बाद इन लोगों को सरकारी सुविधा उपलब्ध हो पाई ,इसी क्रम में जिला प्रशासन ने प्रधानमंत्री आवास के तहत इस गांव के 44 लोगों को प्रखंड के सियारी पंचायत में पक्के का मकान बना कर दिया साथ ही उसके चारों ओर सुरक्षा दीवार भी खड़ी की बिजली की सुविधा भी दिलाई पानी की व्यवस्था भी की गई सोलर युक्त बोरिंग के तहत डीप बोरिंग,चापानल भी लगाया गया लेकिन किस्मत जिनके साथ नहीं होता उन्हें तकलीफ झेलने ही होते हैं चाहे जहां पहुंच जाए या जहां रहे ,ऐसा ही कुछ गांधीग्राम के लोगों के साथ हुआ है 44 लोगों को पक्के का मकान मिलने के बाद इन लोगों का परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रहा प्रशासन द्वारा जो डिप बोरिंग लगाई गई उसमें से पानी की व्यवस्था नहीं हो पा रही है, थोड़ा बहुत कुछ पानी आता भी है तो वह भी काफी खराब ,ना नहाने योग्य न पीने योग्य चापानला की स्थिति भी ऐसी ही है एक घंटा प्रयास के बाद एक आध बाल्टी वह भी गंदा पानी नसीब हो पता है ।

सौंदर्यीकरण के नाम पर बीएसएल ने फुटपाथ दुकानदारों पर किया बुलडोजर से प्रहार : संघ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के नगर प्रशासन विभाग के द्वारा सेक्टर 4 सिटी सेंटर स्थित फुटपाथ दुकान के तोड़े जाने के विरोध में फुटपाथ दुकानदार संघ ने किया जोरदार आंदोलन। दुकानदार संघ के द्वारा सभी फुटपाथ दुकानों को रखा गया बंद। दुकानदार संघ ने चेतावनी देते हुए कहा की अगर प्रबंधन अपनी मनमानी पर लगाम नहीं लगाया तो जोरदार आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान सभी फुटपाथ दुकानदार सिटी सेंटर पर धरना में बैठ गाय। फुटपाथ दुकानदार संघ के महासचिव रामू भाई ने कहा की अहले सुबह दुकान तोड़ने के लिए प्रबंधन की टीम आ गई और जेसीबी से दुकान तोड़ना शुरू कर दिया उन्होंने कहा की न सिर्फ दुकान तोड़ा बल्कि दुकान तोड़ने के बाद आग लगा दिया। वही बोकारो जिला दुकानदार संघ के अध्यक्ष हाजी इरशाद अहमद खान ने कहा कि बोकारो इस्पात प्रबंधन द्वारा फुटपाथ की दुकानों को हटाने के लिए रात्रि को अनाउंसमेंट करना और सुबह होते ही जेसीबी लेकर बाजार के बीच पहुंच जाना बहुत ही निंदनीय घटना है। संघ के उपाध्यक्ष लाल सिंह ने इस्पात प्रबंधन के इस रवैया से शुद्ध होकर जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन से मदद की गुहार लगाया है कि इस तरह की घटना की पूर्णआवृत्ति नहीं की जाए । संघ के कोषाध्यक्ष निक्कू सिंह ने कहा कि फुटपाथ दुकान समाज के सेवा की लाइफ लाइन है संयंत्र दुकानों के स्थाईकरण में दो कदम आगे बढ़े संगठन चार कदम आगे बढ़कर शहर के सुंदरीकरण व अस्थाई करण में सहयोग करेगा तथा संयंत्र को उचित रेवेन्यू भी प्रदान करेगी।उन्होंने कहा की जबतक हमारी मांगे नहीं मानी गई तबतक सारे फुटपाथ दुकान को बंद रखा जाएगा। बताते चले की बोकारो स्टील प्लांट के जमीन पर फुटपाथ में दुकान लगाकर दुकानदार अपनी जीविका चलाते है जिसको लेकर लंबे समय से दुकानदार और बीएसएल प्रबंधन के बीच नोक झोंक चलती रही है। बीएसएल जहां इसे अवैध बताता है वही दुकानदार वेंडर एक्ट के तहत फुटपाथ दुकानों को परमानेंट करने की बात कहती रही है। दुकानदारों ने कहा की हमारा आंदोलन जारी रहेगा जहां सड़क के आंदोलन करने के साथ साथ इसे लेकर न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाने का काम करेंगे। इस बैठक में कन्हैया कुमार, इंदल, सुनील, मुख्तार मनोज जी, प्रदीप जी, रंजन, मुन्ना सहित कई सैकड़ो दुकानदार शामिल थे।

पाइपलाइन बिछाकर सड़कें खोदकर छोड़ीं, गड्ढे बन रहे हादसों का सबब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : झरिया के लोदना मोड़ के समीप जेएमसी द्वारा पाइप बिछाने को लेकर एक बहुत बड़ा गड्ढा सड़क पर छोड़ दिया गया है। जिससे आये दिन वहां वाहनों का लंबा जाम लगा रहता है। आए दिन यहां सैकड़ों वाहनों का आवागमन होता रहता है। ऐसे में वहां किसी वाहन की बड़ी दुर्घटना से नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता है। वही स्थानिय लोगों का कहना है कि यहां पर पाइप बिछने का काम करीब एक से 2 महीने पहले शुरू हुआ है। तब से लेकर अभी तक यह गड्ढा इसी तरह से है और पानी भी भर गया है। वही 2 दिन पहले एक गाय उस गड्ढे में गिर गई थी,जिसे काफी मशक्कत के बाद बचाया गया। लेकिन बावजूद इसके नगर निगम एवं जिला परिवहन प्रशासन जिला सड़क प्रबंधन गहरी नींद में सोई हुई है। हम लोगो के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रही है, हमे यहां काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

वार्ड वार प्रगणक का गठन कर सर्वे शुरू करने का उपायुक्त ने दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : नगर पालिका (आम) निर्वाचन 2024 के निमित्त पिछड़े वर्गों को आरक्षण दिए जाने की पात्रता निर्धारण के लिए बुधवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं संबंधित अंचल अधिकारियों को वार्ड वार प्रगणक का गठन कर सर्वे शुरू करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि धनबाद नगर निगम एवं चिरकुंडा नगर परिषद में अत्यंत पिछड़ा वर्ग एवं पिछड़ा वर्ग के संबंध में वार्ड बार सूचना अद्यतन मतदाता सूची के आधार पर निर्धारित प्रपत्र 1 से 3 में एवं पिछड़े वर्गों की राजनैतिक स्थिति की जानकारी के लिए अनारक्षित वर्ग के विरुद्ध चुने गए अत्यंत पछड़ा वर्ग/ पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधियों की सूचना पिछले दो निर्वाचन के आधार पर निर्धारित प्रपत्र 4 से 5 में प्राप्त कर 31 दिसंबर से पहले पूरा करें।

उपायुक्त ने कहा कि सभी अंचल अधिकारी शीघ्र वार्ड वार प्रगणक का गठन कर डोर टू डोर सर्वे शुरू कर निर्धारित समय सीमा के अंदर कार्य पूरा करें। बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा मिश्रा, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, चिरकुंडा नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी तथा सभी अंचल के अंचल अधिकारी मौजूद थे।

डालसा के साथ जुड़कर गौरवान्वित महसूस कर रही हूं : श्वेता किन्नर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : समाज के हर तबके तक कानूनी जागरूकता फैलाने, सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों को दिलवाने में मदद करने के लिए किन्नर, पूर्व सैनिक, पूर्व शिक्षक भी डालसा के लिए काम करेंगे। झालसा के निर्देश पर समाज के हर तपके से जुड़े ऐसे दस लोगों को पीएलवी नियुक्त किया गया है। झालसा के निर्देश पर दस नए पारा लीगल वॉलिंटियर्स की नियुक्ति के बाद बुधवार से पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकार वीरेंद्र कुमार तिवारी व अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने किया। इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि आम लोगों को सस्ता,सुलभ एवं त्वरित न्याय प्रदान करने की दिशा में अनेक सार्थक प्रयास किए गए हैं, इसी क्रम में विधि सेवा प्राधिकरण की ओर से विभिन्न इलाकों में पैरा लीगल वालंटियर की नियुक्ति की गई है। अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) राकेश रोशन ने बताया कि झालसा के निर्देश पर अबकी बार समाज के हर तबके से डालसा के प्रतिनिधि के रूप मे पैरा लीगल वालंटियर की नियुक्ति की गई है जिसमे किन्नर समुदाय से श्वेता किन्नर, शिवानी किन्नर, अशोक कुमार सिंह रिटायर्ड आर्मी मैन, डॉ.रुद्र नारायण दे, डॉ प्राण मोहन, शिक्षक वर्ग से उदय राम, संतोष कुमार, अजहरुद्दीन अंसारी, राजेश कुमार सिन्हा और सुंबुल केशर शामिल हैं जो ट्रेनिंग के बाद डालसा के प्रतिनिधि के रूप में काम करेंगे।

कांग्रेस ने रेलवे कॉलोनी में पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की मांग की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस के प्रतिनिधियों ने बोकारो रेलवे कॉलोनी में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर चिंता जताई है। रेलवे कॉलोनी के निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस बोकारो ब्रांच सेक्रेटरी राजन उपाध्याय के अगुवाई तमें मेंस कांग्रेस प्रतिनिधियों ने बालीडीह थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह से मुलाकात की। प्रतिनिधियों ने बताया कि हाल के दिनों में रेलवे कॉलोनी में चोरी की घटनाओं में वृद्धि हुई है। जिससे यहाँ के निवासियों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। उन्होंने थाना प्रभारी से चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की। थाना प्रभारी ने प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि कॉलोनी में गश्त बढ़ाई जाएगी और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही, स्थानीय निवासियों को सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई। रेलवे प्रतिनिधियों में मुख्य रूप से पी.के. भौमिक, तमतचणचणचकुमार सिंह, सरोज कुमार, सूजेश भट्टाचार्य, चंचल कुमार, विजय कृष्ण, तपन राव, हरि बांदा आदि शामिल थे।

जैप 4 में तीन दिवसीय शूटिंग प्रतियोगिता शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखण्ड सशस्त्र पुलिस-4. बोकारो परिसर में 19वीं राज्य स्तरीय पलिस शटिंग प्रतियोगिता का उदघाटन समारोह का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह के अवसर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ० एस माईकल राज , पुलिस महानिरीक्षक, उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र, बोकारो उपस्थित रहे। श्री मुकेश कुमार , संगठन सचिव सह-समादेष्टा, बोकारों द्वारा इस अवसर पर स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। उनके द्वारा बताया कि यह प्रतियोगिता दिनांक 11.12.2024 से दिनांक-13.12.2024 तक झा०स०पु०-4, बोकारो फायरिंग बट पर कराया गया इस प्रतियोगिता में 1. झा०स०पु०, क्षेत्र 2. कोयला क्षेत्र, बोकारो 3. कोल्हान क्षेत्र, चाईबासा 4. पलामू क्षेत्र, पलामू 5. उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र, हजारीबाग 6. दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र, राँची 7. संथाल परगना क्षेत्र, दुमका एवं 8. झारखण्ड जगुआर / अपराध अनुसंधान विभाग / रेल विशेष शाखा क्षेत्र की कूल 08 टीमे भाग ले रही है, जिसमें लगभग 148 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन गुब्बारा उड़ाकर कर किया.वही मुख्य अतिथि द्वारा बताया गया कि इन प्रतियोगिता के दौरान पुलिसकर्मी का अच्छे प्रदर्शन करने से ड्यूटी के दौरान भी उग्रवादियो एवं आसामाजिक तत्वों से निपटने में काफी सहायता मिलेगी। इस प्रतियोगिता में 5.56 एम०एम० इन्सास रायफल, 9 एम०एम० रिवाल्वर / पिस्टल तथा 9 एम०एम० कारबाईन से विभिन्न पोजिशनों से प्रतियोगिता करायी जायेगी। इस प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी ऑल इंडिया पुलिस शूटिंग प्रतियोगिता में भाग लेंगे। उद्घाटन समारोह के अवसर पर उपस्थित पुलिस पदाधिकारी की सूची नि डॉ० माईकल राज एस, पुलिस महानिरीक्षक, उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र, बोकारो । सुरेन्द्र कुमार झा, पुलिस उप-महानिरीक्षक, कोयला क्षेत्र, बोकारो। मनोज स्वर्गियारी , पुलिस अधीक्षक, बोकारो । नितिन कुमार त्यागी, समादेष्टा, सीआईएसएफ, बोकारो। रजनीश कुमार, डीएफओ, बोकारो जितेन्द्र कुमार सिंह, समादेष्टा, सेवानिवृत पुलिस उप महानिरीक्षक। ओम प्रकाश दास, परिचारी प्रवर, राँची। परनव कुमार, परिचारी प्रवर, बोकार। प्रदीप उराँव, पुलिस उपाधीक्षक, चाईबासा। अरविन्द कुमार, अनुमण्ड पुलिस पदाधिकारी, बरवाडीह। चन्दन कुमार बत्स, पुलिस उपाधीक्षक, रामगढ़। इकुड डुंगडुंग, पुलिस उपाधीक्षक, दुमका। आर० के० तिवारी, पुलिस उपाधीक्षक, विशेष शाखा, राँची। सतीश चन्द्र झा, पुलिस उपाधीक्षक, झा०स०पु०-3, धनबाद। आलोक रंजन, पुलिस उपाधीक्षक, बोकारो । पतरस बरवा, पुलिस उपाधीक्षक, झा०स०पु० - 4, बोकारो । राजवल्लभ पासवान, पुलिस उपाधीक्षक, रा०औ०सु०बल, बोकारो उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय एकता शेर सेना ने स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर का किया आयोजन

धनबाद : भारतीय एकता शेर सेना सामाजिक संस्था के स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार को रक्त दान शिविर का आयोजन सामाजिक कार्यकर्ता सह भारतीय एकता शेर सेना के संस्थापक रंजन गुप्ता, संस्था के सदस्य मृत्युंजय चौरसिया,अमित कुमार, उदय शंकर प्रसाद, ऋषिकेश प्रसाद, रवींद्र कुमार सिंह के द्वारा रणधीर प्रसाद वर्मा चौक के निकट धरना स्थल पर किया गया। इस कार्यक्रम में पंद्रह यूनिट रक्त दान किया गया। इस कार्यक्रम को मुख्य अतिथि सदर अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार ने उद्घाटन किया। साथ में मेजिस्ट्रेट नारायण राम एवं रविन्द्र नाथ ठाकुर शामिल हुए, विशिष्ट अतिथि के रूप में सिंदरी विधानसभा क्षेत्र की भाजपा नेत्री तारा देवी शामिल हुई एवं संस्था के द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्य की सहराना की। रक्तदान शिविर में संस्था के रविंद्र सिंह, सौरव मिश्रा, अमित गुप्ता, उदय संकर, मृत्युंजय कुमार सेवा में सक्रिय थे।

भाषा के बिना संस्कृति को बचाना मुश्किल है : डॉ निलेश कुमार सिंह

धनबाद : आर. एस. पी. कॉलेज (बेलगड़िया) मे 'भाषा, संस्कृति और हम : एक क्षेत्रीय उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ निलेश कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉ सिंह ने कहा कि भारत एक विशाल भू - क्षेत्र वाला देश जहाँ विविध धर्म, पहचान एवं संस्कृति के लगभग 1 अरब 30 करोड़ लोग निवास करते है। पाश्चात्य संस्कृति के अतिक्रमण एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से हमारा नाता लगातार कमजोर हो रही है। आज भारत के कई भाषाएँ विलुप्त होने के कगार पर है। हमें यह समझना होगा कि भाषा केवल अभिव्यक्ति का साधन नहीं बल्कि स्वयं एक संस्कृति है। हमें सभी भाषाओं को सम्मान करना चाहिए। कार्यक्रम का संयोजन प्रो। विजय कुमार विश्वकर्मा ने किया। संचालन बीएड प्रशिक्षु ज्योति एवं अपूर्व कुमार पाण्डेय ने की। कार्यक्रम मे प्रो इंचार्ज, प्रो। रमेश सरदार, परीक्षा नियंत्रक प्रो। सुरेश सिंह मुंडा, बीएड विभाग के प्रमुख डॉ उपेंद्र कुमार, डॉ रजनी बारा, डॉ श्याम किशोर प्रसाद, प्रो. एतवा टूटी, डॉ भावना कुमारी, डॉ रामचंद्र कुमार समेत महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र -छात्राएं उपस्थित थें।

श्री सायुज्य क्रिया-योग महोत्सव में बोकारो सहित पूरे झारखंड से भाग लेंगे सैकड़ों साधक

बोकारो : परमहंस स्वामी निखिलेश्वरानंद जी महाराज (डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली जी) की दिव्य छत्रछाया में दिल्ली के पीतमपुरा स्थित आरोग्यधाम में अंतरराष्ट्रीय सिद्धाश्रम साधक परिवार (निखिल मंत्र विज्ञान) की ओर से दो-दिवसीय श्री सायुज्य क्रिया योग महोत्सव का आयोजन आगामी 28 और 29 दिसम्बर को होगा। नववर्ष के स्वागत में आयोजित इस शिविर में देश-विदेश से हजारों की संख्या में निखिल शिष्यों विराट समागम होगा। बोकारो, धनबाद, देवघर, रांची, गिरिडीह, जमशेदपुर सहित पूरे झारखंड से सैकड़ों की संख्या में निखिल शिष्य उक्त शिविर में भाग लेंगे। साधकों को परमपूज्य गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली जी गुरु दीक्षा के साथ-साथ श्री सायुज्य क्रियायोग की विशेष शक्तिपात दीक्षा प्रदान करेंगे। सिद्धाश्रम साधक परिवार, बोकारो के अध्यक्ष पी एन पांडेय एवं महासचिव विजय कुमार झा ने संयुक्त रूप से इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में झारखंड से अधिकाधिक साधकों की भागीदारी को लेकर सभी जिलों में निखिल मंत्र विज्ञान के कार्यकताओं की बैठकें हो रही हैं और इसके लिए प्रचार-प्रसार किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली के पीतमपुरा स्थित आरोग्यधाम में 28-29 दिसम्बर, 2024 को निखिल मंत्र विज्ञान एवं सिद्धाश्रम साधक परिवार के तत्वावधान में नववर्ष का उक्त विशेष उत्सव शिष्यों को नवीन प्रेरणा, नवीन चेतना और नवीन ऊर्जा प्रदान करने के लिए सम्पन्न किया जाता है। उक्त महोत्सव के माध्यम से पूज्य गुरुदेव अपने शिष्यों में आध्यात्मिक चेतना का संचार करेंगे, जो वर्तमान समय में हर मानव के लिए आवश्यक है। निखिल मंत्र विज्ञान के संयोजक डॉ. राम चैतन्य शास्त्री एवं मनोज भारद्वाज ने भी नववर्ष 2025 के आगमन से पूर्व आरोग्यधाम की पुण्य धरा पर आयोजित इस महोत्सव को सफल बनाने का आह्वान सनातन धर्मियों व साधकों से किया है।

हिंदी मीडियम के बच्चों के लिए खेल दिवस का हुआ आयोजन

बोकारो : संत जेवियर्स विद्यालय, बोकारो इस्पात नगर के हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि विद्यायल के आदरणीय प्रधानाचार्य फॉदर अरुण मिंज, एस. जे. एवं सफल उद्योगपति प्रदीप खेड़िया विशिष्ठ अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट के साथ किया जिसमें फॉदर अरुण एवं प्रदीप खेड़िया ने सलामी ली। तत्पश्चात कप्तान एवं उपकप्तान ने मशाल दौड़ की शुरूआत की जिसमें विभिन्न हाउसों के कप्तान भी शामिल हुए। विद्यार्थियों के लिए कुल 42 विभिन्न प्रकार के खेल कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसकी शुरूआत विशिष्ठ अतिथि के सिटी बजाने से हुआ। 'अ' खंड लड़कों में 100 मीटर दौड़ में रौशन कुमार को स्वर्ण पदक एवं लड़कियों में खुशी कुमारी को स्वर्ण पदक मिला। वहीं मास ड्रिल और मार्च पास्ट में ब्रिटो हाउस चैम्पियन बनकर उभरा। साथ-ही ब्रिटो हाउस ने ही खेल दिवस का चैम्पियनशिप का भी खिताब उठाया। सोशल सर्विस स्कूल की उपप्रधानाध्यापिका सिस्टर जेन्सी ने लड़कों में 'अ' खंड के प्रेम कुमार और खुशी कुमारी को चैम्पियन खिलाड़ी का पुरस्कार से नवाजा। 'ब' खंड के आशीष और रचना को भी सर्वश्रेष्ठ चैम्पियन खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। मुख्य अतिथि फॉदर अरुण ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुआ कहा कि विद्यार्थियों को खेल एवं पढ़ाई साथ ले कर आगे बढ़ना चाहिए एवं उन्होंने मौजूद अभिभावकों का भी धन्यवाद दिया। विशिष्ठ अतिथि श्री प्रदीप खेड़िया ने फॉदर अरुण को शुक्रिया अदा करते हुआ कहा कि यहाँ मौजूद हर एक विद्यार्थी देश का उभरता हुआ सितारा है। साथ-ही उन्होंने बच्चों को अध्ययन के साथ-साथ खेलकूद में भी अपनी अलग पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती किरण ने धन्यवाद प्रस्ताव में सोशल सर्विस स्कूल के सभी शिक्षकवृंद, खेलकूद शिक्षक शशि सर एवं सुश्री अमृत लता के साथ साथ पूरे विद्यालय प्रबंधन का धन्यवाद किया जिनकी वजह से इतना भव्य आयोजन हो पाया। मौके पर प्लस टू एवं हाई स्कूल के उप-प्राचार्य के साथ कुछ विदेशी मेहमान भी मौजूद रहे। कार्यकम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

शहरी क्षेत्र में बिना अनुमति के होर्डिंग्स लगाने वालों पर होगी कार्रवाई : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र और छावनी परिषद क्षेत्र का विलय होना लगभग तय हो गया है। इन दोनों क्षेत्रों में लगातार विकास कार्य भी हो रहे हैं। लेकिन ऑरेंज मीडिया इन क्षेत्रों में बिना अनुमति के अपना प्रचार होर्डिंग और बैनर लगाकर कर रही है। इन क्षेत्रों में बिना अनुमति के प्रचार करने वालों पर कार्रवाई होगी। यह निर्देश बुधवार को समीक्षा बैठक के दौरान डीसी चंदन कुमार ने दिया। नगर परिषद क्षेत्र में बिना अनुमति के होर्डिंग लगाए जाने संबंधित मामले में ऑरेंज मीडिया एजेंसी के विरुद्ध प्राथमिक दर्ज की गई है। डीसी चंदन कुमार ने बैठक में पूर्व में दिए गए निर्देशों के आलोक में हुए कार्यों की समीक्षा की। इसके बाद कार्यपालक पदाधिकारी नगर

परिषद मनीष कुमार के जरिये अन्य विकास कार्यों के संबंध में डीसी, डीडीसी सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को जानकारी दी गई। शहरी जलापूर्ति योजना के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में डीसी ने पतरातू प्रखंड अंतर्गत पतरातू डैम परिसर में सम्प हाउस निर्माण, चैंगड्डा तथा बंजारी क्षेत्र में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण करने के लिए तत्काल रूप से भूमि चिन्हित करने का निर्देश दिया। रामगढ़ व्यवहार न्यायालय के समीप नगर परिषद रामगढ़ की ओर से निर्मित दुकानों के आवंटन को लेकर शेष बचे दुकानों का आवंटन जल्द से जल्द संपन्न करने का निर्देश डीसी ने दिया। साथ ही शनिचरा हाट के सौंदर्यकरण और साफ सफाई पर आवश्यक निर्देश दिए। वहीं, शहरी क्षेत्र में सड़कों पर पशुओं के आवागमन एवं इससे ट्रैफिक व्यवस्था में हो रही कठिनाइयों को गंभीरता पूर्वक लेते हुए डीसी ने कांजी हाउस का संचालन और भी प्रभावी तरीके से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सड़कों पर आवागमन करने वाले पशुओं को जब्त कर कांजी हाउस में रखने सहित अन्य कार्रवाई को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। रामगढ़ शहरी क्षेत्र को हरा भरा रखने के लिए डीसी ने विभिन्न क्षेत्रों में पार्क विकसित करने, मरार तालाब सहित अन्य क्षेत्रों का निरीक्षण कर स्टेडियम आदि विकसित करने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने, छावनी क्षेत्र अंतर्गत ट्रेकर स्टैंड सहित अन्य क्षेत्रों में साफ सफाई बनाने को लेकर भी चर्चा की गई एवं डीसी द्वारा इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

संकुल संसाधन केंद्र मिजार्पुर बांग्ला ने छात्र-छात्राओं के बीच किया बैग वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : प्रखंड अंतर्गत संकुल संसाधन केंद्र मिजार्पुर बांग्ला के मध्य विद्यालय मिजार्पुर उर्दू, मध्य विद्यालय बेलडांगा तथा मध्य विद्यालय मिजार्पुर बांग्ला, के आलावे लगभग दर्जन भर प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय में प्रथम से लेकर अष्टम वर्ग के बच्चों के बीच स्कूल बैग का वितरण किया गया। वहीं बैग वितरण के दौरान बच्चे बहुत ही उत्साहित थे। बैग वितरण किए जाने के दौरान लगभग सभी जगह पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य के आलावे विद्यालय परिवार से जुड़े बहुत से लोग उपस्थित थे। बच्चों के बीच बैग वितरण किए जाने को लेकर ग्राम शिक्षा समिति के लोगों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा उसे प्रोत्साहित किया। मालूम हो कि बरहरवा प्रखंड के लगभग एक तिहाई विद्यालयों में स्कूल बैग का वितरण कर दिया गया है और शेष बचे विद्यालयों में बैग वितरण किए जाने को लेकर कार्यक्रम चलाया जा रहा है। बुधवार को बैग वितरण किए जाने के दौरान मिजार्पुर उर्दू विद्यालय के सचिव मिनसर अंसारी, शिक्षक खुश मोहम्मद शेख, शेख शादी, मोहम्मद नासिर बेलडांगा में राजेश प्रमाणिक आदि शिक्षक मौजूद थे।

कार्यालय, कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा), कोडरमा, झारखण्ड

प्रेस विज्ञप्ति

सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण, आत्मा कोडरमा अन्तर्गत प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक (BTM) एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक (ATM) के रिक्त पद पर नियुक्ति हेतु औपबंधित सूची साक्षात्कार हेतु तैयार की गई है। अभ्यर्थियों के साक्षात्कार के उपरान्त शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र की जाँच दिनांक 18.12.2024 पूर्वा0 10.00 बजे समाहरणालय सभागार, कोडरमा में किया जाना है। सभी अभ्यर्थी उक्त तिथि को ससमय पहुँचकर साक्षात्कार एवं शैक्षणिक प्रमाण पत्र जाँच हेतु भाग लेना सुनिश्चित करेंगे।

नोटः–

1. शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव प्रमाण पत्र मूल प्रति के साथ उपस्थित रहेंगे।
2. शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव प्रमाण पत्र का स्व–अभिप्रमाणित एक प्रति।
3. आधार कार्ड की मूल एवं छायाप्रति स्व–अभिप्रमाणित।
4. पासपोर्ट साइज फोटो–02

जिला कृषि पदाधिकारी–सह–परियोजना निदेशक
आत्मा, कोडरमा

PR 341723 (Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department)24-25*D

गुम हुए व्यक्ति की तीन दिन बाद कुंए से मिली लाश, हत्या का लगाया आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ थाना क्षेत्र के सोड़ो टोला दयालटांड़ गांव के एक कुएं से बुधवार को एक लाश बरामद किया गया। लाश की पहचान दीरीडारी निवासी 32 वर्षीय सुबोध गोप उर्फ घासीया के रूप में किया गया। ईचागढ़ पुलिस लाश मिलने की सुचना पर घटनास्थल पर पहुंचे व लाश को ग्रामीणों के सहयोग से कुआं से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया। बताया जा रहा है कि मृतक का पत्नी एक 12 वर्ष की बेटी व 9 वर्ष का बेटा है। लाश कुआं से निकालते ही परिजनों का रोल रो कर बुरा हाल हो गया। पत्नी व गोतनी बेहोश हो गई। गांव में ही दोनों का इलाज किया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार वह बीते रविवार को घर से अपना बाइक से फुटबॉल खेल देखने के लिए तिरूलडीह थाना क्षेत्र के पांडर गया था, फिर घर वापस नही लौटा। सुबध गोप ट्रैक्टर चालक का काम करता था। वह रात को फुटबॉल खेल देखकर दोस्तों के साथ दयलाटांढ़ में एक भट्टी पर शराब पीने का जानकारी परिजनों को मिला, लेकिन वह दुसरे दिन भी घर वापस नही लौटा। मृतक की पत्नी कोकिला देवी ने मंगलवार को ईचागढ़ थाना में गुमशुदगी का सनहा दर्ज करायी और सुबह उसकी लाश कुएं से बरामद किया गया। मृतक के भाई अघनु गोप ने बताया कि रविवार को मेला गया था और एक शराब भट्टी में रात को दोस्तों के साथ शराब पीया था। उन्होंने कहा कि चार लोगों ने बड़े भाई का हत्या कर कुआं में डाल दिया है। उन्होंने हत्या कर कुएं में डालने का आशंका जताई है। वहीं थाना प्रभारी बिक्रम आदित्य पांडे ने बताया कि थाना में गुमशुदगी का सुचना दर्ज किया गया है और आज लाश बरामद किया गया। उन्होंने कहा कि लिखित आवेदन के आधार पर मामला दर्ज किया गया और हर पहलू पर जांच कर आगे की कार्रवाई किया जा रहा है।

33 हजार हाई टेंशन तार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत 33 हजार हाई टेंशन तार के चपेट में आने से एक व्यक्ति का सदर अस्पताल ले जाने के दौरान मृत्यु हो गया। मृतक का पत्नी लीला देवी से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि पति राजू मंडल उम्र 45 वर्षीय, पिता स्वर्ग खोका मंडल, छोटा पंचगढ़ जिरवाबाड़ी के रहने वाला सुबह 10 बज कर 15 मिनट में झंडा मेला के नीचे पोखर के पास एक शीशम का वृक्ष के ऊपर चढ़कर टहनी छाट रहा था, और 33 हजार का हाई टेंशन तार वृक्ष के बगल से गुजरा हुआ था। टहनी छाटने के दौरान हाई टेंशन तार पर टहनी जा गिरा जिससे मृतक राजू मंडल को 33 हजार हाई टेंशन करंट का झटका लगा और वह वृक्ष से जमीन पर गिरकर बेहोश हो गया। जहां परिजनों ने आनन फानन में सदर अस्पताल साहिबगंज लेकर आया जहां डॉक्टर केशव कृष्णा इलाज में तुरंत लग गए, वही डॉक्टर केशव कृष्णा एवं डीएस डॉक्टर मोहन मुर्मू ने जांच के उपरांत मृत घोषित कर दिया। जिरवाबाड़ी थाना को घटना की सूचना दे दी गई थी, पुलिस सदर अस्पताल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम की प्रक्रिया किया जा रहा था। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED

(CIN: U40108JH2013SGC001704)
Regd. Office – 1st Floor, CRITL/O&E, JUSNL (SLDC) Building, Kusai Colony, Doranda,
(E-mail: cecritl.jusnl@rediffmail.com)

Expression of Interest (EoI) Notice
EOI No. -306/PR/JUSNL/2024-25

Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd. (JUSNL) invites bid for Expression of interest for Requirement of workforce for assistance of CRITL wing for CRITL's related work for 400/220/132 kV GSS under JUSNL

EoI notice & document are available on https://jharkhandtenders.gov.in for downloading.

Start Date & Time of Download the EOI Documents	13.12.2024 at 12:00 PM
Start Date and time of upload of BID	13.12.2024 at 4:00PM
Pre-RFP discussion	23.12.2024 at 4:00 PM
End date and time of upload of BID	09.01.2025 at 4:00 PM
BID Opening date for technical part	10.01.2025 at 4:00 PM

Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned(+91-7541959265, 8987760419) during office hours.

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचायें। कृपया अपनी शिकयतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager (CRITL/O.E)
JUSNL, Ranchi

PR 341765 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(24-25).D

समाजवादी पार्टी का मिलन सह कंबल विवरण समारोह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : रांची जिला अंतर्गत सिकीदीरी के ग्रामीणों क्षेत्रों में कंबल विवरण किया गया। इस कार्यक्रम में ठंढ को देखते हुए वृद्ध महिला पुरुष,विकलांगो के बीच कंबल का विवरण हुआ। मौके पर मौजूद लोग कंबल पाकर काफी खुश दिखे और इस कार्यक्रम से खुश होकर समाजवादी पार्टी का सदस्यता भी ग्रहण किया साथ ही अपनी गाँव की विभिन्न समस्या को पार्टी नेताओं के समक्ष रखा नेताओं ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि जल्द ही आपकी समस्या को हल किया जाएगा चूंकि हेमंत सरकार के इंडिया गठबंधन में समाजवादी पार्टी भी शामिल हैं यह कार्यक्रम समाजवादी पार्टी के प्रदेश प्रमुख महासचिव मुस्तफा अंसारी के नेतृत्व में हुआ कार्यक्रम का अध्यक्षता लक्ष्मी कुमारी ने किया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव, अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष इम्तियाज ओहदार, कांके पूर्व प्रत्याशी सुरेंद्र कुमार कालिंदी, इब्राहिम अंसारी, शिव प्रकाश साहू, तौकीर अहमद, ललिता कुमारी, सुनीता कुजूर, हिरामनी देवी, चम्पा देवी आदि उपस्थित थे।

पुलिस ने चलाया अफीम निषेध जागरूकता अभियान, वैकल्पिक खेती पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार बुधवार को चौका थाना क्षेत्र के रेयाडदा और बारसिडा गांव में अफीम की अवैध खेती और विक्रय के निषेध को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान चौका थाना प्रभारी ने स्थानीय ग्रामीणों को अफीम के सेवन और अवैध खेती के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने संबंधित कानूनी प्रावधानों की भी जानकारी दी, जिससे लोग अवैध गतिविधियों से दूर रहें। ग्रामीणों को अफीम के स्थान पर वैकल्पिक खेती को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके लिए पुलिस ने उन्हें उचित मार्गदर्शन और सहयोग का आश्वासन भी दिया। यह पहल पुलिस विभाग की समाजहित में जागरूकता लाने और अवैध गतिविधियों को जड़ से समाप्त करने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

बांगुड़दा में तीन दिवसीय बीएसएनएल क्रिकेट कप को होगा आयोजन

पटमदा : पटमदा प्रखंड के आदर्श ग्राम बांगुड़दा में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बीएसएनएल क्रिकेट टीम बांगुड़दा की ओर से तीन दिवसीय बीएसएनएल कप का आयोजन 21,22 और 23 दिसंबर को बांगुड़दा क्रिकेट मैदान में किया जाएगा। इसको लेकर बुधवार को बीएसएनएल क्रिकेट टीम का एक बैठक बांगुड़दा क्रिकेट मैदान में किया गया। इसकी जानकारी देते हुए मृणाल गोराई ने कहा की पिछले वर्ष की भांति भी इस वर्ष का भी टूर्नामेंट बहुत ही आकर्षक होगा। प्रतियोगिता में चैंपियन टीम को 15,000 रूपया और एक ट्रॉफी, उपविजेता टीम को 10,000 रुपया और एक ट्रॉफी, सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाले टीमों को 5000–5000 रुपया और एक– एक ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया जाएगा। बैठक में दिलीप सिंह, दीपक गोराई, इंद्रजीत दत्त, सनत कवि,सुमित सिंह, राजेश सिंह, शुभेंदु कर्मकार, भक्त गोराई,रवि सिंह, अमित सिंह, पवन सिंह, राकेश महतो, शिवचरण, सोनू प्रमाणिक आदि उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय

ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा

ई-अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सूचना संख्या :– RDD/SD/CHATRA/13/2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	प्रखण्ड–इटखोरी, पंचायत–टोनाटांड़, ग्राम–माधोपुर में पार्क में पेवर ब्लॉक का निर्माण कार्य, सोलर लाईट का अधिष्ठापन कार्य, बक्सा डैम में प्रवेश द्वार से तालाब तक पी०सी०सी० पथ निर्माण।	23,76,400.00	48000.00	5000.00	06 माह
2	प्रखण्ड–इटखोरी, पंचायत–टोनाटांड़, ग्राम–माधोपुर में बक्सा डैम के प्रवेश द्वार से बोटिंग प्वाइंट तक पेवर ब्लॉक का निर्माण।	24,91,300.00	50000.00	5000.00	06 माह
3	प्रखण्ड–इटखोरी, पंचायत–टोनाटांड़, ग्राम–माधोपुर में पार्क का टिकट काउंटर, गार्डरूम का निर्माण, पार्क का भूमि समतलीकरण कार्य, बक्सा डैम के किनारे 18 अदद सीमेंटेड कुर्सी का निर्माण तथा डीप बोरिंग एवं सीढ़ी निर्माण।	24,82,600.00	50000.00	5000.00	06 माह
4	प्रखण्ड–इटखोरी, पंचायत–टोनाटांड़, ग्राम–माधोपुर में बक्सा डैम पार्क का चाहरदीवारी निर्माण।	24,01,500.00	48100.00	5000.00	06 माह
5	प्रखण्ड–इटखोरी, पंचायत–टोनाटांड़, ग्राम–माधोपुर में बक्सा डैम के किनारे PRE-FAB Cattage/Hut with toilet bathroom का निर्माण।	24,96,700.00	50000.00	5000.00	06 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि –16.12.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक–16.12.2024 से दिनांक–23.12.2024 के अपराह्न 05:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेश प्रमण्डल, चतरा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 26.12.2024 अपराह्न 02:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेश प्रमंडल, चतरा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 8709184201 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चतरा

PR 341721 Rural Development (24-25)_D

वृद्ध एवं दिव्यांगजनों के बीच मेडिकल सहायक उपकरण वितरण हेतु लगा कैंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय वयोश्री योजना अंतर्गत साहेबगंज सदर प्रखंड कार्यालय में जिला प्रशासन तथा अलिमको द्वारा वृद्ध एवं दिव्यांगजनों के मेडिकल सहायक उपकरण वितरण हेतु जांच कैंप आयोजित किया गया।राष्ट्रीय वयोश्री योजना (आरवीवाई) के तहत, बीपीएल श्रेणी के वरिष्ठ नागरिकों को शारीरिक सहायता और सहायक उपकरण मुफ़्त में दिए जाएंगे। इस योजना का मकसद, उम्र से जुड़ी किसी भी तरह की दिव्यांगता या कमजोरी से पीड़ित वरिष्ठ नागरिकों को मदद करना है। इस योजना के तहत, वरिष्ठ नागरिकों को ये सहायक उपकरण दिए जाते हैं,वॉकिंग स्टिक, कोहनी बैसाखी, वॉकर या बैसाखी, ट्राइपॉड या क्वाडपॉड, श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर, कृत्रिम डेन्चर, चश्मा।इस योजना के लिए, वरिष्ठ नागरिकों को इन शर्तों का पूरा करना होता है जिनमें वे बीपीएल परिवार से संबंधित हों। उनके पास वैध बीपीएल कार्ड होना चाहिए। वे आयु से जुड़ी किसी बीमारी से पीड़ित हों। दृष्टि हानि, श्रवण हानि, दांतों की हानि, या लोको-मोटर विकलांगता जैसी दिव्यांगता हो। इसका कार्यान्वयन कृत्रिम अंग निर्माण निगम (अलीमको) करता है। वहीं आज दिनांक 12 दिसंबर 24 को नगर परिषद परिसर में यह कैंप आयोजित की जाएगी।

भरत वेजिटेबल्स एंड फ्रूट्स की ओर से हुआ सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

सिमडेगा : भरत वेजिटेबल एंड फ्रूट्स की ओर से बुधवार को सिमडेगा के कृषि बाजार परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन कर किसानों और समाजसेवियों को सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि उपायुक्त अजय कुमार सिंह ने भरत वेजिटेबल्स एंड फ्रूट्स के संचालक भारत प्रसाद के समाज सेवा के कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि अन्न और जल का दान बहुत बड़ा दान है। उन्होंने कहा कि भारत प्रसाद की ओर से जिले के 500 से अधिक टी बी पीड़ितों के लिए पोषक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराया जाता है, जो बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने कहा कि धर्म और पुण्य का कार्य कभी व्यर्थ नहीं जाता है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को समाज सेवा से जुड़ना चाहिए। कार्यक्रम में काफी संख्या में उपस्थित टमाटर, कटहल और अन्य सब्जी उत्पादकों को सम्मानित किया गया। भरत प्रसाद ने कहा कि बचपन में उनके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह बहुत अधिक बीमार थे।

कार्यालय असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, गढ़वा

राज्य योजना अंतर्गत गढ़वा जिला के शहरी झुग्गी बस्तियों में आवासित लोगों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निमित "अटल मुहल्ला क्लिनिक" के संचालन हेतु चिकित्सक (आयुष) चिकित्सक (MBBS) का चयन के लिए Walk In Interview हेतु विज्ञापन

विज्ञापन संख्या 08/2024 साक्षात्कार की तिथि– 17/12/2024

अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड, राँची का पत्रांक–5/पी0–65/2021–32(5)ब, योजना, स्वा0, गढ़वा दिनांक–25.05.2023 के द्वारा शहरी झुग्गी बस्तियों में आवासित लोगों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निमित "अटल मुहल्ला क्लिनिक" के संचालन हेतु चिकित्सक (आयुष) की Walk In Interview के आधार पर अनुबंध आधारित सेवाएं प्राप्त करने हेतु जिला स्तर पर चयन किया जाना है।

"अटल मुहल्ला क्लिनिक", गढ़वा के लिए चिकित्सक (आयुष) एवं चिकित्सक (MBBS) की सेवा प्राप्त करने हेतु आवश्यक अर्हता, परिलब्धि एवं कार्यावधि निम्नांकित है :–

क्रम सं०	पद का नाम	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता	कोटिवार पदों की संख्या		मानदेय	कार्य का समय
			कोटि	संख्या		
1	चिकित्सक (आयुष)	Bachelor in Ayurved / Homoeopath / Unani (BAMS/BHMS/BUMS) Degree in any recoganised institution	UR	01	रूपये 20,000/– प्रतिमाह	08:00 AM to 12:00 PM or 04:00 PM to 08:00 PM
			SC	01		
			Total	02		
2	चिकित्सक (MBBS)	Bachelor of Medicine, Bachelor of Surgeory or MBBS Degree in any recoganised institution approved by MCI/NMC	कोटि	संख्या	अनुमानित मासिक परिलब्धि 36,400/–, Rs. 1400 x 26 days	08:00 AM to 12:00 PM or 04:00 PM to 08:00 PM
			UR	02		
			Total	02		

- Walk In Interview में उपस्थित होने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।
- चिकित्सक (आयुष) एवं चिकित्सक (MBBS) द्वारा भविष्य में नियमितीकरण हेतु किसी भी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।
- उपरोक्त क्रमांक 1 एवं 2 के लिए अधिकतम् 67 वर्ष(सिविल सर्जन से निर्गत मेडिकल फिटनेश प्रमाण पत्र के आधार पर 70 वर्ष तक के चिकित्सकों की सेवा प्राप्त की जा सकती है, मेडिकल फिटनेश प्रमाण–पत्र की वैधता एक वर्ष के लिए मान्य होगा)।नोट – "अटल मुहल्ला क्लिनिक" के लिए चयनित चिकित्सक (आयुष) एवं चिकित्सक (MBBS) विभागीय निर्देशानुसार कार्य दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

उक्त चिकित्सक (आयुष) एवं चिकित्सक (MBBS) का चयन हेतु अन्य शर्त्तें, अर्हता, आवेदन–पत्र इत्यादि की विवरणी गढ़वा जिला के वेबसाईट garhwa.nic.in पर अथवा जिला स्वास्थ्य समिति, गढ़वा कार्यालय के सूचना–पट्ट से प्राप्त की जा सकती है।

इच्छुक अभ्यर्थी, चिकित्सक (आयुष) के पद पर चयन के लिए सिविल सर्जन कार्यालय, गढ़वा में दिनांक–17.12.2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे सभी शैक्षणिक एवं अन्य वांछित मूल प्रमाण–पत्रों के सहित विहित प्रपत्र में आवेदन के साथ Walk In Interview में उपस्थित हो सकते हैं। शैक्षणिक एवं अन्य वांछित मूल प्रमाण–पत्रों की छायाप्रति (1 प्रति में) साथ लायेंगे।

असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, गढ़वा

PR 341740 Health Med Edu and Family Welfare (24-25)_D

संसद को अप्रासंगिक बनाने धनखड़ और बिरला में होड़

डॉ. दीपक पाचपोर

देश के सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर आवश्यक चर्चा को टालकर संसद को अप्रासंगिक बनाने के कारण ही संसद परिसर में कुछ ऐसे नजारे देखने को मिलते हैं जो कहने को अप्रिय लग सकते हैं परन्तु वे यह बतलाते हैं कि दोनों सदनों के भीतर उनकी बात को नहीं सुना जा रहा है।

विपक्ष में रहते भाजपा हमेशा कहती रही है कि 'संसद को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की होती है', पर दस वर्षों से उसका नजरिया बदल गया है। अब वह विपक्ष को संसद के ठप होने के लिये जिम्मेदार मानने लगी है। तकरीबन हर सत्र का पैटर्न कुछ इस तरह का हो गया है कि किसी न किसी बात को लेकर सत्ता पक्ष की ओर से शोर-शराबा किया जाता है। अपने प्रदीर्घ राजनीतिक जीवन के अलग-अलग कालखंडों में विधानसभा से लेकर संसद के दोनों सदनों में बैठ चुके राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह सोमवार को जब संसद परिसर में यह कहते हैं कि 'मैंने अपने लम्बे राजनीतिक जीवन में ऐसा पक्षपाती सभापति नहीं देखा जैसा कि आज आसीन है', तो इस पर गम्भीरता से विचार किये जाने की जरूरत है। उसे केवल यह कहकर खारिज नहीं किया जाना चाहिये कि वे विपक्ष में हैं तो ऐसा कहेंगे ही। उन्होंने यह बात शिष्टाचारवश राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को ही लेकर सीमित करके कही है क्योंकि वे उसी सदन के बारे में कह रहे थे, जिसके कि वे सदस्य हैं। वरना उनकी बात दोनों ही सदनों के बारे में एक सी लागू होती है- लोकसभा के बारे में भी जिसके अध्यक्ष ओम बिरला हैं। हालांकि अब यह कहना बड़ा मुश्किल है कि भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में कौन अधिक सक्रियता और शिद्दत से संसद को अप्रासंगिक बनाने पर तुला है- ओम बिरला या जगदीप धनखड़। वैसे तो बिरला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की परम्परा से आते हैं इसलिये उनके लिये ऐसी संवैधानिक संस्थाओं का कोई महत्व नहीं है; और भारतीय जनता पार्टी शासन में ऐसे ही लोगों को ये पद अधिक आसानी से मिलते हैं जो उस आसन को अधिकतम गंदला कर सकें। मटियामेट कर दें। इसलिये अपनी कार्रवाई के दौरान बिरला अक्सर सदस्यों से 'बैठ जाओ', 'नो...नो', 'यह नहीं चलेगा' 'आपकी बात रेकार्ड में नहीं जायेगी... जैसे शब्दों में डांट-डपट करते रहते हैं।

आगे-पीछे राष्ट्रपति का चुनाव होना है। साफ है कि उस पद की ओर दोनों तेजी से बढ़ना चाहते हैं। धनखड़ की संघ की पार्श्वभूमि नहीं है। वे सुप्रीम कोर्ट के सफल वकील होने के साथ जनता दल व कांग्रेस में लम्बा समय काटकर आये हैं। उन्हें संविधान का महत्व मालूम होना चाहिये परन्तु व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की इस होड़ के चलते वे भी लोकतंत्र और जनहित को भंगार कर रहे हैं। इसके कारण पिछले कई सत्रों की भांति ही संसद के मौजूदा सत्र में अब तक कुछ ही घंटे काम हो पाया है। संसद में काम न होने

का फायदा हमेशा सत्तारुढ़ दल को होता है। बिरला व धनखड़ मिलकर भारतीय जनता पार्टी को दिलो-जान से लाभान्वित कर रहे हैं। पिछली दोनों व वर्तमान लोकसभाओं और राज्यसभा में विपक्ष को कुचलने और उसकी आवाज को खत्म करने की सुनियोजित योजना के अंतर्गत दोनों ने अपने संवैधानिक पदों का भरपूर दुरुपयोग किया है। किसी भी मुद्दे पर जिस तरीके से ये दोनों सरकार का बचाव करते अथवा पैरवी करते नड्डार आते हैं, उससे अधिक शर्मनाक कुछ इसलिये नहीं हो सकता क्योंकि वे दोनों पद पार्टी हितों से बढ़कर जिम्मेदारियों के निर्वहन की अपेक्षा रखते हैं। पूरी संसदीय व्यवस्था इन दोनों पदों के निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से काम करने पर निर्भर है। इस वर्ष लोकसभा चुनाव के बाद दूसरी बार ओम बिरला को जब यह पद मिला तो उससे साफ संदेश गया कि जो भी संसदीय परम्परा को जितना बिगाड़ सकता है वह उतना ही अधिक पुरस्कृत होगा। वरना जब भी मिली-जुली सरकार बनती है तो सत्ताधारी दल यह पद किसी सहयोगी पार्टी को प्रदान करता है। मोदी ने ऐसा नहीं किया। उसके पीछे यही कारण था कि वे इन दोनों के जरिये सम्पूर्ण राजनीतिक एकाधिकार कायम करना चाहते हैं। इसमें वे काफी हद तक सफल होते भी दिख रहे हैं।

विपक्ष में रहते भाजपा हमेशा कहती रही है कि 'संसद को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की होती है', पर दस वर्षों से उसका नजरिया बदल गया है। अब वह विपक्ष को संसद के ठप होने के लिये जिम्मेदार मानने लगी है। तकरीबन हर सत्र का पैटर्न कुछ इस तरह का हो गया है कि किसी न किसी बात को लेकर सत्ता पक्ष की ओर से शोर-शराबा किया जाता है और जो राई भी नहीं है उसे पर्वत बनाकर सदन को ठप कर दिया जाता है। सरकार से सवाल पूछते ही सत्ताधारी दलों की ओर से विपक्ष पर हमले होते हैं। उस शोर-गुल में संख्या बल के आसरे दोनों सदनों के संचालकगण सरकार की ओर से रखे जाने वाले कानून पारित करा देते हैं जिनमें से ज्यादातर जनविरोधी रहे हैं। पिछले दशक भर से पता नहीं ऐसे कितने कानून भाजपा सरकार द्वारा पारित कराकर देश पर थोपे गये हैं जिन पर पहले चर्चा नहीं की गयी।

लगता है कि संसद को इसी तरह से चलाने के निर्देश सम्भवतः मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से मिले हुए हैं। इस टास्क को कौन भली-भंति पूरा करता है- इसी के हिसाब से तय होगा कि अगला राष्ट्रपति कौन बनेगा। इस टास्क के साथ यह भी संदेश छिपा हुआ है कि संसद को पूरी तरह से अप्रासंगिक बना दिया जाये ताकि लोगों का लोकतंत्र से ही मोहभंग हो जाये और भाजपा तथा उसकी मातृ संस्था आरएसएस की मंशा के अनुरूप देश में मनुवादी व्यवस्था स्थापित की जा सके जिसके तहत शासन प्रणाली में लोगों की भागीदारी न हो। बिरला-धनखड़ की जोड़ी एक तरह से अपने-अपने सदनों को अपहृत कर मोदी-शाह के इसी मंसूबे को पूरा कर रही है। देश के गिने-चुने कारोबारियों के पक्ष में काम करने वाली सरकार के लिये ऐसे ही सदन मुफीद होते हैं।

देश के सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर आवश्यक चर्चा को टालकर संसद को अप्रासंगिक बनाने के कारण ही संसद परिसर में कुछ ऐसे नजारे देखने को मिलते हैं जो कहने को अप्रिय लग सकते हैं परन्तु वे यह बतलाते हैं कि दोनों सदनों के भीतर उनकी बात को नहीं सुना जा रहा है। उन्हें बोलने के लिये कोई और मंच चाहिये। मोदी प्रेस कांफ्रेंस करते नहीं और सरकार समर्थक मीडिया विपक्ष की बात को नहीं छापता या दिखाता। छापता-दिखाता भी है तो तोड़-मरोड़कर या उतने हिस्से को ही जिससे सत्ता पक्ष को फायदा हो। ऐसे में यदि राज्यसभा सदस्य कल्याण बैनर्जी (तृणमूल कांग्रेस) धनखड़ की मिमिक्री करते हैं और उसका राहुल गांधी वीडियो बनाते हैं तो वह स्वाभाविक है; अथवा राहुल बतलाते हैं कि दूसरी बार अध्यक्ष बनने के बाद ओम बिरला उनसे (राहुल से) तो तनकर मिलते हैं परन्तु मोदी से झुककर हाथ मिलाते हैं। इस सबके बावजूद यदि प्रतिपक्ष का मुंह बंद रखने पर बिरला-धनखड़ आमादा हैं तो विरोधी दलों के पास इसके अलावा कोई और चारा नहीं रह जाता कि वे मोदी व गौतम अदानी के मास्क पहनकर संसद परिसर में दोनों की दोस्ती को प्रतीकात्मक तरीके से अभिनीत करें। यह प्रहसन बतलाता है कि संसद ऐसी अप्रासंगिक हो गयी है कि अपनी बात कहने या उन पर होते अन्याय को दर्शाने के लिये निर्वाचित सांसदों को मिमिक्री का सहारा लेना पड़ रहा है।

पार्टी के प्रति निष्ठा कहें या मोदी-शाह का डर; अथवा व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा- इन्हें देश व जनता के हितों से भी ऊपर रख दिया गया है। इसी के चलते एक ओर तो ओम बिरला थोक के भाव में विरोधी सदस्यों को निलम्बित करते हैं, तो वहीं धनखड़ राज्यसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा पर नियम 267 के तहत नोटिस खारिज होने के बावजूद चर्चा के लिये सत्तारुढ़ दलों के सदस्यों को बोलने से रोकते हैं; लेकिन विपक्षी पार्टियों के सदस्यों का बोलना नामंजूर कर देते हैं। यही कारण है कि प्रेस के समक्ष दिग्विजय सिंह को कहना पड़ता है कि इतना पक्षपाती सभापति उन्होंने अपने जीवनकाल में कभी भी नहीं देखा।

संपादकीय

असद के बाद

सीरिया की राजधानी दमिश्क पर तुर्की समर्थक आतंकवादी संगठन हयात तहरीर अल शाम (एचटीएस) के विद्रोहियों के कब्जे के बाद राष्ट्रपति बसर को देश छोड़कर रस भागना पड़ा और इस तरह असर परिवार के 5 दशकों के धर्मनिरपेक्ष लेकिन अधिनायकवादी सत्ता का अंत हो गया। सीरिया में लंबे समय से दुनिया भर के जेहादी संगठन असद के खिलाफ मुहिम चला रहे थे। 'अरब स्प्रिंग' के दौरान मार्च 2011 में राष्ट्रपति असद की इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन हुआ लेकिन उनकी सरकार ने बड़ी क्रूरता के साथ इस विरोध प्रदर्शनों को दबा दिया था। विश्व नेता और मानवाधिकार समूहों ने असद सरकार की इस कार्रवाई की निंदा की थी। इस घटना के बाद राष्ट्रपति असद की सरकार दबाव में आ गई और उसे घरेलू मोर्चे पर अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। रूस और ईरान के सहयोग से असद सत्ता में बने रहे। 'अरब स्प्रिंग' लोकतंत्र समर्थक विद्रोह की एक श्रृंखला थी, जिसके प्रभाव में कई मुस्लिम देश आए थे। लेकिन सीरिया की नवीनतम घटना को 'अरब स्प्रिंग' कहना अभी मुश्किल है। इसकी एक वजह तो यह की एचटीएस की जड़ें अल कायदा जैसे जेहादी और आतंकी संगठन से निकली है। हालांकि एचटीएस अल कायदा की तरफ वैश्विक जेहाद छोड़ने का दावा नहीं करता। वह दावा करता है कि उसका विश्वास लैंगिक समानता और धार्मिक-जातीय अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करना है। राष्ट्रपति बशर-अल असद की सरकार का पतन और अबु मोहम्मद अल जुलानी के नेतृत्व वाले एचटीएस जैसी इस्लामी ताकतों का उदय पश्चिम एशिया के भू राजनीति की स्थितियों पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव डालने वाला है। इस पूरे घटनाक्रम से यह जाहिर है कि राष्ट्रपति असद की सत्ता को गिराने में तुर्की, खंस, अमेरिका और इस्राइल की हिस्सेदारी है और इस क्षेत्र में इनकी विजय हुई है और रूस तथा ईरान की पराजय हुई है। भारत पर भी इस घटनाक्रम का असर पड़ सकता है। भारत और सीरिया के बीच पुराने रिश्ते रहे हैं। भारत ने सीरिया पर लगाए प्रतिबंधों का कभी समर्थन नहीं किया तो दूसरी ओर सीरिया ने कश्मीर के मुद्दे पर हमेशा भारत का समर्थन किया है। अब आगे देखना है कि एचटीएस के नेतृत्व वाली नई सरकार का भारत सहित विदेशी मोर्चे पर क्या रुख रहता है। विदेश मंत्रालय ने शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण और समावेशी राजनीतिक प्रक्रिया का आह्वान किया है।

चिंतन-मनन

व्यवहार की दुनिया

बहुत बड़ा कवि था इमरसन। वह घूमने निकला। अकस्मात वर्षा आ गई। उसके पास अपनी कविताओं की एक पांडुलिपि थी। भीगने के डर से उसने वह पांडुलिपि एक दुकानदार के पास रख दी। इमरसन चला गया। दुकानदार ने कहा कि पन्ने भरे हुए हैं, कुछ खाली हैं वह भरे हुए पन्नों में वस्तुएं लपेटकर ग्राहकों को देता रहा। कुछ देर बाद जब वर्षा रूकी, इमरसन आया। पांडुलिपि मांगी। दुकानदार ने कहा, माफ करना, भरे पन्नों का मैंने उपयोग कर लिया है। खाली पन्ने ज्यों के त्यों हैं। भरे काम के नहीं थे। खाली लिखने के काम आ सकते हैं। यह सुनते ही इमरसन का माथा ठनका। उसकी महत्वपूर्ण कविताओं के पन्ने निकल चुके थे। शेष बचे थे केवल कोरे कागज।

व्यवहार की दुनिया में खाली का मूल्य नहीं होता, भरे का मूल्य होता है। खाली पन्ने का क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? इसी प्रकार खाली चित्त और खाली मन का भी क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? व्यवहार में जीने वाले यही चाहते हैं कि ये सब सदा भरे ही रहें, कभी खाली न हों। जब अध्यात्म की यात्रा शुरू होती है तब भरे का क्या मूल्य है और खाली का क्या मूल्य है, स्पष्ट हो जाता है।

उस यात्रा में अनुभव होता है कि लिखा हुआ कागज चला गया, अच्छा हुआ। भरा हुआ मन, भरी हुई बुद्धि, भरा हुआ चित्त खाली हो गया तो अच्छा हुआ। वहां खाली होना ही श्रेयस्कर माना जाता है। जब खाली होने की प्रक्रिया प्रारम्भ होती है, तब उस क्षण में जो अनुभव होता है, वही वास्तव में चैतन्य का अनुभव है।

आर्थिक कारणों से अन्नदाताओं के बगावती तेवर

सनत जैन

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में किसानों की स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक है। नाबार्ड की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है। 4.476 करोड़ किसान परिवारों की मासिक औसत आय मात्र 13,661 रुपये है। जो प्रति दिन की आय 150 रुपये से भी कम है। जिसके कारण अधिकांश किसान परिवार आर्थिक तंगी के सबसे भयावह दौर से गुजर रहे हैं। किसान खेती के अलावा पशुपालन, मजदूरी और अन्य माध्यम से जो थोड़ी किसानों को आय होती है। उसी से वह किसी तरह अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। छोटे किसानों की हालत मजदूरों से भी गई बीती हो गई है। नाबार्ड की रिपोर्ट के अनुसार खेती से किसानो की औसत मासिक आय केवल 1,677 रुपये है। किसानों के पास जरुरी संसाधन और कोई बचत नहीं है। हर छोटे किसान के ऊपर कर्ज का भार है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है, कि 91,231 रुपये का औसत कर्ज देश के किसान परिवारों पर है। भारत मे केवल 9.1% किसान परिवार कर्ज से मुक्त हैं। लघु सीमांत किसान छोटे किसान सभी कर्ज के भार से दबे हुए हैं। खेती की लागत पिछले 10 वर्षों में बेतहासा बढ़ने, उपज के उचित दाम नही मिलने और कर्ज के बोझ से किसानों और उनके परिवार का जीवन जीना कठिन हो गया है। देश के 55.4% किसान परिवार कर्ज के भारी बोझ से दबे हुए हैं। किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकारी नीतियों में सुधार की जरूरत है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करना आवश्यक है। तीन वर्ष से ज्यादा का समय हो गया है। किसान सड़कों पर आंदोलन कर रहे हैं। सरकार ने जो वायदे किए थे, उससे केन्द्र सरकार मुकर गई है। निहत्थे किसानों पर जिस तरीके से पुलिस बल का प्रयोग किया जा रहा है। उसके कारण किसान नाराज होकर अब आर पार की लड़ाई लड़ने सड़कों पर उतर रहे हैं। बैंक और सहकारी समितियां द्वारा डिफाल्टर होने पर किसानों से ब्याज पर दंड ब्याज, चक्रवृद्धि ब्याज पर तुरंत रोक लगाने की व्यवस्था सरकार को करना होगी। इसके अलावा, कृषि के लिए आधुनिक तकनीकों और सिंचाई की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना जरूरी हो गया है। केंद्र एवं राज्य सरकारें किसानों और कृषि के लिये सही नीतियाँ बनाकर उन्हें लागू कराएं, तभी किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। जीवन जीने के लिए कृषि क्षेत्र का मजबूत करना सरकारों की सर्वोच्च प्राथमिकता में होना चाहिए। किसानों के साथ जो धोखाधड़ी सहकारी समितियां और सूदखोरों द्वारा की जा रही है। इस पर तत्काल रोक लगाने की जरूरत है। सहकारी समितियां से लिए गए कर्ज पर यदि किसान एक बार डिफाल्टर हो जाता है, तो कई गुना कर्ज और ब्याज का बोझ किसान के ऊपर सहकारी संस्थाओं और बैंकों द्वारा डाल दिया जाता है। जिसके कारण किसान जीवन भर उस कर्ज को चुका नहीं पाता है। हताशा में किसानों को आत्महत्या तक करनी पड़ रही है। कृषि क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने के लिए दीर्घकालिक योजना और ठोस प्रयास आवश्यक हैं। किसानों से ऋण में दिया गया मूलधन वापस करने का ही कानून बनाया जाना चाहिए। यदि किसान डिफाल्टर हो जाता है। ऐसी स्थिति में उसके ऊपर ब्याज का बोझ नहीं आना चाहिए। किसानों से यदि केवल मूल कर्ज की वसूली होगी। तभी जाकर किसानों की आर्थिक स्थिति मैं सुधार आ सकता है। किसानों की आय और बचत बढ़ने से ही देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो सकती है। देश की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का सर्वाधिक योगदान है। भारत में कृषि क्षेत्र ही सबसे ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराता है। कृषि क्षेत्र में जिस तरह से कॉरपोरेट कंपनियों का प्रवेश हो रहा है। यह स्थिति देश को बर्बाद करने की ?दिशा में बढ़ता कदम होगा। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर खत्म हो जाएंगे। भारत कृषि प्रधान देश है। संघीय व्यवस्था होने के कारण प्रत्ये राज्य की अपनी विविधता है। कृषि क्षेत्र के कारण स्थानीय स्तर पर करोड़ों लोगों को स्थानीय राजगार उपलब्ध होता है। ऐसी स्थिति में केंद्र एवं राज्य सरकारों को कृषि क्षेत्र एवं किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विशेष प्रयास करने चाहिए।

शीतकालीन सत्र में दिल्ली का पारा गिरता जा रहा है परंतु संसद में सियासी तापमान प्रचंड है

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर दुनियर्यों के अनेकों लोकतांत्रिक देश में वहां के निचले व उच्च सदन के लिए निर्वाचित सदस्यों के बीच सदन जूते चप्पलों का चलना कुर्सियां फेंकना व आपसी मारपीट के अनेक मामले हम टीवी चैनलों के माध्यम से देख चुके हैं जो एक लोकतंत्र के मंदिर में किसी भी प्रकार से उचित नहीं ठहराया जहां सकता यह उस जनता का अपमान है जिन्होंने उन्हें का समाधान करने वह उनका जीवन बेहतर बनाने के लिए उन्हें चुना है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024 तक चलने वाले भारतीय संसद के शीतकालीन सत्र में हम पहले दिन से ही देख रहे हैं कि काफी हंगामा मचा हुआ है,सदन नहीं चल रहा है व लगातार स्थगित हो रहे हैं जो आज 10 दिसंबर 2024 को भी दिन भर बाधित रहा और 11 दिसंबर 2024 तक के लिए स्थगित कर दिया गया। विपक्ष लगातार उद्योगपति मामले पर जेपीसी की मांग कर रहा है जिसपर सदन में चर्चा हो परंतु अब सत्ता पक्ष मैं भी जार सोरोन का मुद्दा उठाकर बड़ी पार्टी को भी घेरा है जिससे अब और भी स्थिति गंभीर होती जा रही है जनता देख रही है पिछले, कुछ सत्रों से हम देख रहे हैं कि लोकसभा सत्र के दौरान ही कोई गंभीर मुद्दा उठता है और उसपर हंगामा शुरू हो जाता है और जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा यूं ही अपव्यय हो जाता है।चूँकि भारतीय संसदीय शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024 तक चल रहा है, संसद की लड़ाई अदानी से होकर सोरोस पर आई-दुनियाँ की जनता देखती रही। साथियों बात अगर हम हंगामेंदार शीतकालीन सत्र की करें तो शीतकाल में दिल्ली का पारा गिरता जा रहा है लेकिन संसद में सियासी तापमान प्रचंड है।शुरूआती छह में से पांच दिनों की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ने के बाद कामकाज पटरी पर लौटा ही था कि दोनों ही सदन फिर से बेपटरी हो गए हैं। लोकसभा से राज्यसभा तक अडानी मुद्दे पर विपक्ष आक्रामक है तो वहीं अब दोनों सदनों में ट्रेजरी बेंच भी फ्रंटफुट पर आ गया है।संसद में अडानी मुद्दे से शुरू हुआ संग्राम अब जॉर्ज सोरोस पर आ गया है संसद के शुरूआती हफ्ते में जहां विपक्ष का अडानी पर आक्रामक रवैया सदन की कार्यवाही में बाधा बना तो वहीं अब विपक्ष के इस मुद्दे का जवाब सत्ता पक्ष के सदस्य संसद में जॉर्ज सोरोस के मुद्दे से दे रहे हैं।सत्ता पक्ष ने सोमवार को सोरोस मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा किया जिसकी वजह से राज्यसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे और फिर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।विपक्ष के नेता ने कहा है कि अगर ये तय करके आए हैं कि सदन नहीं चलने देंगे तो आप लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं।केरल के सांसद ने कहा कि सोरोस के मुद्दे पर चर्चा हो लेकिन उसके साथ ही अडानी मुद्दे पर भी चर्चा हो।कांग्रेस के सांसदों ने सत्ता पक्ष के रवैये को अडानी को बचाने की कोशिश बताया।विपक्ष के सदस्यों के विरोध के बाद संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार को दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी सदस्यों का दावा है कि विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के उनके अनुरोध को सत्ता पक्ष द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है। इनमें दिल्ली में किसानों का विरोध प्रदर्शन और मणिपुर में चल रहा संघर्ष शामिल है। वहीं, दूसरी ओर सत्ताधारी पार्टी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता के फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसिफिक (एफडीएल-एपी) फाउंडेशन के जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन के साथ कथित संबंध के बारे में दावा किया है।

साथियों बात अगर हम अडानी बानाम सोरोस की करें तो संसद में सोरोस का मुद्दा आज गतिरोध बनकर सामने आया है लेकिन यह चैप्टर आज ही शुरू नहीं हुआ है, इसकी झलक 6 दिसंबर, शुक्रवार को ही देखने को मिल गई थी, तब अडानी मुद्दे पर हमलावर विपक्ष और कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करते हुए सत्ताधारी पार्टी के एक सांसद ने यह मुद्दा लोकसभा में उठाया था, झारखंड के सांसद ने सोरोस का मुद्दा उठाते हुए विपक्षी कांग्रेस से 10 सवाल पूछे थे। उन्होंने विपक्ष के नेता की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सोरोस के किसी करीबी शेट्टी के नाम का जिक्र करते हुए भी सवाल पूछा था, इसी दौरान हंगामे की वजह से लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित हो गई थी।केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने कार्यवाही शुरू होने से पहले कहा कि कुछ मुद्दे हैं जिन्हें राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। जॉर्ज सोरोस और उनके संबंध जो सामने आए हैं, हम इसे विपक्षी पार्टी या विपक्षी नेता से संबंधित मुद्दे के रूप में नहीं देखते, हमें इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए, यह भारत विरोधी ताकतों से संबंधित है, हमने कांग्रेस और अन्य दलों से कहा है कि हम 13-14 दिसंबर (लोकसभा में) और 16-17 दिसंबर (राज्यसभा में) को संविधान पर चर्चा करेंगे।कांग्रेस पार्टी के नेताओं और उसके कार्यकर्ताओं से अपील करना चाहता हूं कि अगर उनके नेताओं के भी भारत विरोधी ताकतों से संबंध पाए जाते हैं तो उन्हें भी अपनी आवाज उठानी चाहिए।साथियों बात अगर हम जॉर्ज सोरोस को जानने की करें तोभारत की राजनीति में अमेरिका के अरबपति कारोबारी जॉर्ज सोरोस का नाम इन दिनों चर्चाओं में चल रहा है। बीजेपी ने विपक्षी बढ़ी पार्टी और विपक्ष के नेता समेत उनके परिवार की आलोचना करने के लिए सोरोस के नाम का सहारा लिया है। इतना ही नहीं बीजेपी ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता पर भारत को कथित तौर पर अस्थिर करने के लिए जॉर्ज सोरोस जैसी अंतर्राष्ट्रीय ताकतों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया है। सत्ताधारी पार्टी लगातार सोरोस का नाम लेकर विपक्ष के नेता को घेर रही है। सत्ताधारी पार्टी ने इस मुद्दे पर चर्चा करने की मांग की जिसको लेकर राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। सत्ताधारी पार्टी का आरोप है कि कांग्रेस नेता उस संगठन से जुड़ी हैं जो सोरोस से फंड लेती हैं।जॉर्ज सोरोस का नाम भारत में पहली बार नहीं आया है। इससे पहले भी सोरोस का नाम आ चुका है। इससे पहले अडाणी मुद्दे, मोदी सरकार पर टिप्पणी करके वह विवादों में आए थे। हंगरी के बुडापेस्ट में 1930 में सोरोस का जन्म हुआ था। सोरोस का नाता विवादों से रहा है। सोरोस का सबसे विवादित फाइनेंशियल मूव 1992 में आया था, उस समय उन्होंने ब्रिटिश पाउंड के खिलाफ दांव लगाया और एक ही दिन में 1 बिलियन डॉलर से अधिक की कमाई

की। इसके बाद उन्हें द मैन हू ब्रोक द बैंक ऑफ इंग्लैंड का उपनाम भी दिया गया, जिसका अर्थ होता है-बैंक ऑफ इंग्लैंड को बर्बाद करने वाला व्यक्ति। पीएम मोदी के है धुर आलोचक है,जॉर्ज सोरोस की पहचान एक ऐसे व्यक्ति की रही है जो विश्व के कई देशों की राजनीति और समाज को प्रभावित करने के लिए अपना एजेंडा चलाता है। सोरोस को भारतीय पीएम की नीतियों का भी धुर आलोचक माना जाता है। 2020 में दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम पर एक भाषण के दौरान सोरोस ने पीएम और उनकी सरकार की खूब आलोचना की थी। उन्होंने सरकार परअधिनायकवाद को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया था। इसके अलावा सरकार पर विभाजनकारी नीतियों को लागू करने का आरोप लगाया। पीएम को सोरोस ने विश्व स्तरपर लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा करने वाले राष्ट्रवादी नेताओं में से एक बताया था। सोरोस के इस बयान की भारतीय नेताओं ने कड़ी आलोचना की थी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय संसदीय शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024- संसद की लड़ाई अदानी से होकर सोरोस पर आई-दुनियाँ की जनता देखती रही शीत कालीन सत्र में दिल्ली का पारा गिरता जा रहा है परंतु संसद में सियासी तापमान प्रचंड है।डिजिटल मीडिया युग में सम्माननीय संसद सदस्यों को करोड़ों आंखें लाइव देख रही है जिसे हर सदस्य ने स्वतः संज्ञान लेना जरूरी है।

सीएम ने किया रैन बसेरों का निरीक्षण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले: ठंड से न जाए किसी व्यक्ति की जान

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ठंड से कोई दम न तोड़ने पाए और न ही कोई ठिठुरे, इसके लिए सरकार की तरफ से कई स्तरों पर प्रबंध किए गए हैं। बेसिक शिक्षा विभाग में बच्चों के लिए स्वेटर देने की व्यवस्था, उनके अभिभावकों के खाते में धनराशि भेज कर की गई है तो जरूरतमंदों में कंबल का वितरण कराया जा रहा है। आने वाले समय में शीतलहर के दौरान जनमानस और जीव जंतुओं के बचाव के लिए सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की भी व्यापक व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर जरूरतमंद को सम्मानजनक आश्रय देने के लिए डबल इंजन की सरकार प्रतिबद्ध है। इसके लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान दिए गए हैं तो शहर में किसी कार्य से आने वाले आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए निशुल्क रैन बसेरों की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री मंगलवार की देर शाम महानगर के चार रैन बसेरों का निरीक्षण करने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने रेलवे स्टेशन, कचहरी,

धर्मशाला और गोरखनाथ क्षेत्र में झुलेलाल मंदिर के पास स्थित रैन बसेरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रैन बसेरों में रह रहे लोगों का कुशलक्षेम पूछने के साथ ही व्यवस्था के बारे में भी फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर जरूरतमंद को रैन बसेरों में अच्छी सुविधा दी जाए। प्रशासन को इसे प्राथमिकता पर लेते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी रैन बसेरों में पर्याप्त संख्या में बिस्तर व कंबल का इंतजाम हो। साफ-सफाई का भी पूरा ध्यान रखा जाए। साथ ही यदि किसी के पास भोजन की व्यवस्था नहीं है तो उसे भोजन भी उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने धर्मशाला के नवनिर्मित रैन बसेरे का उद्घाटन भी किया। इसके निर्माण पर 1.90 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

मुख्यमंत्री रैन बसेरों से जब बाहर निकले तो वहां खड़े सैकड़ों जरूरतमंदों को भी कंबल व भोजन उपलब्ध कराया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान परिजनों के साथ मौजूद बच्चों को दुलारा और चाकलेट, खिलौना गिफ्ट कर उन्हें आशीवांद भी दिया। अलग अलग रैन बसेरों में देवरिया, कुशीनगर, बलिया, गगहा, चौरी चौरा समेत पूर्वांचल के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों के अलावा बिहार से आए लोग भी ठहरे थे। कोई इलाज के मकसद से आया था तो कोई काम की तलाश या फिर किसी अन्य कार्य से गोरखपुर आया था। मुख्यमंत्री ने जब उनसे रैन बसेरों की सुविधा के बारे में पूछा तो सभी का एक ही जवाब था- कोई दिक्कत नहीं है महराज जी।

मुख्यमंत्री जब आगे बढ़ते तो पीछे से रैन बसेरों में ठहरने वालों की यह सामान्य प्रतिक्रिया रहती कि- जब बाबा (मुख्यमंत्री) खुद उनकी सुधि ले रहे हैं तो दिक्कत किस बात की होगी। रैन बसेरों का निरीक्षण करने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भीषण ठंड और शीतलहर से आम जनमानस के बचाव के लिए राज्य सरकार की तरफ से पहले चरण में 4 लाख लोगों को यूपी में बने कंबल वितरित करने के लिए हर जिले को पर्याप्त धनराशि जारी कर दी गई है। इसके साथ ही प्रशासन को निर्देशित किया गया है कि जरूरतमंद लोगों की सूची बनाकर कंबल वितरण सुनिश्चित कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 56 लाख परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा चार लाख और लोगों को जल्द ही आवास उपलब्ध करा दिए जाएंगे। इस व्यवस्था के बाद भी जो लोग शहरी क्षेत्र में उपचार करने या किसी अन्य कार्य से आते हैं और उनके पास रात्रि में रुकने के लिए होटल या किराए पर रहने की क्षमता नहीं होती है, उनके लिए शहरी क्षेत्रों में डबल इंजन सरकार की तरफ से स्थानीय निकायों के माध्यम से रैन बसेरों की व्यवस्था की गई है। रेलवे स्टेशन रोड स्थित रैन बसेरे के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब बाहर जरूरतमंद लोगों में कंबल और भोजन का वितरण कर रहे थे तभी उनकी नजर कुछ दूर पर खड़े नेत्र दिव्यांगों पर पड़ गई। उन्होंने फौरन उन्हें अपने पास बुलाया। उनका कुशलक्षेम पूछा और अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन दिव्यांगों से वार्ता कर यह पता कर लें कि इन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नही। यदि कोई वंचित है तो उसे तत्काल संबंधित योजना का लाभ दिलाया जाए। मुख्यमंत्री ने उन्हें कंबल और भोजन के पैकेट दिए। इसी तरह कचहरी बस स्टेशन के पास स्थित रैन बसेरे का निरीक्षण करने के दौरान मुख्यमंत्री ने कुछ बुजुर्गों से उनकी उम्र पूछी और उन्हें आश्वस्त किया कि जल्द ही उनके आयुष्मान वय वंदन कार्ड बनवा दिए जाएंगे।

संक्षिप्त डायरी

लूट के मामले में दो गुनाहगारों को दस-दस साल की सख्त सजा के साथ ही पांच-पांच हजार रुपये का हुआ जुमार्ना

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के मझगवां तिराहे की पुलिया के पास 24 मई 2009 को मोटरसाइकिल सवार दो मुनीमों से हुई 32 हजार रुपये की लूट के सनसनीखेज मामले में मु०अ०सं०-722/2009- धारा 392 आईपीसी के तहत अभियुक्त प्रेम नरायण उर्फ पीलू, विकास उर्फ सोनू सहित देवेन्द्र के खिलाफ दर्ज किया गया था, जबकि अपर जिला एवं सत्र अदालत के स्पेशल स्कालर जज अनिल कुमार खरवार ने लूट के इस संगीन मामले में दो अभियुक्तों को गुनाहगार मानते हुये दस-दस साल की सख्त सजा के साथ ही पांच- पांच हजार रुपये का जुमार्ना सुनाया, जबकि एक अभियुक्त देवेन्द्र को संदेह के चलते बरी कर दिया गया, जबकि लूट के इस सनसनीखेज मामले में अभियोजन की तरफ से अदालत में दमदार पैरवी एडीजीसी मणिकर्ण शुक्ल ने करते हुये तीनों अभियुक्तों के खिलाफ सख्त सजा की मांग की थी।

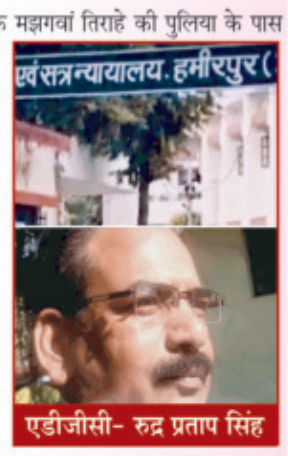

लखनऊ में बेटे ने की थी मां की हत्या: खेत में मफलर से गला घोंटा, नाले में छिपाई लाश

लखनऊ । नगराम इलाके में शुक्रवार (6 दिसम्बर) को महिला की हत्या उसके ही बेटे ने अपने दोस्त के साथ मिलकर की थी। लोगों को गुमराह करने के लिए वारदात को लूट बताया था। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बुधवार को शराबी बेटे और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। नगराम के करसण्डा गांव में शुक्रवार को प्रेमा नाम की महिला का खेत में शव मिला था। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज था। महिला के बेटे दिलीप कुमार ने अपने पिता, भाई, चाचा और अन्य लोगों पर हत्या का शक जताते हुए पुलिस के पास तहरीर दी थी। मैनुअल और सर्विलांस की मदद से प्रेमा के बेटे आकाश कुमार (20) पुत्र सन्तराम और उसके दोस्त सुलेमान हुसैन (24) पुत्र मोहम्मद सुबराती को हिरासत में लिया गया। पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपी पहले पुलिस को गुमराह करते रहे। कड़ाई से पूछताछ करने पर दोनों ने हत्या करने की बात कबूल कर ली। डीसीपी साउथ केशव ने बताया कि आकाश शराब पीने का आदी है। वह पत्नी से भी शराब के नशे में मारपीट करता था। आकाश की पत्नी रोजाना झगड़े की वजह से मायके चली गई थी। वापस नहीं आ रही थी। उन्होंने बताया कि आकाश अपनी पत्नी को वापस लाने के लिए मां से पैसे मांगता था। मां-बहू को प्रताड़ित नहीं होने देने चाहती थी तो मना कर रही थी। आकाश अपनी मां से शराब के पैसे भी मांगता था। पैसे नहीं मिलने से नाराज था। शुक्रवार को प्रेमा खेत की रखवाली करने गई थी। आकाश अपने साथी सुलेमान के साथ वहां पहुंचा। मां से बहसबाजी के बाद मफलर से गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस को लूट दिखाने के लिए जेवर, अंगूठी, माला, पायल को निकाल लिया और मोबाइल को बन्द करके रख लिया। कुछ कपड़े भी हटा दिए। लाश को उठाकर खेत से लगभग 50 मीटर दूर नाले में छिपा दिया। इसके बाद मां के अंतिम संस्कार में शामिल हुआ। पुलिस ने आरोपियों के पास जेवर और मोबाइल बरामद कर लिया है।

बस्ती में ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलटी, दो की मौत, एक घायल

बस्ती । हरैया थाना क्षेत्र के संसारीपुर-पैकोलिया मार्ग पर बुधवार को सड़क हादसा हो गया। ग्राम केशवपुर के पास ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्राम खरथुआ, थाना पैकोलिया के निवासी मंसाराम (35), मस्तराम (30) और सुमित (21) ट्रैक्टर से संसारीपुर की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे ग्राम केशवपुर के पास पहुंचे, उनका ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क से उतरकर पलट गया। हादसे में मंसाराम और मस्तराम ट्रैक्टर के नीचे दब गए और उनकी मौत हो गई। सुमित को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरैया में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायल सुमित को अस्पताल भेजा। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। प्रारंभिक जांच में ट्रैक्टर के अनियंत्रित होने की वजह सड़क की खराब स्थिति और ड्राइविंग में चूक बताई जा रही है।

पूर्व राष्ट्रपति बोले: एक देश एक चुनाव होगा गेमचेंजर

कानपुर । तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने विधेयक को गेमचेंजर के रूप में बताया है। कानपुर में पूर्व मंत्री अमरजीत सिंह जनसेवक के घर पहुंचे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने यहां पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर सरकार को सवार्नुमति बनानी पड़ेगी। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि इसके लिए सभी राजनीतिक दलों से बातचीत करनी होगी, क्योंकि यह किसी राजनीतिक दल के हित का नहीं बल्कि देश के हित का मुद्दा है। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि यह बिल गेमचेंजर के रूप में साबित हो सकता है क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था वर्तमान में छह से सात प्रतिशत के आसपास है। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि अर्थशास्त्री भी इस बात को मानते हैं कि इस व्यवस्था के लागू होने के बाद जीडीपी में एक से डेढ़ प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। गौरतलब हो कि इस बात की चचाएं इस समय जोरों पर है कि संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार एक देश एक चुनाव को लेकर विधेयक पेश कर सकती है। कहा यह भी जा रहा है कि सरकार विधेयक पर आम सहमति भी बनाना चाहती है, ऐसे में पूर्व राष्ट्रपति का यह बयान और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है।

गौतम फाउंडेशन द्वारा धूमधाम मनी गीता जयंती

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। स्थित श्रीरामजानकी मंदिर मठ में बुधवार को मठ एवं गौतम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में धूमधाम से गीता जयंती मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ पुजारी देव नारायण शरण द्वारा भगवान श्रीकृष्ण व श्रीमद्भागवत गीता के पूजन अर्चन से हुआ। तत्पश्चात विचार गोष्ठी हुई और भक्तों ने सामूहिक रूप से गीता का पाठ भी किया। गीता के श्लोकों से मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। आरती के साथ कार्यक्रम को विश्राम दिया गया। भक्तजनों को सम्बोधित करते पुजारी देव नारायण शरण ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के मुखारविन्द से निकली अति दिव्य वाणी ही गीता है। भगवान अनन्त हैं, भगवद्गीता की महिमा भी अनन्त है। गीता भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन से योग में स्थित होकर कही है। यह उपनिषदों का सार है। इसमें

सभी दर्शन निहित हैं। यह सभी जीव के कल्याण का ग्रन्थ है। अवकाश प्राप्त शिक्षक सुरेश प्रसाद गुप्त ने कहा कि गीता का तात्पर्य श्वासुदेव सर्वम्श है। इसमें भगवान ने कहा है - मैं ही सम्पूर्ण प्राणियों के हृदय में स्थित हूँ। शरणागति से ही समग्र की प्राप्ति सम्भव है। भगवान श्रीकृष्ण समग्र हैं। गीता में कर्मयोग और ज्ञान योग दोनों लौकिक है परन्तु भक्तियोग अलौकिक है। संचालन करते डॉ0 हरिओम मिश्र ने कहा कि आज के दिन श्रीमद्भागवत गीता पढ़ना और सुनना शुभकारी व कल्याणकारी माना जाता है। 18 अध्यायों में विभाजित यह दिव्य ग्रंथ ज्ञानयोग, कर्मयोग व भक्तियोग का संगम है। कार्यक्रम संयोजक राजू जायसवाल ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कृष्णावती देवी, अर्पिता सिंह, कविता सिंह, सीता देवी, सावित्री देवी, गंगोत्री देवी, इंदु यादव, खुशी, अल्का सिंह, विश्वनाथ गुप्ता, रमाशंकर गुप्ता, जगदीश जायसवाल, धनंजय तिवारी, अभिषेक श्रीवास्तव, उपेंद्र यादव, निशांत कुमार, राज गुप्ता, प्रिंस यादव, प्रिंस कुशवाहा, अरुण रावत, रितेश जायसवाल, राज कमल मिश्रा, रमाशंकर कुशवाहा, शारदा सिंह, गोपाल जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

डिजिटल स्टुडियो: नयी प्रतिभाओं को मिलेगी पहचान: पीएन पाठक

संवाददाता

कुशीनगर। कसया तहसील के टेकुआटार में कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने डिजिटल रिकॉर्डिंग स्टूडियो का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि संगीत कला के क्षेत्र में टेकुआटार में इस तरह के स्टूडियो खुलने से गायन के क्षेत्र में भाग्य आजमा रहे नयी प्रतिभाओं को पहचान मिलेगी। नवोदित कलाकार भी कम बजट में अपना एलबम तैयार कर सकेंगे। यह हमारे लिए गौरव की बात है। संस्था के निदेशक ने बताया कि यहां छोटे स्तर के फिल्मों का भी भविष्य में निर्माण करने की योजना है।इस अवसर पर मधु सेठ अमरनाथ मदेशिया आदित्य तिवारी रूद्र प्रकाश सिंह संजीव दूबे सजय राव शिबलू सिंह श्याम मदेशिया अंधा पांडेय विजय वसंत, प्रो गौतम कुमार, जालेश्वर भगत, अमरज्योति, सुनील कुमार शर्मा, बी पी वर्मा, मुकेश, सटु, सुजीत, प्रकाश, मनोज यादव, बबलू पासवान, यीतेन मधुसूदन मौजूद थे।

गीता भगवान श्री कृष्ण के मुख से निकली वाणी, धर्म का सच्चा स्वरूप

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के प्रांगण में गीता जयंती समारोह पूर्वक धूमधाम से मनाया गया। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान कृष्ण एवं पूज्य सन्त अडगडानन्द के चित्र के समक्ष पूजन अर्चन से हुआ। परिसर में श्रीमद्भागवत गीता के श्लोकों का सामूहिक पाठ किया गया। मुख्य अतिथि इन्द्रासन प्रसाद संत जी ने कहा कि गीता जयंती जिसे मोक्षदा एकादशी या मत्स्य द्वादशी के नाम से भी जाना जाता है। पौराणिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से यह दिन उस क्षण को दशार्ता है जब कुरुक्षेत्र के युद्ध के मैदान में अर्जुन और भगवान कृष्ण के बीच भगवद गीता संवाद शुरू हुआ था। विशिष्ट अतिथि राम आशीष शुक्ल ने कहा

कि गीता गुरु - शिष्य संवाद है। भगवान कृष्ण गुरु और अर्जुन शिष्य के रूप में हैं। गीता ज्ञान का भंडार है। जनार्दन राव ने कहा कि शरणागति ही गीता का सार है। वृषभान दूबे ने कहा कि गीता भगवान कृष्ण के मुख से निकली वाणी है। गीता धर्म का सच्चा स्वरूप है। श्रीकृष्ण नाम ही महामंत्र है। अध्यक्षता करते हुए डा. चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि अपना वही है जो धर्म के साथ है। संचालन अवकाश प्राप्त प्रवक्ता सुरेश प्रसाद गुप्त ने किया। इस अवसर पर सत्यप्रकाश मिश्र, डाक्टर कालिंदी मणि त्रिपाठी, प्रधानाचार्य रामजी सिंह, शक्तियां सिंह आदि उपस्थित रहे।

सेवा भावना विकसित करता है स्काउट गाइड शिविर: डॉ. अक्षयवर पांडेय

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर के पावानगर महावीर इंटर कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का समापन समारोह में शिविरार्थियों ने अपने अद्भुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अक्षयवर पांडेय ने कहा कि स्काउट गाइड का यह शिविर जीवन में अनुशासन, नेतृत्व और सेवा भावना को विकसित करने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा यह शिविर छात्रों के भीतर सकारात्मक सोच और सुंदर विचारों के बीज बोता है, जिससे वे अपने जीवन को अनुशासित और सफल बना सकते है। अतिथियों ने शिविर में भाग लेने वाली टोलियों का निरीक्षण किया और उनके

प्रदर्शन की सराहना की। शिविर के प्रशिक्षक एमडीआई खान और जेपी रावत ने छात्रों को प्राथमिक उपचार, अनुशासन, और नेतृत्व क्षमता जैसे महत्वपूर्ण कौशल सिखाए। अंत में शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाली टोलियों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षक विश्राम यादव, डॉ. संजय मिश्रा, डॉ. वीरेंद्र प्रताप शाही,कवि मनंजय तिवारी निर्मल,अतुल त्रिपाठी, सुजीत तिवारी, रामनंदन दास, नम्रता मिश्रा, नवी हसन, संदीप गौतम, संगीता सिंह, मनोज यादव, विजयलक्ष्मी, अरुण चौबे, संतोष चौरसिया, मोती सिंह, शैलेंद्र तिवारी, अम्बरीश दीक्षित, जनार्दन पाठक, जयनाथ प्रसाद, राकेश पांडेय और पी.पी. मिश्रा समेत सभी शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन साहित्यविद् नंदा पांडे ने किया।

भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व वैचारिक पार्टी: लल्लू सिंह

संवाददाता

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी के रविन्द्र नगर स्थित जिला कार्यालय में बुधवार को संगठन पर्व द्वितीय चरण की जिला कार्यशाला का आयोजित हुआ जिसमें मंडल चुनाव अधिकारीयों को मंडल अध्यक्ष के लिए होने वाले चुनावों की शर्तों के बारे में बताया।

मुख्य अतिथि कुशीनगर जिला के चुनाव पर्यवेक्षक, अयोध्या के पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व वैचारिक पार्टी है। पार्टी का मण्डल अध्यक्ष समर्पित और अनुशासित होना चाहिए।

सभी चुनाव अधिकारी इस बात का ध्यान रखें कि जो मण्डल अध्यक्ष निर्वाचित हो रहे हैं, उनके चयन में प्रत्येक सामाजिक वर्ग को प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है।

महिलाओं की प्रतिभागिता भी सुनिश्चित हो। पार्टी ने तय किया है कि मण्डल अध्यक्ष 35 से 45 वर्ष तक की उम्र वाले ही बनाए जाएंगे और उन्हें पिछले दो बार का सक्रिय सदस्य होना जरूरी है, उनके खिलाफ कोई भी अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। जिन्हें भी मंडल बनाया जाएगा। वे पूर्व में जिला व मंडल के पदाधिकारी जरूर रहे होने चाहिए। कहा कि संगठन सशक्त बने इसके लिए निर्वाचन प्रक्रिया में सभी प्रमुख और वरिष्ठ लोगों से भी विचार विमर्श करना चाहिए ताकि उनके अनुभवों का लाभ मिल सके। उन्होंने चेताया कि सुनें सबकी मगर किसी के प्रभाव में न आएं। जिला पर्यवेक्षक ने कहा कि सांसद और विधायकों की संगठन चुनाव में राय तो ली जाएगी, पर उनकी सिफारिश मात्र पर ही कोई नियुक्ति नहीं होगी। निर्वाचन प्रक्रिया में शामिल लोग इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि उन्हें निर्णय किसी प्रभाव, अपनी पसंद नापसंद से नहीं बल्कि संगठन हित को ध्यान में रखते हुए लेना है।

उन्होंने कहा कि प्रयास यह करना है कि मण्डल अध्यक्ष का चुनाव आम सहमति से हो और चुनाव की नौबत न आए। अध्यक्षता और आभार ज्ञापन जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय तथा संचालन जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी ने किया।इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष नन्द किशोर मिश्र, जगदम्बा सिंह, लल्लन मिश्र, जयप्रकाश शाही, पूर्व विधायक मदन गोविंद राव, ब्लाक प्रमुख विन्ध्यासिनी श्रीवास्तव, अर्चना प्रदीप सिंह,जिला महामंत्री सुदर्शन पाल, सन्तोष दत्त राय, जिला उपाध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह, विजय कुमार शुक्ल, मनोज जायसवाल, रमेश सिंह, विनोद भारती, जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल, अतुल श्रीवास्तव, बाबू नन्दन सिंह, डॉ सीमा गुप्ता सहित सभी जिला पदाधिकारी व मण्डल चुनाव अधिकारी, मण्डल अध्यक्ष उपस्थित थे।

भारत रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल, एलएनजी रीगैसिफिकेशन की बढ़ा रहा क्षमता

वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट से भारत को आयात बिल में हो सकती है भारी बचत

नई दिल्ली।

भारत वैश्विक तेल और गैस उत्पादों के प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरने की संभावना है। जब से भारत अपनी रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल, एलएनजी रीगैसिफिकेशन और पाइपलाइन क्षमता को बढ़ा रहा है, जबकि चीन की अर्थव्यवस्था में मंदी देखी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबकि वैश्विक तेल कीमतों में कमजोरी बनी रहने की संभावना है, जो भारत के लिए फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि भारत कच्चे तेल की जरुरत का 80 फीसदी से ज्यादा आयात करता है।

वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट से भारत को आयात बिल में भारी बचत हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के तेल और गैस उत्पादन में मामूली बढ़ोतरी की उम्मीद है, लेकिन यह निर्भर करेगा कि ओएनजीसी तय समय पर उत्पादन और नामांकन ब्लॉकों में गिरावट को कैसे कम करता है। भारत की एलएनजी पुनर्गैसीकरण क्षमता में चालू वित्त वर्ष 2025 में कम से कम 25 फीसदी की बढ़ोतरी की की संभावना है, जो भारत की वैश्विक एलएनजी अवशोषण क्षमता को और बढ़ाएगी।

रिफाइनिंग क्षेत्र में भारत अपनी क्षमता में 9 फीसदी की वृद्धि करने की उम्मीद कर रहा है, जिससे प्रतिदिन 0.5 मिलियन बैरल की बढ़ोतरी हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत का ऊर्जा संक्रमण तेज होगा और तेल और गैस कंपनियां अपने निवेश को इस क्षेत्र में शिफ्ट करेंगी। इसके अलावा पेट्रोकेमिकल्स से जुड़े रिफाइनरी ट्रांसफॉर्मेशन परियोजनाओं की शुरुआत की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में कमी आई है, खासकर डीजल की मांग में और इसे आगे और कम होने की संभावना है। एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल को कमजोर तेल कीमतों से लाभ होने की उम्मीद है, जबकि ओएनजीसी को तेल कीमतों में गिरावट के जोखिम के कारण कम करें रेटिंग दी गई है। वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट का दबाव बना रहेगा, लेकिन गैस की कीमतों में निकट भविष्य में वृद्धि की संभावना है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ रही संख्या, सरकार लागू कर रही प्रोत्साहन योजनाएं

परिवहन मंत्रालय ने राज्यों को रोड टैक्स माफ करने की दी सलाह

नई दिल्ली।

भारत में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की संख्या लगातार बढ़ रही है। देश में अब तक 28,55,015 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों और 2,57,169 चार पहिया वाहनों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, हाल ही में संसद में बताया गया था।

भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री ने लोकसभा में इसकी जानकारी दी थी। ओडिशा राज्य में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या 1,45,479 है, और राज्य का अडोप्शन रेट 1.24 फीसदी है। भारत सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रोत्साहन के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है।

फास्टर अडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (फेम) योजना, जो 1 अप्रैल, 2019 से शुरू हुई थी, इसके तहत 11,500 करोड़ रुपए का बजटीय समर्थन प्रदान किया है। इस योजना के जरिए ई-2व्हीलर, ई-3 व्हीलर, ई-4 व्हीलर, ई-बसों और ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों को बढ़ाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट उद्योग के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का बजटीय परिव्यय 25,938 करोड़ रुपए है, जिसका उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है।

केंद्र सरकार ने एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) के लिए पीएलआई योजना को 18,100 करोड़ रुपए के बजटीय परिव्यय के साथ मंजूरी दी है, जिसका लक्ष्य 50 गीगावॉट घंटे की बैटरी के लिए घरेलू मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम स्थापित करना है। प्रधानमंत्री इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों के समर्थन के लिए 10,900 करोड़ रुपए का परिव्यय है।

सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी दर को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया है और बैटरी से चलने वाले वाहनों को ग्रीन लाइसेंस प्लेट देने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्हें परमिट की जरुरतों से भी छूट दी जाएगी।

क्विक कॉमर्स कारोबार में उतरेगी एमेजॉन, निर्यात लक्ष्य 80 अरब डॉलर रखा

नई दिल्ली।

क्विक कॉमर्स कारोबार में तेजी को देखते हुए एमेजॉन ने भी इस क्षेत्र में उतरने का फैसला किया है। इसके साथ ही कंपनी ने 2030 तक भारत से कुल निर्यात का लक्ष्य बढ़ाकर 80 अरब डॉलर कर दिया है। 'विकसित भारत' संकल्प के तहत 2025 तक कंपनी ने 20 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा है। एमेजॉन के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि इस साल कंपनी ने 12 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया है और वह 2025 में 20 अरब डॉलर के अपने पिछले निर्यात लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। एमेजॉन की प्रतिस्पर्धी कंपनी वॉलमार्ट भी भारत से आपूर्ति लक्ष्य बढ़ा रही है। उसने 2027 से सालाना 10 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं की आपूर्ति का लक्ष्य रखा है। एमेजॉन इंडिया ने 15-मिनट में सामान की डिलिवरी करने की सेवा शुरू करने की योजना का खुलासा किया। एमेजान इंडिया के कंट्री हेड ने कहा कि कंपनी इस महीने बेंगलुरु में इसे प्रायोगिक तौर पर शुरू करेगी। हालांकि उन्होंने क्विक कॉमर्स योजना के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि क्विक कॉमर्स में हमारा ध्यान सबसे तेजी के साथ कई वस्तुओं की आपूर्ति करने की है। हमने 42 हजार से ज्यादा विक्रेताओं से ऑर्डर के दिन या उसके अगले दिन करीब तीन करोड़ से ज्यादा उत्पादों की आपूर्ति की है। उन्होंने कहा कि भारत में बहुत कुछ ऐसा है जहां हम अभी तक नहीं पहुंचे हैं। हम बड़े शहरों में क्विक कॉमर्स की बात करते हैं लेकिन हमें देश के अन्य हिस्सों के बारे में भी सोचना चाहिए। निर्यात योजना के बारे उन्होंनेने कहा कि भारतीय एमएसएमई, विनिर्माताओं और स्टार्टअप के साथ ही मेड इन इंडिया उत्पादों की आपूर्ति के लिए एमेजॉन के वैश्विक बिक्री योजना के जरिये कंपनी ने 80 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य हासिल करने की योजना बनाई है। इनमें घरेलू व रसोई संबंधी उत्पाद, कपड़े और परिधान, खिलौने, स्वास्थ्य और पोषाहार, आयुर्वेद उत्पाद आदि शामिल हैं। एमेजॉन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि भारत एमेजॉन के लिए प्रमुख बाजार है और हमारा दृष्टिकोण छोटे कारोबारों को डिजिटल बनाने, निर्यात को बढ़ावा देने और रोजगार पैदा करने के सरकार के नजरिये के अनुरूप है।

सीएनआई रिसर्च ने एक साल में दिया जबरदस्त रिटर्न, शेयरों में आई तूफानी तेजी

नई दिल्ली।

सीएनआई रिसर्च जिसने अपने प्रदर्शन से निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। बीते एक साल में इस पेनी स्टॉक ने निवेशकों को 654.59 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न देकर सभी को हैरानी में डाल दिया है। इसके शेयरों में तूफानी तेजी दर्ज की गई है। कंपनी के शेयर मंगलवार को 17.19 रुपए के लेवल पर कामकाज की शुरुआत की और कुछ देर बाद पांच फीसदी के अपर सर्किट के साथ 17.28 रुपए के लेवल पर 52 वीक का नया हाई छुआ है। कारोबार के आखिर में बीएसई पर यह 4.98 फीसदी तेजी के साथ 17.28 रुपए के लेवल पर बंद हुआ। शेयर बाजार में कुछ शेयर ऐसे होते हैं जो निवेशकों को कम समय में ही शानदार रिटर्न देकर मालामाल कर देते हैं। अगर सीएनआई रिसर्च के शेयरों का प्रदर्शन देखें तो बीते एक हफ्ते में 27.34 फीसदी की तेजी आई है। इसने बीते एक महीने में 19.15 फीसदी का रिटर्न दिया है। बीते 3 महीने में 47.19 फीसदी तेजी आई है। इस साल 644.83 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। बीते 3 साल में कंपनी के शेयरों में 441.69 फीसदी मजबूती आई। मल्टीबैगर कंपनी सीएनआई रिसर्च का 52 वीक का हाई प्राइस 17.28 रुपए है। वहीं, 52 वीक का लो प्राइस 2.14 रुपए है। इस कंपनी का मार्केट कैप 263 करोड़ रुपए है। कंपनी रिसर्च फर्म के रूप में काम करती है।

खाद्य पदार्थों में नरमी से खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 5.5 फीसदी हुई

नई दिल्ली।

खाद्य कीमतों में गिरावट के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित भारत की खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में घटकर 5.5 फीसदी रहने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उम्मीद है कि खाद्य कीमतों में नरमी के कारण सीपीआई मुद्रास्फीति नवंबर में घटकर 5.5 फीसदी रह जाएगी, जबकि अक्टूबर में यह 6.2 फीसदी थी। ऐसा खाद्य कीमतों में नरमी के कारण होगा, जबकि कोर कीमतों में तेजी और ईंधन कीमतों में लगातार गिरावट हो रही है। खाद्य कीमतों में कमी और कोर सीपीआई में कमी के कारण सूचकांक में गिरावट आएगी। कोर सीपीआई में वस्तुएं और सेवाएं शामिल हैं, लेकिन खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, जिनकी कीमतें अस्थिर मानी जाती हैं। अक्टूबर में सीपीआई मुद्रास्फीति बढ़कर 6.21 फीसदी रह गई, क्योंकि महीने के दौरान सब्जियों जैसे खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी आई। यह पहली बार था, जब मुद्रास्फीति ने हाल के महीनों में आरबीआई की 6 फीसदी की ऊपरी सीमा को पार किया। खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर में दर्ज 5.49 फीसदी से बढ़कर अक्टूबर में सब्जियों की कीमतों में 42.18 फीसदी बढ़ गई, क्योंकि इस साल मानसून के देर से वापस आने के कारण फसलों को नुकसान हुआ और बाजार में आपूर्ति कम हुई। आरबीआई गवर्नर ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत की विकास की कहानी अभी बरकरार है। मुद्रास्फीति में गिरावट आ रही है, लेकिन हम भविष्य में कई जोखिमों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इस जोखिम को कम नहीं आंका जा सकता। आरबीआई गवर्नर अर्थव्यवस्था के परिदृश्य के बारे में आशावादी थे, उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन अच्छी तरह से बना हुआ है।

सीमेंट निर्माता कंपनियों ने बढाए 40 रुपये प्रति बोरी सीमेंट के दाम

नई दिल्ली ।

देश में घर बनाना अब और भी महंगा हो गया है। देश में सीमेंट के रेट 40 रुपये प्रति बोरी तक बढ़ गए हैं। जैसे ही सीमेंट की मांग बढ़ती है। उसके साथ सीमेंट निर्माता सीमेंट के दाम बढ़ा देते हैं। सीमेंट डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार पश्चिमी भारत में 50 किलो की सीमेंट की बोरी 350 से लेकर 400 रुपये के बीच में बिक रही है। दिल्ली एनसीआर में सीमेंट की कीमत 340 से 395 रुपए के बीच में है। दक्षिण भारत में सीमेंट की बोरी 350 रुपए से 340 रुपए के बीच में बिक रही है। सीमेंट निर्माता कंपनियों ने डीलरों का मार्जिन घटा दिया है। वही सीमेंट के रेट निर्माताओं ने बढ़ा दिए हैं। सीमेंट कारोबार से जुड़े हुए लोगों का कहना है। अगले 6 महीने तक सीमेंट के रेट में तेजी बनी रहेगी। सीमेंट कंपनियां करटेल बनाकर मांग बढ़ने के साथ ही सीमेंट के दामों में वृद्धि कर देती हैं। जिसके कारण भारत में भवन निर्माण की लागत लगातार बढ़ती जा रही हैं।

वारी एनर्जीज के शेयरों में जबरदस्त उछाल, मॉड्यूल सप्लाई का मिला बड़ा ऑर्डर

कंपनी ने 28 अक्टूबर 2024 को शेयर बाजार में किया था डेब्यू

नई दिल्ली। सोलर मॉड्यूल बनाने वाली कंपनी वारी एनर्जीज के शेयरों में बुधवार को जबरदस्त तेजी आई। बीएसई पर आज इंट्रा-डे ट्रेड में कंपनी के शेयर 7 फीसदी तक चढ़े। कंपनी के शेयरों में जबरदस्त तेजी से एक गीगावाट तक के सोलर मॉड्यूल की सप्लाई के लिए नया ऑर्डर मिला है। यह शेयर में बढ़त का लगातार पांचवां सत्र है। कंपनी ने 28 अक्टूबर, 2024 को शेयर बाजार में डेब्यू किया था। लिस्टिंग के बाद से वारी एनर्जीज के शेयर बाजार में धूम मचा रहे हैं। अपने इश्यू प्राइस से शेयर फिलहाल 97.70 फीसदी की बढ़त बनाए हुए हैं। वारी एनर्जीज ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि कंपनी को 10 दिसंबर को एक गीगावाट तक के सोलर मॉड्यूल की सप्लाई के लिए भारत में रिन्यूएबल पावर प्रोजेक्ट्स के स्वामित्व, विकास और संचालन के बिजनेस में संलग्न एक प्रतिष्ठित ग्राहक से ऑर्डर प्राप्त हुआ है। शेयर बाजार को दी सूचना के मुताबिक यह महत्वपूर्ण सप्लाई ऑर्डर वित्तीय वर्ष 2024-25 में शुरू होकर 2025-26 तक जारी रहेगा। हालांकि, कंपनी ने इस ऑर्डर के मूल्य का खुलासा नहीं किया है। बीएसई पर मंगलवार को कंपनी के शेयर 7.2 फीसदी बढ़कर अपने इंट्रा-डे हाई 3184.95 रुपए पर पहुंच गया। हालांकि कारोबार के अंत में वारी एनर्जीज के शेयर 5.55 फीसदी की बढ़त के साथ 3136.50 रुपए प्रति शेयर के भाव पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों ने 11.24 फीसदी का रिटर्न दिया है। वारी एनर्जीज के शेयर 28 अक्टूबर 2024 को स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट हुए। शेयर का इश्यू प्राइस 1503 रुपए था और लिस्टिंग के पहले दिन शेयर 2,336.80 के भाव पर बंद हुआ। इस तरह से कंपनी ने निवेशकों को 55.48 फीसदी का शानदार लिस्टिंग गेन दिया। फिलहाल कंपनी के शेयर अपने इश्यू प्राइस से 97.70 फीसदी की बढ़त पर हैं।

स्विग्गी के शेयर नीचे आए, मार्केट कैप भी गिरकर 1.16 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली।

ऑनलाइन फूड डिलीवर कंपनी स्विग्गी के शेयर बुधवार को 5 फीसदी नीचे आ गए। बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी का शेयर 5 फीसदी गिरकर 515.95 रुपए और 516.50 रुपए पर आ गया। शेयरों में गिरावट के साथ स्विग्गी का मार्केट कैप भी बीएसई पर गिरकर 1.16 लाख करोड़ रुपए रह गया। एंकर निवेशकों के लिए एक महीने की लॉक-इन अवधि खत्म होने के बाद निवेशकों ने मुनाफा वसूली के चलते स्विग्गी के शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। लॉक-इन खत्म होने के बाद स्विगी के करीब 6.5 करोड़ के शेयर या कंपनी में 3 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी ट्रेड के लिए एलिजिबल हो गई। इससे निवेशकों के लिए आगे बढ़ने और 50 फीसदी हिस्सेदारी बेचने के दरवाजे खुल गए हैं। एंकर निवेशकों के अधिकार वाले शेष 50 फीसदी शेयरों की लॉक-इन अवधि 9 फरवरी 2025 को खत्म हो रही है। सुबह के कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 98.71 अंक या 0.12 फीसदी बढ़कर 81,608.76 पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 45.65 अंक या 0.19 फीसदी बढ़कर 24,655.70 पर पहुंच गया। पिछले महीने स्विगी का आईपीओ एक्सचेंजों पर करीब 17 फीसदी प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ था। स्विगी के 11,327 करोड़ रुपए के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) को बोली के लास्ट डे पूरी तरह से सब्सक्राइब किया था और यह इश्यू को 3.59 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही उतार-चढ़ाव से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। कारोबार के अंत में 50 शेयरों वाले एनएसई निफ्टी के पीएसयू बैंक, मीडिया, एनर्जी और प्राइवेट बैंक सेक्टर में बिकवाली हावी रही जबकि ऑटो, आईटी, फाइनेंशियल सर्विस, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल और रियलिटी सेक्टर में लिवाल का माहौल रहा। वहीं निवेशकों ने गुरुवार को जारी होने वाले नवंबर के कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) डेटा को देखते हुए सावधानी बरती जिससे भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 16.09 अंक करीब 0.02 फीसदी की हल्की बढ़त के बाद 81,526.14 पर पहुंच गया। वहीं 50शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 31.75 अंक तकरीबन 0.13 फीसदी की बढ़त के बाद 24,641.80 स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में बजाज फाइनेंस, नेस्ले इंडिया, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंफोसिस, मारुति, भारती एयरटेल और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर लाभ में रहे जबकि , जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी, एसबीआई, रिलायंस, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक और टाइटन के शेयर नीचे आये। बाजार जानकारों के अनुसार, भारतीय बाजार में आज सूक्ष्म उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जो अमेरिकी सीपीआई मुद्रास्फीति डेटा जारी होने से पहले वैश्विक बाजारों में मौजूद मिश्रित भावनाओं को दिखाता है।जानकारों ने आगे कहा कि अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ, जबकि बॉन्ड यील्ड में हल्की बढ़त रही। इसके अलावाएफएमसीजी और फार्मास्यूटिकल्स सहित डिफेंसिव सेक्टर्स में तेजी देखी गई। चीन से प्रोत्साहन उपायों की संभावना से मेटल सेक्टर में तेजी रही। निफ्टी बैंक 186.35 अंक या 0.35 फिसदी फिसलने के बाद 53,391.35 पर बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 157.55 अंक करीब 0.27 फीसदी की बढ़त के साथ 59,292.95 पर बंद हुआ। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 74.15 अंक करीब 0.38 फीसदी की बढ़त के साथ 19,657.35 पर बंद हुआ। बीएसई पर 2,148 शेयर लाभ में जबकि 1,836 नुकसान में बंद हुए, 112 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की सपाट शुरुआत हुई। सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 5.01 अंक करीब 0.01 फीसदी बढ़कर 81,515.06 पर कारोबार कर रहा था जबकि 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी 13.75 अंक तकरीबन 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 24,623.8 पर कारोबार कर रहा था। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन निफ्टी की वित्तीय सेवा और निजी बैंक सेक्टर में बिकवाली रही।

बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों के आने से लार्ज कैप शेयरों, विशेषकर बैंकिंग और आईटी में मजबूती है। निफ्टी बैंक 122.45 अंक तकरीबन 0.23 फीसदी नीचे आकर 53,455.25 पर था। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 5.45 अंक या 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 59,129.95 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 53.45 अंक या 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,636.65 पर था।

नैचुरल हीट बढ़ने से खतरे में गारमेंट बिजनेस, 65 अरब डॉलर का हो सकता है नुकसान

-पाकिस्तान, बांग्लादेश और वियतनाम में ब्रांडेड कंपनियां कराती हैं उत्पाद तैयार

नई दिल्ली। पाकिस्तान, बांग्लादेश और वियतनाम वह देश हैं जहां बड़ी और ब्रांडेड गारमेंट कंपनियां उत्पाद तैयार कराती हैं। जहां इन कपड़ों का निर्माण होता है वहां बहुत गर्मी पड़ती है। अब एक और समस्या सामने आ गई है कि पर्यावरण में बदलाव के कारण नैचुरल हीट में भी बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में इन कारखानों में काम करने वाले कर्मचारियों को गर्मी की दोगुनी मार झेलनी पड़ रही है। एक रिसर्च रिपोर्ट में पाया है कि अत्यधिक गर्मी या बाढ़ से बांग्लादेश, कंबोडिया, पाकिस्तान और वियतनाम के कपड़ा निर्यात उद्योग को 65 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। भारतीय करेंसी में यह 5.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा होगा। बता दें कि इस रिपोर्ट में रिटेलर्स और ब्रांड्स को यह सुझाव भी दिया गया है कि वे अपने कर्मचारियों के वेतन और हेल्थ पर खर्च को बढ़ाएं अत्यधिक हीट के कारण होने वाले कार्य दिवस के नुकसान की भरपाई हो सके। इसको देखते हुए अब यूरोपियन यूनियन ने नए नियम लागू किए हैं। यह नियम नाइकी, एचएंडएम और इन्हीं के जैसी अन्य गारमेंट कंपनियों को कानूनी रूप से इन परिस्थितियों को सुधारने के लिए बाध्य करती हैं। इन कंपनियों को ही पाकिस्तान, बांग्लादेश या वियतनाम में काम कर रहे अपने सप्लायर्स की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में कूलिंग का पर्याप्त इंतजाम करना होगा। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के ग्लोबल लेबर इंस्टीट्यूट ने पाया है कि ढाका, हनोई, हो चि मिन्ह सिटी और कराची जैसे शहरों में 'वेट बल्ब' के दिनों में 42 फीसदी का उछाल आया है। वेट बल्ब तापमान मापने का एक तरीका है जिसमें 30.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान नोट किया जाता है। इसी पैमाने के मुताबिक जिस दिन तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा होता है उसे वेट बल्ब डे कहा जाता है और ऐसे दिनों में 2005-2009 के मुकाबले 2020-24 में 42 फीसदी का उछाल आया।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी को मिला बड़ा प्रोजेक्ट, शेयर 5.28 फीसदी उछले

-कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 27 नवम्बर को हुआ था लिस्ट

नई दिल्ली।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के लिस्ट शेयर बुधवार को हाई डिमांड पर रहे और एनएसई पर कंपनी के 1.28 करोड़ शेयरों में कारोबार हुआ। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का शेयर प्राइस बुधवार को एनएसई पर 5.28 फीसदी चढ़कर 154.40 रुपए पर पहुंच गया। स्टॉक में यह तेजी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की एक सब्सिडियरी कंपनी को 500 मेगावाट के सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट मिलने के चलते आई है। एनटीपीसी ग्रीन ने कहा था कि सब्सिडयरी कंपनी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने 3.52 रुपए प्रति किलोवाट के टैरिफ पर 500 मेगावाट की सोलर एनर्जी क्षमता हासिल की है। इसमें कॉन्ट्रैक्ट पर सोलर क्षमता के साथ 250 मेगावाट 1000 मेगावाट के एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (ईएसएस) को स्थापित करना शामिल है। बता दें कि एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 27 नवम्बर 2024 को लिस्ट हुआ था। तब से अब तक स्टॉक अपने इश्यू प्राइस 108 रुपए की तुलना में 42.8 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी नॉन-हाइड्रो रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र की पब्लिक सेक्टर फर्म 'महारत्न' एनटीपीसी की पूरी तरह से मालिकाना हक वाली सहायक कंपनी है। 30 सितंबर, 2024 तक कंपनी की ऑपरेशनल कैपेसिटी 3,320 मेगावाट थी।

इसमें छह राज्यों में फैली 3,220 मेगावाट की सोलर परियोजनाएं और 100 मेगावाट के विंड प्रोजेक्ट शामिल हैं। कंपनी का कुल मार्केट कैप 1.26 लाख करोड़ है। सुबह 10:40 बजे एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के शेयर 1.62 फीसदी या 2.37 रुपए चढ़कर 149.02 रुपए प्रति शेयर के भाव पर ट्रेड कर रहे थे। वहीं, एनएसई का निफ्टी-50 इस दौरान 0.27 फीसदी या 65.40 अंक चढ़कर 24,675.45 पर कारोबार कर रहा था।

खरीदना हैं टाटा की कार.....जल्द खरीद लो यार, जनवरी से होगी महंगी

मुंबई ।

देश की दिग्गज ऑटोमोबाइल्स कंपनी टाटा मोटर्स की कारें खरीदना अगले साल से महंगा होगा। कंपनी ने बताया कि जनवरी 2025 से वह अपने पैसेंजर्स व्हीकल्स की कीमतों में 3 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। इसके पहले मारुति सुजुकी, ह्युंदै सहित कई कंपनियां दाम बढ़ाने का ऐलान कर चुकी हैं। टाटा मोटर्स ने कहा कि कच्चे माल की लागत और महंगाई दर बढ़ोतरी के असर को कुछ कम करने के लिए वह व्हीकल्स की कीमतों में बढ़ोतरी करने वाली है। जनवरी, 2025 से प्रभावी होने वाली बढ़ोतरी मॉडल और उनके वेरिएंट्स के आधार पर अलग-अलग होगी। टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल्स फ्लीट में टियागो, टिगोर, पंच, नेक्सान, कर्व, हैरियर, सफारी सहित अन्य मॉडल की व्यापक रेंज है। इसके पहले मारुति सुजुकी, हुंदै, महिंद्रा एंड महिंद्रा और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर सहित कई ऑटो मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां भी अगले महीने से अपने गाड़ियों की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा कर चुकी हैं। वहीं, लक्जरी ऑटो मैन्युफैक्चरर मर्सिडीज-बेंज इंडिया, ऑडी और बीएमडब्ल्यू ने भी लागत और ऑपरेटिंग खर्च में बढ़ोतरी का हवाला देकर जनवरी से कीमतें बढ़ाने की घोषणा की है। किआ इंडिया ने जनवरी से अपने सभी वाहनों की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की।

लेटर भेजकर महाबोधि मंदिर को उड़ाने की धमकी

झारखंड के गैंगस्टर प्रिंस खान के नाम से भेजा लेटर; कुख्यात के घर धनबाद पहुंची गया पुलिस

गया। के महाबोधि मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। यह धमकी मंदिर समिति को पत्र भेजकर दी गई है। धमकी मिलते ही मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस की जांच में पता चला है कि धमकी भरा लेटर झारखंड के गैंगस्टर प्रिंस खान के नाम पर भेजा गया है। प्रिंस पर झारखंड सरकार ने 30 लाख का इनाम रखा है। उसके खिलाफ रेड और ब्लू कॉर्नर नोटिस भी जारी है, लेकिन वह अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर है। अब तक की जांच में उसका मोबाइल लोकेशन दुबई में मिला है। इधर धमकी मिलने के बाद गया पुलिस मंगलवार को धनबाद के वासेपुर

स्थित गैंगस्टर के घर भी पहुंची, लेकिन वहां प्रिंस खान नहीं मिला। धनबाद पुलिस ने पहले ही प्रिंस का पासपोर्ट रद्द करवा चुकी है। उसके खिलाफ प्रिंस खान साल 2021 में जमीन कारोबारी नन्हे खान की हत्या के बाद से फरार है। जांच एजेंसियां हर पहलू पर कर रही जांच धमकी मिलने के बाद महाबोधि मंदिर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जांच एजेंसियां हर पहलू पर काम कर रही हैं। बुधवार को गया के सिटी एसपी प्रेरणा कुमार ने कहा कि 'लेटर भेजकर धमकी दी गई है, जिसकी सत्यता की जांच की जा रही है। अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। मामले में गोपनीयता बरती जा रही है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि धमकी असली है या किसी ने प्रिंस खान का नाम इस्तेमाल कर साजिश रची है।' 7 जुलाई, 2013 को आतंकवादियों ने महाबोधि मंदिर और बोधगया के आसपास के तीर्थस्थलों पर विस्फोट किए थे। 30 मिनट में 9 विस्फोट किए गए थे। इस हमले में दो भिक्षु सहित 5 लोग घायल हुए थे। 19 जनवरी 2019 में भी हुई थी कोशिश बोधगया को दोबारा दहलाने की साजिश 19 जनवरी 2019 को की गई थी। आतंकियों ने महाबोधि मंदिर परिसर के आसपास तीन जगहों पर विस्फोटक रखे थे। उस समय दलाई लामा बोधगया में ही प्रवास पर थे। हालांकि, गया पुलिस ने सर्च अभियान चलाकर तीनों विस्फोटक बरामद कर किया था। इससे बड़ा हादसा होने से बच गया था।

संक्षिप्त डायरी

गेटमैन के शराब पीने मामले में अल्कोहल की पुष्टी नहीं

मोतिहारी। में रेलवे और पुलिस के बीच विवाद होने का मामला सामने आया है। दरअसल पुलिस का कहना है बनकटवा में तैनात रेलवे गेट मैन शराब के नशे में ड्यूटी कर रहा था। जबकि गेट मैन का कहना है कि पुलिस गुमटी खोलवाने के लिए दबाव बना रही थी। ऐसा नहीं करने पर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मालूम हो कि जितना थाना थाथानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह 28 नवंबर को गश्ती पर थे। इस दौरान गेट मैन पवन कुमार को शराब के नशे में ड्यूटी करते पकड़ा था। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया गया था। वहीं गेट मैन पवन कुमार ने एसपी से शिकायत करते हुए लिखा था कि पुलिस उस पर दबाव बना रही थी कि वे गेट को खोल दे। गेट नहीं खोलने पर झूठा केस लगा दिया। जबकि डीआरएम की ओर से कराए गए जांच में शराब पीने की पुष्टि नहीं हुई है। इसके अलावा एसपी ने बताया कि फाटक कर्मी का ब्लड सैंपल रेलवे ने एक दिन बाद लिया था। एक दिन के बाद ब्लड लेने पर रिपोर्ट में अल्कोहल की पुष्टि नहीं हो सकती है। अनुसंधान में यह रिपोर्ट मान्य नहीं होगा।

थाना अध्यक्ष सहित 60 कर्मियों का वेतन बंद

मोतिहारी। SP ने क्राइम मीटिंग में समीक्षा के बाद कार्य में लापरवाही को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। एक थाना के 60 कर्मियों का वेतन बंद कर दिया है। वही थाना के अपर थाना अध्यक्ष को निलंबित कर दिया है।एसपी स्वर्ण प्रभात ने नगर थाना के इंस्पेक्टर से लेकर सिपाही तक सभी कर्मियों का वेतन रोक दिया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा कि क्राइम मीटिंग के दौरान सभी थानों के कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान नगर थाना में सौ से अधिक वारंटी, कुर्की और इश्तहार के निष्पादन में कर्त्तव्य हीनता सामने आई। इसको लेकर अपर थाना अध्यक्ष रविराज को निलंबित कर दिया गया। वहीं नगर थाना के थाना अध्यक्ष से लेकर सिपाही तक के वेतन को बंद करने का आदेश दिया गया है।

भाजपा नेता की पत्नी ने की दूसरी शादी, फोटो वायरल

किशनगंज। में भाजपा नेता राकेश कुमार गुप्ता (30) ने अपनी पत्नी पर 5 लाख रुपए लेकर फरार होने का आरोप लगाया है। पत्नी की दूसरी शादी की तस्वीर भी सामने आई है। इसको लेकर राकेश ने अपहरण का मामला दर्ज कराया गया है। मामला किशनगंज सदर थाना क्षेत्र का है। राकेश गुप्ता भाजपा के क्षेत्रीय प्रभारी है। मंगलवार को राकेश कुमार गुप्ता और उनके परिजन लड़की के घर पहुंचे तो हंगामा हुआ। लड़का पक्ष के लोगों का आरोप है कि लड़की पांच लाख कैश लेकर भाग गई है। इससे पहले लड़की की मां ने कई बार में 35 लाख रुपए लिए है।वहीं, इस संबंध में लड़की के पिता धूप मोदक ने बताया कि राकेश गुप्ता से बेटी की शादी नहीं, बल्कि सगाई हुई थी। 6 दिसंबर को वे डॉक्टर से दवा लेने सिलीगुड़ी गए थे। वहां से वापस आने के बाद घर में बेटी नहीं मिली। पिता ने राकेश गुप्ता से रुपए लेने की बात से इनकार किया है।वहीं, धर्मगंज निवासी राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि गंगा बाबू चौक की रहने वाली लड़की पिंकी (25) से अरेंज मैरिज हुई थी। 29 अप्रैल 2024 को जिला न्यायालय में दोनों ने शादी की थी। इस दौरान दोनों के परिजनों भी मौजूद थें। कोर्ट में शादी के बाद पांजीपारा के मंदिर में भी हिंदू रीति रिवाज से परिजनों की उपस्थिति में दोनों की शादी हुई थी। राकेश का आरोप है कि शादी के बाद लड़की की मां ने बेटी को उनके साथ भेजने से मना कर दिया। मां का कहना था कि अभी आपका घर ठीक नहीं है। पहले घर बनवा लें, फिर लड़की को विदा करेंगे। ससुराल वालों की बात मानते हुए मैंने भी लड़की को साथ ले जाने के लिए दबाव नहीं बनाया। हालांकि, लड़की का मेरे घर आना-जाना लगा रहता था। साथ घूमने भी जाते थे। इसी बीच लड़की और उसकी मां ने तरह-तरह से मुझ पर दबाव डालना शुरू कर दिया। कभी जमीन लेने के लिए तो कभी घर की रजिस्ट्री के नाम पर मुझ से लाखों रुपए लिए। दो युवक मेरी पत्नी को लेकर गए पुलिस को दिए आवेदन राकेश गुप्ता ने बताया कि 6 दिसंबर को डॉक्टर को दिखाने के लिए वह अपने ससुर और सास के साथ पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी गए थे। इस दौरान पत्नी ने हाल-चाल जानने के लिए फोन किया था।

दानापुर अस्पताल कैंपस में लगा पोल टांसफार्मर के साथ गिरा

पटना। के दानापुर अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में लगा टांसफार्मर, पोल सहित उखड़कर गिर गया। इसके कारण बिजली सप्लाई बाधित हो गई। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि अस्पताल के चारदीवारी निर्माण को लेकर गड्ढा खोदा गया था। इसके कारण यह घटना हुई। मजदूर के साथ ठेकेदार भी फरार प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो उस समय ठेला लेकर गुजर रहा एक शख्स बाल-बाल बच गया। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि करीब 12 बजे घटना हुई। मौके पर मौजूद लोग इधर उधर देखकर भागने लगे। बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना के बाद चारदीवारी का काम रहे सभी मजदूर के साथ ही ठेकेदार फरार हो गए। अचानक हुई इस घटना के बाद दानापुर अनुमंडल अस्पताल में तीन घंटे तक बिजली बाधित रही। घटना की सूचना पाकर मौके बिजली विभाग के कनीय अभियंता अपने टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए। अनुमंडल अस्पताल की मैनेजर सीमा ने बताया कि तीन घंटे से बिजली बाधित है। फिलहाल जरनेटर से बिजली अस्पताल में बिजली आपूर्ति की जा रही है। कनीय अभियंता रवि भूषण ने बताया कि चारदीवारी निर्माण को लेकर गड्ढा खोदा गया था, जिससे हादसा हुआ है। घटना ठेकेदार की लापरवाही के कारण हुई है। गड्ढा खोदने को लेकर पहले विभाग को सूचना नहीं दी गई थी।

हमारी सरकार बनी तो कांग्रेस के दो डिप्टी सी.एम होंगे

बिहार कांग्रेस प्रभारी बोले- उसमें एक मुस्लिम होगा; तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री होंगे

पटना। 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी सभी राजनीतिक दलों ने शुरू कर दी है। महागठबंधन में शामिल कांग्रेस ने चुनाव और हार-जीत के फैसले से पहले ही बड़ी डिमांड रख दी है। बिहार कांग्रेस के प्रभारी शाहनवाज आलम ने कहा- '2025 में महागठबंधन की सरकार बनी तो कांग्रेस पार्टी से दो डिप्टी सी.एम होंगे। एक डिप्टी सी.एम मुस्लिम समाज से होगा और दूसरा डिप्टी सी.एम सामान्य वर्ग से होगा।' खगड़िया में शाहनवाज आलम ने कहा कि 'बिहार विधानसभा का चुनाव महागठबंधन तेजस्वी यादव के नेतृत्व में लड़ेगा। बहुमत मिलने के बाद तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री होंगे।'इससे पहले कांग्रेस प्रभारी ने ममता बनर्जी को नेतृत्व देने वाले लालू यादव के बयान पर कहा था-

'कांग्रेस पार्टी एक अखिल भारतीय पार्टी है। जो लोग इस तरह का दावा कर रहे हैं कि बिहार, यूपी, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का वजूद नहीं है, वह पूरी तरह से बेतुका है। अगर आप सिर्फ एक राज्य में मजबूत हैं तो उसके आधार पर आप दूसरे दल पर सवाल खड़ा नहीं कर सकते। हर किसी की महत्वाकांक्षा होती है, लेकिन उसे कंट्रोल में रखना चाहिए।'एक दिन पहले ही लालू यादव ने I.N.D.I.A गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी को सौंपने की बात कही थी। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस में खलबली मच गई थी। हालांकि, कांग्रेस की ओस रे कहा गया कि 'नेतृत्व का निर्णय I.N.D.I.A गठबंधन के सभी घटक दल मिलकर करेंगे।' वहीं खगड़िया में मीडिया से बात करते हुए बिहार कांग्रेस प्रभारी शाहनवाज आलम ने इशारों में लालू परिवार और ममता बनर्जी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, 'पिछले दिनों देश के एक बड़े पूंजीपति के घर में शादी हुई थी, तो जो-जो लोग उस शादी में गए थे, वही लोग उन पर सवाल उठा रहे हैं जो उस शादी में नहीं गए थे।
गांधी परिवार को पूरे देश के लोग स्वीकार करते हैं।'
बता दें कि मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में लालू परिवार और ममता बनर्जी ने शिरकत की थी।

बेटे की अस्थियां लेकर लौट रहा,न्याय के लिए लड़ूंगा

समस्तीपुर।'2019 में मेरे बड़े बेटे अतुल की शादी निकिता सिंघानिया से हुई थी। शादी के बाद से अतुल कभी खुश नहीं रहा। हर वक्त उसकी पत्नी उसे प्रताड़ित करती रहती थी। अतुल को लगता था कि सब एडजस्ट हो जाएगा। फिर एक साल बाद मेरा पोता हुआ, लेकिन फिर भी सब ठीक नहीं हुआ।' '2021 की शुरूआत में मेरी बहू अपने मायके चली गई। वहां जाने के बाद उसने अतुल समेत मेरे पूरे परिवार पर केस कर दिया। मेरे बेटे को लगता था कि कोर्ट से उसे न्याय जरूर मिलेगा। अभी बेंगलुरु एयरपोर्ट पर बेटे की अस्थियां गोद में लेकर बैठा हूं। अब मैं अपने बेटे के लिए लड़ूंगा और न्याय दिला कर रहूंगा।' ये बातें बेंगलुरु से समस्तीपुर लौट रहे अक इंजीनियर अतुल सुभाष के पिता पवन कुमार दैनिक भास्कर से कहीं। फोन पर बात करते हुए पिता ने रोते-रोते पूरी कहानी बताई। बेटे को खो चुके पवन कुमार ने कहा, 'उसकी शादी के बाद एक बार जो परेशानियां शुरू हुईं, वो फिर खत्म नहीं हुई। एक केस खत्म होता तो दूसरा शुरू हो जाता।'अतुल सुभाष के पिता पवन कुमार ने बताया, '26 अप्रैल 2019 को अतुल की शादी हुई। अतुल की पत्नी शादी के बाद सिर्फ एक दिन हमारे घर यानी पूसा रोड रही है। अगले ही दिन यानी 28 अप्रैल को वो अतुल के साथ बेंगलुरु चली गई।' 'इसके बाद वो कभी हम लोगों के पास नहीं आई। अतुल की पत्नी बेंगलुरु में किसी कंपनी में काम करती थी। उस वक्त अतुल महिंद्रा एंड महिंद्रा में जॉब करता था। दोनों साथ ही बेंगलुरु गए थे।' 'एक साल बाद जब पोता हुआ, तो कुछ ही दिनों के बाद बहू की मां बेंगलुरु आई और पता नहीं क्या सिखाया कि बहू बेटे को लेकर मायके लौट गई। फिर तो सब बिल्कुल ही बदल गया।' 'आप सोच कर देखिए कि पूरे परिवार पर हत्या की कोशिश का, दहेज का... हमारे यहां दहेज का कोई प्रथा नहीं चलता है। इसके बाद भी मेरी बहू ने इतनी बड़ी समस्या में हम लोगों को डाल दिया।' 'स्थिति ऐसी हो गई कि बेटे को सुसाइड करना पड़ गया। शायद ये सब अतुल ने पहले से ही प्लान कर लिया था। वो जितनी परेशानियां झेल रहा था, शायद सोचता होगा कि मां-बाप को बताने से कोई फायदा नहीं, शायद इसी लिए उसने ये कदम उठाया।' रोते-रोते पवन कुमार ने बताया, '8 दिसंबर की देर रात छोटे बेटे विकास को मेल मिलने के बाद हम लोग 9 दिसंबर की सुबह बिहार से बेंगलुरु के लिए चले। शाम को यहां पहुंच गए थे। 10 दिसंबर को क्रिया-कर्म करने के बाद आज सुबह हम लोग बिहार के लिए निकले हैं।' अतुल की पत्नी ने पूरे परिवार पर केस किया था, लिहाजा अतुल तो बेंगलुरु से बनारस और फिर जौनपुर जाता था। इधर से मैं पूसा रोड से जौनपुर जाता था। मेरी उम्र 62 साल है। मेरी पत्नी 54 साल की है। मेरा छोटा बेटा विकास दिल्ली में रहता है।पिता ने कहा, 'अतुल देखता था कि मेरे माता-पिता भी परेशान हैं। जहां से न्याय मिलना था, वहां पेशकार से लेकर जज तक रिश्वत लेने को तैयार हैं। कहते थे कि 3 लाख रुपए दीजिए, 5 लाख रुपए दीजिए, तो आपका सेटलमेंट करा दिया जाएगा। नहीं तो परेशानी आपको ही होगी।' 'जब जज की ओर से रिश्वत की मांग की गई तो मेरे बेटे अतुल ने कहा कि आप ऐसा बोल रही हैं, तो ऐसे में तो मैं आत्महत्या कर लूंगा। इतने पैसे मैं कहां से दूंगा।' 'पहले जज की ओर से भरण-पोषण के लिए 40 हजार की रकम तय की गई, बाद में इसे 80 हजार रुपए कर दिया गया। आप सोच कर देखिए, कोई इंसान ऐसे में क्या करेगा।

इंस्टाग्राम- फेसबुक पर फर्जी वीडियो पोस्ट करता है पति

मधुबनी। से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर पत्नी को ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। इसको लेकर महिला ने बुधवार को साइबर थाने में दूसरी बार शिकायत की है। इससे पहले 29 अक्टूबर 2024 को भी पीड़िता ने इस मामले को लेकर आवेदन दिया था। लेकिन, पति के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद महिला ने दूसरी बार पति के खिलाफ साइबर थाने में आवेदन दिया है। महिला का आरोप है कि पति अश्लील वीडियो बनाकर मेरे रिश्तेदारों को भेज रहा है। इससे हमारी पारिवारिक जीवन और सामाजिक छवि खराब हो रही है।पहली बार में महिला को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उसका पति ही फेक आईडी बनाकर उस पर अश्लील वीडियो अपलोड कर रहा है। इस कारण उसने अज्ञात के खिलाफ आवेदन दिया था। वहीं, 2 दिन पहले उसे पता चला कि उसका पति ये काम कर रहा है। इसके बाद बुधवार को उसने अपने पति के खिलाफ साइबर थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। पीड़ित महिला ने बताया कि 'वह पिछले 2 महीने से पुलिस थाने का चक्कर काट रही थी। लेकिन, उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। महिला का कहना है कि आरोपी लगातार अलग-अलग फेक क्क बनाकर अश्लील मैसेज और वीडियो परिजनों को भेज रहा है। पुलिस ने उसे पुपरी थाना और साइबर सेल के बीच दौड़ाया, लेकिन मामले पर ध्यान नहीं दिया।' जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा साइबर ऊढ रश्मि कुमारी ने बताया कि 'आरोपी ने कई फेक अकाउंट्स बनाकर अश्लील वीडियो पोस्ट की है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।'

अज्ञात वाहन कि ठोकर से युवक घायल, चल रहा इलाज

मोतिहारी । में के डुमरियाघाट थाना क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े युवक को अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दिया। इसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आस पास के लोगों ने उसे डुमरियाघाट हॉस्पिटल में भर्ती कराया।वहा गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। युवक की पहचान डुमरिया घाड़ थाना क्षेत्र के पकड़ी गांव निवासी 25 साल के सोनू कुमार के रूप में हुई है। घटना के संबंध में घायल सोनू के पिता ने बताया कि वह चौक पर गया था। चौक से घर आ रहा था, इस बीच अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। तभी इसकी सूचना हम लोगों को मिली। इसके बाद उसे लेकर मोतिहारी के सदर अस्पताल आए है। घटना के बाद आरोपी चालक फरार हो गया।

बिहार एन.डी.ए की डिनर पार्टी, टॉपिक रहे लालू

दिल्ली में बिहार विधानसभा चुनाव पर बनी रणनीति, पार्टी अपना सकती है महाराष्ट्र जीत का फॉर्मूला

पटना। दिल्ली में JDU के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा के आवास पर मंगलवार रात बिहार NDA के सांसदों और नेताओं की बैठक हुई। बैठक में गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। इस दौरान कई बड़े और अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। मीटिंग के दौरान 2025 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर भी चर्चा हुई। माना जा रहा है कि NDA महाराष्ट्र चुनाव में जीत का फॉर्मूला बिहार विधानसभा चुनाव में भी अपना सकती है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, NDA सांसदों की बैठक में RJD सुप्रीमो लालू प्रसाद का नीतीश कुमार पर बयान भी मुद्दा रहा। कई सांसदों ने लालू के आपत्तिजनक टिप्पणी को उनकी उम्र से जोड़ा। कहा, 'ज्यादा उम्र होने पर आदमी ठीक से तय नहीं कर पाता है कि वह बोल क्या रहा है।' वहीं, कुछ सांसदों का कहना था, 'इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है। वे ऐसी बातें बोलते रहते हैं। चूंकि यही लालू की आदत है, यही उनके संस्कार हैं।' राज्यसभा सांसद संजय झा के दिल्ली वाले आवास पर डिनर के बहाने NDA सांसदों बैठक बुलाई गई थी। इसमें दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा समेत केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा समेत बिहार से आने वाले सभी NDA सांसद भी मौजूद थे। इस दौरान अमित शाह ने सभी सांसदों से मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार, अमित शाह ने चुनाव से पहले NDA के पांचों घटक दलों को

आपस में बेहतर समन्वय बनाने की बात कही। साथ ही राज्यभर में सम्मेलन और सभाएं करने की भी सलाह दी। मकर संक्रांति के बाद NDA के पांचों घटक दल हर जिले के बूथ स्तर और पंचायत स्तर तक के कार्यकताओं के साथ बैठक करेंगे। साथ ही इस बात पर जोर दिया गया कि बैठक में NDA का कोई दल अनुपस्थित ना रहे। जानकारी के मुताबिक, शाह ने ये सलाह दी है कि बूथ स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक जो बैठके होंगी, उसमें NDA के सभी पांचों दल के प्रदेश अध्यक्ष एक साथ मौजूद रहने चाहिए। सभी प्रदेश अध्यक्ष जब एक साथ होंगे तो ना कार्यकताओं के बीच में कोई कन्फ्यूजन रहेगा और ना ही मतदाताओं के बीच में।संजय झा के आवास पर हुए NDA दलों की बैठक में जीतन राम मांझी और चिराग पासवान की मौजूदगी के बीच अहम संदेश देने की कोशिश की गई। 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान ने जिस तरह से JDU के खिलाफ अपने उम्मीदवार उतारे थे, उसमें जदयू को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। ऐसे में 2025 के विधानसभा चुनाव में किसी पार्टी के बीच कोई मतभेद न रहे और ना ही मतदाताओं के बीच कोई संशय की स्थिति हो, इसलिए यह संदेश देने की कोशिश की गई कि सभी नेता एक साथ कार्यकताओं से मिलेंगे। जीतन राम मांझी की भी नीतीश कुमार के साथ जो अनबन की स्थिति रही है, उसे भी खत्म करने के लिए इस रणनीति पर काम किया जा रहा है।

उत्तराखंड की वह जगह जहाँ लंका दहन के बाद हनुमान जी ने बुझाई थी अपनी पूँछ की आग

देवभूमि कहा जाने वाला उत्तराखंड राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, खूबसूरत नज़ारों व इतिहास को लेकर दुनियाभर में मशहूर है। उत्तराखंड में कई प्राचीन पहाड़, गंगा-यमुना सहित कई खूबसूरत जगहें हैं। माना जाता है कि इन चोटियों पर देवी-देवताओं के कई रहस्य और कहानियां छिपी हुई हैं। ऐसी ही एक रहस्यमई चोटी उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित बंदरपूंछ ग्लेशियर में भी है। आइए जानते हैं इसके बारे में-

रामायण काल है संबंध

बंदरपूंछ का शाब्दिक अर्थ है - 'बंदर की पूंछ'। यह एक ग्लेशियर है जो उत्तराखंड के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित है। यह ग्लेशियर समुद्र तल से लगभग 6316 मीटर ऊपर स्थित है। इसका ग्लेशियर का संबंध रामायण काल से माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब लंकापति रावण ने भगवान हनुमान की पूंछ पर आग लगाई थी तो उन्होंने पूरी लंका में आग लगा दी थी। इसके बाद हनुमान जी ने इस चोटी पर ही अपनी पूंछ की आग बुझाई थी। इसी कारण इसका नाम बंदरपूंछ रखा गया। यही नहीं, यमुना नदी का उद्गम स्थम यमुनोत्री हिमनद भी बंदरपूंछ चोटी का हिस्सा माना जाता है।

बंदर पूंछ में तीन चोटियां हैं - बंदरपूछ 1, बंदरपूंछ 2 और काली चोटी भी स्थित है। यमुना नदी का उद्गम बंदरपुंछ सर्किल ग्लेशियर के पश्चिमी छोर पर है। बंदरपूंछ ग्लेशियर गंगोत्री हिमालय की रेंज में पड़ने वाला है। इस ग्लेशियर पर सबसे पहली चढ़ाई मेजन जनरल हैरोल्ड विलयम्स ने साल 1950 में की थी। इस टीम में महान पर्वतारोही तेनजिंग नोर्गे, सार्जेंट रॉय ग्रीनवुड, शेरपा किन चोक शेरिंग शामिल थे।

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने का सही समय

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए सबसे अच्छा समय मार्च से लेकर अक्तूबर का महीना माना गया है। वहीं, अगर आप यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो मई और जून का महीना बेस्ट रहेगा।

उठा सकते हैं ट्रैकिंग का लुत्फ

सैलानी यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ भी उठाते हैं। इस दौरान आप ट्रैकिंग के रास्ते पर बसंत ऋतु के कई फूल देख सकते हैं। इसके अलावा आपको कई जानवरों की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिल सकती है। बता दें कि बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए आपको देहरादून जाना पड़ेगा। वहां से आप उत्तरकाशी के लिए गाड़ी लेकर ग्लेशियर पहुँच सकते हैं।

लेह-लद्दाख अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खूबसूरती के लिए देश ही नहीं दुनियाभर में प्रसिद्ध है। लद्दाख को भारत का मुकुट कहा जाता है। लद्दाख में बहुत से पर्यटक स्थल हैं। आज हम आपको लद्दाख में स्थित नुब्रा घाटी के बारे में बताने जा रहे हैं। नुब्रा घाटी लद्दाख की ऊंची और खूबसूरत पहाड़ियों के बीच बसी है। देश ही नहीं दुनियाभर से लोग इस घाटी में घूमने आते हैं। आइए जानते हैं नुब्रा घाटी के बारे में-

जंगली गुलाबों से सजी है लद्दाख की यह घाटी

खूब लुत्फ उठाते हैं देश-विदेश के पर्यटक

लद्दाख के बाग के नाम से मशहूर है नुब्रा घाटी

नुब्रा घाटी लेह से 150 किमी की दूरी पर बसी एक आकर्षक और खूबसूरत घाटी है। नुब्रा का मतलब होता है - फूलों की घाटी। यह घाटी गुलाबी और पीले जंगली गुलाबों से सजी है। इसकी सुंदरता की वजह से नुब्रा घाटी को 'लद्दाख के बाग' के नाम से भी जाना जाता है। इस घाटी का इतिहास सातवीं शताब्दी ई। पूर्व पुराना है। इतिहासकारों के मुताबिक इस घाटी में चीनी और मंगोलिया ने आक्रमण किया था। नुब्रा घाटी श्योक और नुब्रा नामक दो नदियों के बीच में बसी है। यहां आकर आप एक अलग तरह की संस्कृति का अनुभव करेंगे। इस घाटी की रेत और आकर्षक पहाड़ियां यहाँ आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। सर्दियों में नुब्रा घाटी का मौसम काफी ठंडा रहता है इसलिए सर्दियों में यहाँ जाना थोड़ा मुश्किल होता है। यहाँ जाने के लिए सबसे सही समय मई से सितंबर तक रहता है।

नुब्रा घाटी का सफर

अगर आप नुब्रा घाटी जाना चाहते हैं तो आपको सड़क मार्ग से होकर जाना होगा। नुब्रा घाटी पहुंचने के लिए सबसे पहले आपको राष्ट्रीय मार्ग से खर्दुंग ला तक का सफर करना होगा, यह दुनिया का सबसे ऊँचा दर्रा है।। उसके बाद खर्दुंग गांव से होते हुए श्योक घाटी तक पहुँच सकते हैं। श्योक घाटी में बने घर और चारगाह पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। नुब्रा घाटी जाने से पहले यात्रियों को दो दिन के लिए लेह में रुकने की सलाह दी जाती है। एक बार जब यात्री यहां के वातावरण में ढल जाते हैं, तब नुब्रा घाटी के लिए आगे की यात्रा शुरू कर सकते हैं। नुब्रा घाटी तक की यात्रा में आपको ऐसी खूबसूरत सड़के मिलेंगी जो आपका दिल जीत लेंगी। नुब्रा घाटी के करीब पहुंचने पर रेत के टीलों के साथ सुनसान सड़क यहाँ आने वाले पर्यटकों का स्वागत करती हैं।

नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र 'डिस्किट'

डिस्किट को नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र कहा जाता है। यह गाँव बहुत ही सुंदर है। अगर आपको शांत वातावरण पसंद हैं तो आप डिस्किट से दस किलोमीटर दूर पश्चिम में हंडर की यात्रा कर सकते हैं। यहाँ के मैदानी इलाकों में आपको शांति और सुकून का अनुभव होगा। यहां आपको दो कूबड़ वाले ऊंट देखने को मिल सकते हैं। डिस्किट और हंडर में रुकने के लिए बहुत सारे होटल, होम स्टे, रिसॉर्ट और टेंट उपलब्ध हैं।

नुब्रा घाटी कैसे पहुंचे

जहाँ पहले परिवाहन की सुविधा ना होने के कारण लेह-लद्दाख जाना कठिन था, वहीं अब कुशोक बकुला रिम्पोछे एयरपोर्ट की वजह से दुनिया के किसी भी हिस्से से लेह जाना बेहद आसान हो गया है। आप दिल्ली से लेह के लिए फ्लाइट ले सकते हैं। इसके बाद आप मनाली और स्पीती के रास्ते निजी वाहन या बस से नुब्रा घाटी पहुँच सकते हैं।

पुणे में घूमने के लिए हैं कई बेहतरीन जगहें, आप भी जाएं जरूर

महाराष्ट्र का सांस्कृतिक केंद्र कहा जाने वाला पुणे एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर हर किसी को एक बार अवश्य जाना चाहिए। यहां पर आपको कई ऐतिहासिक स्मारक देखने को मिलेंगे तो इस क्षेत्र की आध्यात्मिक महत्ता भी कम नहीं है। अगर आप वीकेंड पर अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी से एक ब्रेक चाहते हैं तो आपको पुणे घूमकर आना चाहिए। यकीन मानिए कि यह स्थान आपको कभी भी निराश नही करेगा। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुणे में स्थित कुछ बेहतरीन प्लेसेस के बारे में बता रहे हैं-

शनिवार वाडा

जब पुणे में घूमने की जगहों की बात होती है तो उसमें शनिवार वाडा का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यह महल बाजीराव पेशवा प्रथम द्वारा बनाया गया था। महल में पांच द्वार, नौ बुर्ज, लकड़ी के खंबे और जाली का काम किया है। इस महल के साथ कई कहानियां जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण लोग इस जगह पर आते हैं और एक अद्भुत अनुभव प्राप्त करते हैं।

आगा खान पैलेस

अगर आप एक इतिहास प्रेमी हैं, तो आपको एक बार इस जगह पर अवश्य जाना चाहिए। 1892 में सुल्तान मोहम्मद शाह आगा खान III द्वारा निर्मित, यह महल भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह है। आगा खान पैलेस अकाल से पीड़ित स्थानीय लोगों के बचाव करने से लेकर महात्मा गांधी, उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी, महादेव देसाई और सरोजिनी नायडू की कैद और महादेव देसाई और कस्तूरबा गांधी की मृत्यु का एक चश्मदीद गवाह है। मुख्य महल को अब महात्मा राष्ट्रीय स्मारक में बदल दिया गया है, जहां महात्मा गांधी के जीवन को प्रदर्शित करने वाली तस्वीरें और पेंटिंग रखी गई हैं।

दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर

यह मंदिर ना केवल पुणे बल्कि महाराष्ट्र में सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। मंदिर हिंदू भगवान गणेश को समर्पित है और इसका निर्माण दगडूशेठ हलवाई द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर इतना लोकप्रिय है कि देश के साथ-साथ दुनिया भर से लोग इसे देखने आते हैं। इस मंदिर में यूं तो हमेशा ही एक अलग चहल-पहल रहती है, लेकिन गणेश महोत्सव के समय यहां का नजारा बस देखते ही बनता है।

पार्वती हिल

पार्वती हिल पुणे में घूमने की बेहतरीन जगहों में से एक है। पार्वती हिल शहर के दक्षिणी छोर पर स्थित है। पहाड़ी में शिव, गणेश, विष्णु और कार्तिकेय के चार प्रमुख मंदिर हैं। यहां के प्रमुख मंदिर को पार्वती मंदिर कहा जाता है, जो कभी पेशवा शासकों का एक निजी मंदिर था। आगंतुकों को यहां पहुंचने के लिए 108 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। अगर आप यहां हैं तो आपको पार्वती संग्रहालय अवश्य देखना चाहिए क्योंकि इसमें प्राचीन चित्रों और पांडुलिपियों की प्रतिकृतियां हैं।

टीपू सुल्तान का किला: अवशेष सुनाते हैं बुलंदियों की गाथा

भारत के मुस्लिम स्थापत्य में कर्नाटक राज्य में बेंगलुरू में टीपू सुल्तान उर्फ बेंगलुरू का किला अपना विशेष महत्व रखता है। एक समय में यह भव्य और ऐतिहासिक किला दक्खन के मजबूत किलों में शुमार था और पूरी भव्यता के साथ मौजूद था। विडम्बना ही कह सकते हैं कि इस किले के आज कुछ अवशेष ही शेष रह गए हैं। अवशेष भी किले की भव्यता को बताते हैं और सैलानियों को लुभाते हैं।

यह किला लगभग एक किमी लम्बाई में बना था जो दिल्ली गेट से वर्तमान केआईएमएस परिसर तक फैला हुआ था। सुरक्षा की दृष्टि से किला पानी की चौड़ी खाइयों से घिरा हुआ था। किले की प्राचीर में 26 बुर्जों की कमान थी जी चारों तरफ से महल की रक्षा करते थे। किला असामान्य अंडाकार आकार में था और किले को तोड़ने और कब्जा करने के प्रयास में लॉर्ड कॉर्नवालिस और उनकी सेना द्वारा की गई क्षति के दृश्य चिह्नों के साथ मोटी दीवारों द्वारा संरक्षित किया गया है।

किले की विशिष्ट विशेषताओं में से एक तीन विशाल लोहे के घुंडी वाला एक लंबा द्वार है। दीवारों पर कमल, मोर, हाथियों, पक्षियों और अन्य विस्तृत रूपांकनों की नक्काशी दर्शनीय है। मोटी लैटराइट दीवारें सभी को लुभाती हैं। टीपू के किले को पालक्काड फोर्ट भी कहा जाता है। किला कभी एक महत्वपूर्ण सैन्य छावनी हुआ करता था। आज यह किला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है। यह स्थल पालक्काड आने वाले सभी पर्यटकों का एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है।

समर पैलेस

अल्बर्ट विक्टर रोड और कृष्णा राजेंद्र के केंद्र में स्थित किले के मध्य बना 'समर पैलेस' इंडो-इस्लामिक वास्तुकला का सुंदर नमूना है। इसे मैसूर के सुल्तान हैदर अली ने बनवाना शुरू किया और टीपू सुल्तान ने उसको 1791 में पूरा करवाया। महल के भव्य मेहराब और कोष्ठक इस्लामी प्रभाव को दर्शाते हैं, जबकि स्तंभों के चारों ओर स्थित कोष्ठक प्रकृति में भारतीय हैं। दुमंजिली इमारत की पहली मंजिल पर चार कोनों पर स्थित 4 शाही कमरे, एक बड़ा हॉल, कक्ष और दो बालकनी हैं जहाँ से सुल्तान अधिकारियों को संबोधित करते थे और अपना राज दरबार आयोजित करते थे।

महल एक मजबूत पत्थर के चबूतरे पर बना है और इसमें उत्कृष्ट नक्काशीदार लकड़ी के खंभे हैं जो पत्थर के आधार पर टिके हुए हैं। यह पेलेस गहरे भूरे रंग में सागौन की लकड़ी से बना खूबसूरत रचना है। इस्लामी कला महल के आंतरिक भाग में 'आनंद का निवास' शिलालेखों के साथ सजा है। आंतरिक भाग में लोग टीपू सुल्तान से जुड़े इतिहास के बारे में जानकारी दी गई है। दीवारों पर पेंटिंग और भित्ति चित्र सुल्तान की बहादुरी और शख्सियतों की कहानियों का वर्णन करते हैं। प्रत्येक छोर पर महल के रंगीन अंदरूनी और दीवारों को देख सकते हैं। ये कभी रत्नों से आच्छादित थे जिन्हें बाद में हटा दिया गया। यहां सुल्तान द्वारा उपयोग किए जाने वाले हथियारों, रॉकेट तकनीक की पूर्णता और उनके कुछ अन्य उपकरणों की एक झलक देखने को मिलती है। उनके टाइगर सिंहासन के चित्र दीवारों पर सुशोभित हैं। भव्य महल का उपयोग राजा द्वारा गर्मियों में किया जाता था और इसे 'एबोड ऑफ हैपीनेस' और 'रैश ए जन्नत' अर्थात 'स्वर्ग की ईर्ष्या' के रूप में जाना जाता है।

संग्रहालय

किले के एक हिस्से में संग्रहालय बना दिया गया है जिसमें पशु-पक्षियों के माडल, मुद्राएं, अस्त्र-शस्त्र, पोशाक, पुराने बर्तन आदि को प्रदर्शित किया गया है। वर्तमान में वर्तमान में दिल्ली गेट और दो गढ़ों के अवशेष और टीपू सुल्तान का समर पेलेस ही शेष रह गए हैं।

स्वर्णिम पृष्टभूमि

ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार किले को शुरुआत में 1537 ई. में विजयनगर साम्राज्य के प्रमुख और बेंगलुरू के संस्थापक केम्पे गौड़ा द्वारा मिट्टी के किले के रूप में बनाया गया था। गौड़ा का एक ऐसा शहर बनाने का सपना था जो हम्पी जैसा सुंदर हो और एक किला, मंदिरों, तालाबों या जल जलाशयों और एक छावनी के साथ एक राजधानी शहर हो। इसलिए गौड़ा ने एक आकर्षक किला बनाया और इसे मिट्टी से मजबूत किया। मुगलों ने 1687 ई. में बैंगलुरू शहर पर कब्जा कर लिया और इसे 1689 ई. में मैसूर के तत्कालीन राजा चिक्का देवराज वोडेयार को पट्टे पर दे दिया, जिन्होंने मौजूदा किले का और विस्तार किया। लगभग 100 साल बाद महान योद्धा टीपू सुल्तान के पिता हैदर अली द्वारा 1781 ई. में किले को पुनर्निर्मित और मजबूत किया गया और टीपू सुल्तान द्वारा पूर्ण किया गया। वर्ष 1791 ई.लॉर्ड कॉर्नवालिस के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा किले पर हमला किया गया था, जिसमें लगभग 2,000 लोग मारे गए थे। खूनी लड़ाई के बाद, ब्रिटिश सेना ने महल पर कब्जा कर लिया। अंग्रेजों का किले पर कब्जा होने के बाद उन्होंने ने इसे तोड़ना शुरू कर दिया, यह प्रक्रिया 1930 के दशक तक जारी रही। प्राचीर और दीवारों को तोड कर सड़कों के लिए रास्ता बनाया, जबकि शस्त्रागार, बैरक और अन्य पुराने भवनों को तोड कर कॉलेजों, स्कूलों, बस स्टैंडों और अस्पतालों के लिए रास्ता बनाया। नवंबर 2012 में मेट्रो निर्माण स्थल पर श्रमिकों ने टीपू सुल्तान के समय की तोपों के साथ एक-एक टन वजन वाली 2 विशाल लोहे की तोपों का पता लगाया।

पर्यटक आते हैं यहां

महल के आस-पास के बगीचों में आराम कर सकते हैं। लोग यहां शांति और सुकून से टहलने और जॉगिंग करने आते हैं। किला देखने के लिए निर्धारत शुल्क लगता है तथा किले के इतिहास और घटनाओं को जानने के लिए गाइड सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह पर्यटकों के लिए प्रतिदिन सुबह 8:30 से शाम 5:30 तक खुला रहता है। पर्यटक बड़ी संख्या में इसे देखने आते हैं। बेंगलुरू देश के सभी बड़े शहरों से हवाई एवं रेल सेवाओं से जुड़ा है। कर्नाटक राज्य के सभी स्थलों से बस सेवाएं उपलब्ध हैं।

स्मृति मंधाना के शतक के बावजूद हारा भारत, ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज 3-0 से जीती

पर्थ (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के शतक के बावजूद भारत को तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 83 रन की हार के साथ 0-3 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। अरुंधति रेड्डी (26 रन पर 4 विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी से भारत ने वाका पर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 78 रन कर दिया था लेकिन अनाबेल सदरलैंड (95 गेंद में 110 रन, 9 चौके, 4 छक्के) के शतक से मेजबान टीम छह विकेट पर 298 रन का बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। सदरलैंड ने एशलेग गार्डनर (50) के साथ 5वें विकेट के लिए 96 और कप्तान तहलिया मैकग्रा (56) के साथ छठे विकेट के लिए 122 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

जवाब में भारतीय टीम मंधाना की 109 गेंद में 14 चौकों और एक छक्के से 105 रन की पारी के बावजूद 45.1 ओवर में 215 रन पर सिमट गई। जब तक स्मृति क्रीज पर थी तब तक भारत की जीत की उम्मीद बंधी हुई थी लेकिन उनके आउट होने के साथ मेहमान टीम की सांत्वना जीत दर्ज करने की उम्मीद भी टूट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ऑफ स्पिनर एशलेग ने 30 रन देकर पांच विकेट चटकाए। लेग स्पिनर एलेना किंग ने भी 27 रन देकर दो विकेट हासिल किए। मंधाना को दूसरे छोर पर अन्य बल्लेबाजों से समर्थन नहीं मिला। एलेना ने हरलीन देओल (64 गेंद में 39 रन) को अपनी ही गेंद पर लपककर मंधाना के साथ उनकी दूसरे विकेट की 118 रन की साझेदारी का अंत किया जिसके बाद टीम ने लगातार विकेट गंवाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने पांचवें ओवर में ही रिचा घोष (02) का विकेट गंवा दिया जिन्हें मेगान शूट ने बोल्ड किया। टीम को कप्तान हरमनप्रीत कौर (22 गेंद में 12 रन) और जेमिमा रोड्रिग्ज (11 गेंद में 16 रन) से काफी उम्मीदें थी लेकिन इन दोनों ने निराश किया। सीनियर बल्लेबाज दीप्ति शर्मा भी खाता खोलने में नाकाम रहीं। इससे पहले भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद फोएबे लिचफील्ड (25) और जॉर्जिया वोल (26) ने पहले विकेट के लिए 10.1 ओवर में 58 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। अपना पांचवां एकदिवसीय खेल रही अरुंधति ने हालांकि 11वें ओवर में चार गेंद के भीतर दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट करके ऑस्ट्रेलिया को दोहरा झटका दिया।

अरुंधति ने अंदर की ओर स्विंग होती गेंद पर पिछली मैच की शतकवीर वोल को बोल्ड किया जबकि बाएं हाथ की बल्लेबाज लिचफील्ड को बाहर की ओर स्विंग होती गेंद पर विकेटकीपर रिचा घोष के हाथों कैच कराया। अरुंधति ने इसके बाद ऑलराउंडर एलिस पैरी (04) को बोल्ड किया और फिर बेथ मूनी (10) को रिचा के हाथों कैच कराया जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर बिना विकेट के 58 रन से चार विकेट पर 78 रन हो गया। सदरलैंड और एशलेग ने इसके बाद पारी को संभाला।

सदरलैंड ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने स्पिनरों को निशाने पर रखा और 40वें ओवर में दीप्ति शर्मा पर दो चौके और एक छक्का मारा। दीप्ति ने 34वें ओवर में एशलेग को मीनू मनि के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। एशलेग ने 64 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके मारे। सदरलैंड को इसके बाद कप्तान तहलिया के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिली और दोनों ने तेजी से रन जुटाए तथा टीम का स्कोर 300 रन के करीब पहुंचाया। सदरलैंड ने पारी के अंतिम ओवर में दीप्ति पर मिड विकेट के ऊपर से छक्का जड़कर शतक पूरा किया लेकिन इसके बाद रन आउट हो गईं।

इस्राइल के याहिल बने वाले एललोब्रेगाट ओपन 2024 के विजेता, भारत की तेजस्विनी को डब्ल्यूजीएम नार्म

स्पोर्ट्स डेस्क। स्पेन के सबसे मजबूत टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम रखने वाले एललोब्रेगाट ओपन शतरंज 2024 का खिताब इज़राइल के ग्रांड मास्टर याहिल सोकोलोव्स्की नें अपने नाम कर लिया है, यहिल नें पहले बोर्ड पर अंतिम राउंड में हमवतन इंटरनेशनल मास्टर ओर ब्रोंस्टेन से अपनी बाजी ड्रॉ करते हुए 7.5 अंक बना लिए थे और ऐसे में दूसरे बोर्ड पर खेल रहे टॉप सीड चिली के ग्रांड मास्टर क्रिस्टोबल हेनरिक विजाग्रा के पास मौका था की वह फीडे के ग्रांड मास्टर सव्वा वेतोखिन को पराजित कर पहले स्थान के लिए टाई कर सके पर इस बराबर चल रहे मुक़ाबले में ज्यादा प्रयास करना उन्हे भारी पड़ा और वह बाजी हार गए और ऐसे में 7 अंको के साथ सव्वा वेतोखिन दूसरे स्थान पर पहुँच गए।

टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार क्रिस्टोबल को बेहतर टाईब्रेक में 6.5 अंको पर तीसरे स्थान के लिए इज़राइल के ग्रांड मास्टर इदों गोशतिन से दो ब्लिट्ज़ मुक़ाबले खेले जिसमें उन्होने दोनों मुक़ाबले जीतकर 2-0 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

भारतीय महिला खिलाड़ी तेजस्वनी जी नें टूर्नामेंट में 5.5 अंक बनाते हुए 38वां स्थान हासिल किया, बड़ी बात है की इसटूर्नामेंट में उनकी वरीयता 82 थी और उन्होने 2375 रेटिंग का प्रदर्शन करते हुए अपनी लाइव रेटिंग को 2300 के करीब पहुंचाते हुए अपना दूसरा महिला ग्रांड मास्टर नार्म हासिल कर लिया है और इसके साथ ही अब उन्हे महिला ग्रांड मास्टर बनने के लिए करीब 53 रेटिंग अंक और अंतिम नार्म की जरुरत है।

रोहित आने वाले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे: परांजपे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता जतिन परांजपे के अनुसार सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा भले ही दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में विफल रहे हों पर वह बचे हुए तीन मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। रोहित दिन-रात के दूसरे टेस्ट में मध्यक्रम में उतरे थे और दोनो ही पारियों में मिलाकर भी दो अंकों तक नहीं पहुंच पये। इससे पहले न्यूजीलैंड सीरीज में भी वह असफल रहे थे। इससे उनके पिछले 6 टेस्ट की औसत घटकर 11.83 हो गई है। रोहित को अपने गेंदबाजों का सभी तरीके से उपयोग नहीं करने के कारण भी आलोचना का सामना करना पड़ा था।

परांजपे ने कहा कि पिछली कुछ टेस्ट पारियों में उनका प्रदर्शन बहुत खराब रहा है पर मुझे लगता है कि फॉर्म अस्थायी है और क्लास स्थायी है। मुझे रोहित के अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर भरोसा है क्योंकि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि वह मुंबई के खिलाड़ी हैं। जब चीजें कठिन होती हैं तो वे आपके खिलाफ जीत हासिल करने के लिए जाने जाते हैं। मुझे लगा कि एडिलेड में इस टेस्ट मैच में वह थोड़ा खराब थे पर मुझे भरोसा है कि वह वापसी करेंगे। उनकी बल्लेबाजी में कुछ भी गलत नहीं है, बस उन्हें मैदान पर एक या दो घंटे टिककर खेलने की जरूरत है।

परांजपे ने कहा, रोहित को 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में सलामी बल्लेबाज के रूप में वापसी करनी चाहिए। सलामी बल्लेबाज के स्थान पर वापस आना उनके लिए एक आरामदायक क्षेत्र है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि वह यशस्वी जायसवाल के साथ शीर्ष स्थान पर वापस आएंगे। वहीं केएल राहुल को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेज जाएगा। मैंने यह भी सोचा कि पहले कुछ दिनों में वह अपनी कप्तानी में थोड़ा कमजोर थे और मुझे भरोसा है कि वह आने वाले तीन मैचों में अपनी पुराने अंदाज में दिखेंगे। वहीं परांजपे ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की कप्तानी की प्रशंसा करते हुए कहा कि पिछले 3 से 4 साल में वह विश्व क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ कप्तान के तौर पर उभरे हैं। एडीलेड में उन्होंने दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर बेहतरीन गेंदबाजी की थी।

लिंडे का ऑलराउंड प्रदर्शन और मिलर की आतिशी पारी, दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को हराया

डरबन(एजेंसी)। जॉर्ज लिंडे (48 रन और चार विकेट) के हरफनमौल प्रदर्शन और डेविड मिलर (82) रनों की आतिशी पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने पहले टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 11 रनों से शिकस्त दी। जॉर्ज लिंडे को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

दक्षिण अफ्रीका के 183 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने बाबर आजम (शून्य) का विकेट तीसरे ही ओवर में गवां दिया। इसके बाद सईम अयूब ने कप्तान मोहम्मद रिजवान के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में ऐंडिले सिमेलाने ने सईम अयूब (31) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 10वें ओवर मे लिंडे ने उस्मान खान (नौ) को आउट किया।

तय्यब ताहिर (18), शाहीन शाह अफरीदी (9), इरफान खान (एक) और अब्बास अफरीदी (0) पर आउट हुए। हालांकि कप्तान मोहम्मद रिजवान एक छोर थामे खड़े रहे। 20वें ओवर में वेना मफाका ने मोहम्मद रिजवान को आउट कर पाकिस्तान के मैच जीतने की उम्मीदों को ध्वस्त कर दिया। रिजवान ने 62 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (74) रनों की पारी खेली। हारिस रउफ (दो) और सुफियान मकीम (पांच) रन बनाकर नाबाद रहे।

वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे पाकिस्तान की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 172 रन ही बना सकी और 11 रनों से मैच हार गई। वेस्टइंडीज की ओर से जॉर्ज लिंडे ने 21 रन देकर चार विकेट लिए। वेना मफाका को दो विकेट मिले। ऑटनील बाटमैन और ऐंडिले सिमेलाने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए डेविड मिलर (82) और जॉर्ज लिंडे (48) रनों की शानदार पारियों के दम पर निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 183रन का स्कोर खड़ा किया।

कप्तान हाइनरिक क्लासन (12) और वेना मफाका (नाबाद (12) रनों का योगदान दिया। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी और अबरार अहमद ने तीन-तीन विकेट झटके। अब्बास अफरीदी को दो विकेट मिले। सुफियान मकीम ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

रुट के पसंदीदा खिलाड़ी हैं हैरी ब्रूक

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट अभी विश्व के चार सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं और उनकी गिनती, विराट कोहली, केन विलियमसन और स्टीव स्मिथ जैसे बल्लेबाजों के साथ होती है। वहीं रूट के पसंदीदा खिलाड़ियों में विराट विलियमम्स और स्मिथ नही बल्कि एक नया बल्लेबाज हैरी ब्रूक है। ब्रूक ने हाल हीम में न्यूजीलैंड के खिलाफ शतकीय पारी खेली। इस पारी के बाद ही रूट उनके प्रशंसक हो गये। इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि ब्रूक का बल्लेबाजी करने का स्टाइल ही उन्हें सबसे अलग और श्रेष्ठ बनाता है। रूट ने कहा कि, अगर आप मुझसे पूछें तो ब्रूक इस समय दुनिया के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनका खेल हर तरह से जबरदस्त है। वह दबाव को अच्छी तरह से झेल सकते हैं। विपक्षी टीम पर दबाव डाल भी सकते हैं। वह गेंदबाज के सिर के ऊपर से छक्का भी जड़ सकते हैं साथ ही वह स्पिन और सीम दोनों पर जमकर प्रहार कर सकते हैं। इसलिए उन्हें गेंदबाजी करना सबसे कठिन है। ब्रूक न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के शुरुआती दो मैचों में इंग्लैंड की जीत के हीरो रहे। उन्होंने दो टेस्ट मैचों में 171,123 और 55 रन की अर्धशतकीय पारी खेली है। ब्रूक ने अभी तक अपने करियर में 23 टेस्ट मैच खेले हैं और 61.62 की शानदार औसत से 2280 रन बनाए हैं।

दबाव सिर्फ उस्मान ख्वाजा पर नहीं, बल्कि पूरे शीर्ष क्रम पर है : डेविड वॉर्नर

नई दिल्ली। पूर्व बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा है कि मौजूदा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के लिए रन बनाने की जिम्मेदारी केवल सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा पर नहीं है, बल्कि पूरे शीर्ष छह पर है जिन्हें टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण पर काम का बोझ कम करने के लिए बड़ा प्रदर्शन करने की जरूरत है। ख्वाजा ने सीरीज की शुरुआत खराब की है, पहले दो टेस्ट में सिर्फ 34 रन ही बना पाए हैं। शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में उनकी असमर्थता लंबे समय से चल रही है, ऑस्ट्रेलिया के लिए अपनी पिछली 16 पारियों में उन्होंने सिर्फ एक अर्धशतक बनाया है। हालांकि ख्वाजा अकेले नहीं हैं जो इस परेशानी से जूझ रहे हैं। स्टीव स्मिथ ने तीन पारियों में सिर्फ 19 रन बनाए हैं जबकि मार्नस लाबुशेन ने एडिलेड में 64 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत की है। वार्नर ने कहा, 'मुझे लगता है कि दबाव सिर्फ 'उज्जी' पर नहीं, बल्कि पूरे शीर्ष क्रम पर है। ट्रैविस ने शानदार शतक बनाया और हम जानते हैं कि वह ऐसा करने में सक्षम है। लेकिन हर कोई इसका समर्थन कर रहा है। यह सिर्फ एक खिलाड़ी की बात नहीं है, बल्कि शीर्ष छह खिलाड़ियों ने बहुत ज्यादा रन बनाए और सुनिश्चित किया कि तेज गेंदबाज़ों को आराम दिया जाए। पहला मैच तेज गति वाला टेस्ट था, लेकिन इस आखिरी मैच में मिचेल स्टार्क हमेशा की तरह गुलाबी गेंद से अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर थे।' वार्नर ने नाथन मैकस्वीनी का भी समर्थन किया, जिन्होंने भारत के गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ चुनौतीपूर्ण शुरुआत की है। एडिलेड में पहली पारी में केवल 39 रन बनाने के बावजूद वार्नर ने मैकस्वीनी के स्वभाव और तकनीक की प्रशंसा की।

चैंपियंस ट्रॉफी से हटने पर पाकिस्तान को होगा भारी नुकसान

मस्कट (एजेंसी)। कराची = पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अगर चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन को लेकर चल रहे गतिरोध के कारण अगले साल फरवरी मार्च में होने वाली इस 50 ओवर की प्रतियोगिता से हटने का फैसला करता है तो उसको राजस्व के भारी नुकसान के अलावा मुकदमों का भी सामना कर पड़ सकता है और वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अलग-थलग भी पड़ सकता है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रतियोगिताओं के आयोजन से जुड़े एक वरिष्ठ क्रिकेट प्रशासक ने बुधवार को पीटीआई को बताया कि अगर आईसीसी और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) हाइब्रिड मॉडल को पूरी तरह से स्वीकार करने से इनकार करते हैं तो पीसीबी के लिए टूर्नामेंट से हटने का फैसला करना आसान नहीं होगा।

इस अधिकारी ने कहा, 'पाकिस्तान ने न केवल आईसीसी के साथ मेजबानी से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, बल्कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य सभी देशों की तरह उसने आईसीसी के साथ सदस्यों की अनिवार्य भागीदारी से संबंधित समझौते (एमपीए) पर भी हस्ताक्षर किए हैं। आईसीसी की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए एमपीए पर हस्ताक्षर करने के बाद ही कोई सदस्य देश आईसीसी प्रतियोगिताओं से होने वाली कमाई का हिस्सा पाने का हकदार होता है।'

अधिकारी में कहा, 'सबसे महत्वपूर्ण बात किया है कि आईसीसी ने अपनी सभी प्रतियोगिताओं के लिए प्रसारक से समझौता किया है जिसमें उसने गारंटी दी है कि चैंपियंस ट्राफी सहित आईसीसी की प्रतियोगिताओं में उसके सभी सदस्य देश भाग लेंगे।' आईसीसी पिछले सप्ताह चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल से करवाने पर सहमति हासिल करने में सफल रहा था। इसके अनुसार भारत अपने मैच दुबई में खेलेगा। इसके अलावा आईसीसी की 2027 तक होने वाली प्रतियोगिताओं में यह व्यवस्था बरकरार रहेगी। इसकी हालांकि अभी तक औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। अगर यह समझौता हो जाता है तो इसका मतलब होगा कि पाकिस्तान 2027 तक होने वाली आईसीसी प्रतियोगिताओं के लिए भारत का दौरा करने के लिए बाध्य नहीं होगा।

प्रशासक ने कहा कि अगर पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी से हटता है तो आईसीसी और यहां तक कि आईसीसी कार्यकारी बोर्ड में शामिल अन्य 16 सदस्य देश भी उसके खिलाफ मुकदमा कर सकते हैं। प्रसारक भी यह रास्ता अपना सकता है क्योंकि पाकिस्तान के बाहर हो जाने से सभी हितधारकों को नुकसान होगा। उन्होंने इसके साथ यह भी खुलासा किया कि पीसीबी को कार्यकारी बोर्ड के अन्य सदस्यों से ठोस समर्थन नहीं मिला।

स्टार शटलर पीवी सिंधु ने पीएम मोदी को दिया शादी का निमंत्रण, साथ थे होने वाले पति

नई दिल्ली। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने अपने होने वाले पति वेंकट दत्त साई के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उनके फ़प्यार, स्नेह और मार्गदर्शनफ़ के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। सिंधु 22 दिसंबर को वेंकट के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। पीएम मोदी के साथ अपनी मुलाकात पर विचार करते हुए, सिंधु पीएम मोदी की उनके साथ बैडमिंटन और वेंकट के साथ डेटा पर चर्चा करने की क्षमता से आश्चर्यचकित रह गईं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा- आपके साथ समय बिताना हमेशा बहुत खास होता है। सर। हम आपके प्यार, स्नेह और मार्गदर्शन के लिए बहुत आभारी हैं। यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि आप मेरे साथ बैडमिंटन और दत्ता के साथ डेटा पर इतनी सहजता से चर्चा कैसे कर सकते हैं। एक्स पर निर्मला सीतारमण कार्यालय द्वारा साझा किए गए एक दृश्य में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने वेंकट के साथ वित्त मंत्री से भी मुलाकात की।

क्रिकेट के साथ पढ़ाई को तवज्जो दे रहे वेंकटेश, आईपीएल में 23.75 करोड़ में बिकने के बाद कर रहे पीएचडी

स्पोर्ट्स डेस्क। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की नीलामी में 23.75 करोड़ रुपए की भारी कीमत पर खरीदे गए वेंकटेश अय्यर हमेशा की तरह जमीन क्रिकेट के साथ-साथ पढ़ाई को भी तवज्जो दे रहे हैं। कुछ वर्षों में अपने IPL वेतन को 20 लाख रुपए से बढ़कर 20 करोड़ रुपए से अधिक होते देखने के बावजूद वेंकटेश अपनी पढ़ाई का विचार नहीं छोड़ रहे हैं। दरअसल एक इंटरव्यू में कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑलराउंडर ने खुलासा किया कि वह पहले से ही MBA कर चुके हैं और अब PHD कर रहे हैं। वेंकटेश इस समय भले ही 29 साल के हैं लेकिन वह पहले से ही उस समय के बारे में सोच रहे हैं जब वह 60 साल के होंगे।

एक इंटरव्यू में वेंकटेश ने खुलासा किया कि वह मध्य प्रदेश (राज्य घरेलू टीम) टीम में आने वाले खिलाड़ी से पहला सवाल यही पूछते हैं कि क्या वह अपनी शिक्षा जारी रख रहे हैं या नहीं। उन्होंने कहा, 'मैं एक रूढ़िवादी परिवार से आता हूं, इसलिए मध्यवर्गीय माता-पिता को यह समझाना कठिन है कि मैं केवल क्रिकेट ही अपनाऊंगा। लेकिन यह दूसरा तरीका था। मैं पढ़ाई में अच्छा था। मेरे माता-पिता चाहते थे कि मैं खेल में अच्छा प्रदर्शन करूं। ठीक है, अगर कोई नया आदमी एमपी (मध्य प्रदेश) टीम में आता है, तो सबसे पहली बात मैं उससे पूछता हूं, 'पढ़ाई कर रहे हो कि नहीं?' (आप पढ़ रहे हैं या नहीं?) शिक्षा आपके मरने तक आपके साथ रहेगी, एक क्रिकेटर 60 साल तक नहीं खेल सकता। आपको समझना होगा कि एक शेल्फ लाइफ होती है।'

वेंकटेश ने कहा, 'उसके बाद, यदि आप वास्तव में जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करना चाहते हैं, तो आपको शिक्षित होना होगा। शिक्षा मुझे खेल से एकदम अलग कर सकती है। मैं हर समय खेल के बारे में नहीं सोचना चाहता, इससे दबाव बढ़ता है यदि मैं एक ही समय में दो काम कर सकता हूं, तो मैं करूंगा। एक शिक्षित व्यक्ति होने के नाते मुझे मैदान पर भी बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलती है, ऐसी स्थिति होगी जब यह सिर्फ कौशल के बारे में नहीं होगा बल्कि यह होगा कि आप इसे ले सकते हैं या नहीं, एक बेहतर निर्णय। मैं चाहता हूं कि क्रिकेटर न केवल क्रिकेट के बारे में ज्ञान ले बल्कि सामान्य ज्ञान भी लें। यदि आप अपना स्नातक या स्नातकोत्तर पूरा कर सकते हैं, तो आपको निश्चित रूप से ऐसा करना चाहिए। मैं अब अपनी PHD कर रहा हूं। अगली बार आप डॉ. वेंकटेश अय्यर के रूप में मेरा साक्षात्कार लेंगे।

पूर्व क्रिकेट केविन कुरेन का बेटा बेन जिम्बाब्वे टीम में शामिल

हरारे। जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर केविन कुरेन के बेटे बेन कुरेन को अफगानिस्तान के खिलाफ सीमित ओवरों की टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। बाएं हाथ के बल्लेबाज बेन कुरेन ने साल 2018 से 2022 के बीच नॉर्थम्पटनशायर के लिए खेला है। उनके नाम घरेलू प्रतियोगिताओं में 50 ओवर और लाल गेंद वाली घरेलू प्रतियोगिताओं में सबसे अधिक रन हैं। केविन कुरेन ने साल 2005 से 2007 तक जिम्बाब्वे के मुख्य कोच रहने से पहले 1983 और 1987 के बीच जिम्बाब्वे के लिए 11 एकदिवसीय मैच खेले थे। उनके भाई टॉम और सैम ने इंग्लैंड के लिए तीनों प्रारूपों में खेला है। टॉम 2019 एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड टीम के सदस्य थे। आखिरी बार वह 2021 में इंग्लैंड के लिए खेले थे। वहीं, सैम ऑस्ट्रेलिया की 2022 टी20 विश्व कप विजेता टीम के लिए फाइनल में मैन ऑफ द मैच रहे थे। दूसरी ओर बेन कुरेन ने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका में हुए आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। किया था। उन्होंने जिम्बाब्वे की ओर से तब 8 विकेट लिए थे। इसके अलावा जिम्बाब्वे की टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

क्या घोड़े को भी एथलीट होने पर मिलने चाहिए मैडल? इटली लागू कर चुका है कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। उन्हें एथलीट कहा जाए या उपकरण, या फिर उन्हें वही कहा जाए जो वे हैं, घोड़े। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) उन्हें एथलीटों के साथ जोड़ना चाहता है लेकन लेकिन घुड़सवारों ने ऐसी किसी चीज के लिए जोर देने के खिलाफ सावधानी बरतने का आग्रह किया है जो आगे चलकर चीजों को 'जटिल% कर सकती है। दिल्ली उच्च न्यायालय असल में ईएफआई के प्रशासन पर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें उस पर निजी क्लबों और संस्थानों को मतदान का अधिकार देकर राष्ट्रीय खेल संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। यह मामला ईएफआई से मान्यता प्राप्त राजस्थान की इकाई ने दायर किया गया है जो चाहता है कि यह अधिकार केवल राज्य संघों के पास हो। एक सुनवाई के दौरान ईएफआई ने यह असंबंधित दलील दी जिसने खेल का अनुसरण करने वालों के साथ-साथ इसमें शामिल लोगों की भी रुचि जगाई।

एशियाई खेल 1998, 2002 और 2006 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे राजेश पट्टू ने ईएफआई की पूरी दलील को खारिज करते हुए कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि घोड़ा एथलीट है या उपकरण क्योंकि वह भारतीय घुड़सवारी महासंघ के चुनावों में मतदान नहीं करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईएफआई इस तरह की अप्रासंगिक दलील देकर अदालत का समय बर्बाद कर रहा है। इसका निर्वाचन मंडल से कोई लेना-देना नहीं है जो कि मुख्य मामला है। ओलंपिक (टोक्यो ओलंपिक 2021) के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय घुड़सवार फवाद मिर्जा घोड़ों को एथलीट के रूप में वर्गीकृत करने के पक्ष में हैं लेकिन उन्होंने इस तरह के कदम से आने वाली जटिलताओं के बारे में चेतावनी भी दी।

उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से मैं अपने घोड़े को एक एथलीट मानता हूं। मैं अपने घोड़े को एक पेशेवर और उच्च श्रेणी के एथलीट के रूप में देखता हूं। दूसरी ओर यदि आप उन्हें कानूनी चीजों के संबंध में, कानूनी व्यक्ति के रूप में, कानून के माध्यम से, या उन्हें पुरस्कृत करके मानवीय बनाने की कोशिश करते हैं तो यह काफी कठिन और जटिल हो जाता है। मिर्जा ने कहा कि वे आखिरकार जानवर हैं और अगर आप मानवीय चीजों और विचारों तथा कानून को जोड़ने की कोशिश करते हैं तो मुझे लगता है कि यह स्थिति को जटिल बनाता है। मिर्जा और पट्टू दोनों फिलहाल जर्मनी के सारब्रुकेन में ट्रेनिंग ले रहे हैं।

घुड़सवारी खेल की अंतरराष्ट्रीय संचालन संचालन संस्था अंतरराष्ट्रीय घुड़सवारी महासंघ (एफईआई) का संविधान एथलीट को 'एफईआई प्रतियोगिता में भाग लेने वाले किसी भी व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है। ऐसा व्यक्ति राइडर, ड्राइवर, लंगर या वॉल्टर तक सीमित नहीं हो सकता है। एफईआई के 2023 के कानून में घोड़े की नहीं बल्कि एथलीट की परिभाषा है। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में एफईआई एथलीट और घोड़ों को अलग-अलग सूचीबद्ध करता है। ईएफआई भी एफईआई का एक सदस्य महासंघ है लेकिन ऐसा लगता है कि इसने इटली से सीख ली है जो कानून के माध्यम से घोड़ों को एथलीट के रूप में वर्गीकृत करने वाला पहला देश है।

सुनील पाल के बाद अभिनेता मुश्ताक खान ने किया किडनैपिंग का दावा

मुंबई। पहले हास्य अभिनेता सुनील पाल के किडनैप की खबरें आई। उनका मामला सुलझता इससे पहले वेलकम फिल्म के अभिनेता मुश्ताक खान ने भी अपनी किडनैपिंग का दावा किया है। अभिनेता ने बताया कि उनका अपहरण दिल्ली-मेरठ हाईवे से किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटना 20 नवंबर को हुई, जब मुश्ताक खान को मेरठ में एक पुरस्कार समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। अपहरणकर्ताओं ने अभिनेता को फंसाने के लिए एक कार्यक्रम में आमंत्रित किया और उनकी फ्लाइट टिकट की व्यवस्था करने के साथ-साथ उनके खाते में अग्रिम भुगतान भी ट्रांसफर कर दिया। अभिनेता के मुताबिक, जब वह दिल्ली-मेरठ हाईवे पर पहुंचे, तो अपहरणकर्ताओं ने उन्हें अगवा कर लिया और बिजनौर के पास एक सुनसान इलाके में ले गए। वहां उन्हें करीब 12 घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया। अपहरणकर्ताओं ने अभिनेता और उनके बेटे के बैंक खाते से 2 लाख रुपये निकालने के बाद 1 करोड़ रुपये की फिरौती की मांग की। मुश्ताक खान ने बताया कि उनका बच निकलने का तरीका बिल्कुल फिल्मी था। पास में एक मस्जिद होने के कारण, उन्होंने सुबह की अजान सुनी और उसी मौके का फायदा उठाते हुए वहां से भागने में सफल रहे। स्थानीय लोगों से मदद लेकर वह घर पहुंचने में कामयाब हुए। इसके बाद, वह पुलिस के पास गए और सारा मामला समझाकर उनसे मदद मांगी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। मुश्ताक खान की हालत अब ठीक है, और वह जल्द ही मीडिया से बात कर इस घटना के बारे में विस्तृत जानकारी देंगे।

राजस्थान के दौसा में बोरवेल में गिरे बच्चे को बचाने के प्रयास जारी

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में बोरवेल में गिरे पांच साल के बच्चे को बचाने का अभियान बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। अधिकारियों ने बताया कि बच्चा बोरवेल में सोमवार करीब तीन बजे से 150 फुट की गहराई पर फंसा हुआ है और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने बचाव अभियान के तहत बोरवेल के समानांतर जमीन खोदी है। एनडीआरएफ के कमांडेंट योगेश कुमार ने बताया कि 'ड्रिलिंग' मशीनों से 110 फुट तक खुदाई की जा चुकी है और काम जारी है। उन्होंने कहा, फिर हम क्षैतिज रूप से बोरवेल में बच्चे के पास पहुंचेंगे। उन्होंने कहा, चुनौती यह है कि हम 150 फुट तक जा सकते हैं, उससे आगे नहीं। एनडीआरएफ बचावकर्मी बच्चे को बचाने के लिए सुरक्षात्मक उपकरणों के साथ नीचे जाएंगे। कमांडेंट ने बताया कि इलाके में 160 फुट पर पानी हो सकता है इसलिए इलाके में सबमर्सिबल पंप शुरू कर दिए गए हैं, ताकि बचाव अभियान में भूमिगत जल से कोई बाधा न हो। उन्होंने बताया कि जमीन के अंदर भाप होने के कारण टीम को बोरवेल में उतारे गए कैमरे से बच्चे की गतिविधियां पता लगाने में दिक्कत आ रही है। उन्होंने कहा कि ड्रिलिंग मशीनों ने 110 फीट तक खुदाई की है और योजना 150 फुट की गहराई तक जाने की है जहां बच्चा फंसा हुआ है। दौसा जिले के पापडदा थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर पांच वर्षीय आर्यन कालीखाड़ गांव में एक कृषि क्षेत्र में खेलते समय खुले बोरवेल में गिर गया था।

पति का कर्ज चुकाने पत्नी ने कलेजे के टुकड़े को बेच दिया

-डेढ़ लाख में एक माह के नवजात को बेचा

नई दिल्ली। कर्नाटक के रामनगर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक महिला ने अपने 30 दिन के नवजात बेटे को डेढ़ लाख रुपये में महज इसलिए बेच दिया, ताकि पति का कर्ज चुका सके। घटना के संबंध में बतलाया गया है कि महिला के पति ने पहले पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उनका बेटा घर से लापता है और उन्हें उसके गायब होने में अपनी पत्नी पर ही शक है। पति की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की और पता चला कि महिला ने अपने नवजात बेटे को बेंगलुरु की एक महिला को बेचा था। महिला और उसके पति दोनों दिहाड़ी मजदूर थे और पांच बच्चों के साथ बेहद कठिन आर्थिक स्थिति का सामना कर रहे थे, जिस कारण उन पर तीन लाख रुपये से ज्यादा का कर्ज था। महिला के पति ने पहले ही अपने नवजात को बेचने का प्रस्ताव ठुकरा दिया था, लेकिन महिला ने अपने दो सहयोगियों की मदद से बच्चे को बेंगलुरु में एक महिला को बेच दिया। 5 दिसंबर को जब महिला का पति घर लौटा, तो उसने देखा कि बच्चा गायब था। पत्नी ने बताया कि बच्चे को स्वास्थ्य समस्याएं थीं और उसे डॉक्टर के पास भेजा गया था। हालांकि, जब उसने और अधिक जानकारी मांगी तो पत्नी का जवाब संदेहास्पद था, जिससे पति को शक हुआ। इस पर 7 दिसंबर को पति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जब पुलिस ने महिला से पूछताछ की तो उसने पहले तो गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन गहन पूछताछ के बाद उसने स्वीकार किया कि उसने अपने बेटे को डेढ़ लाख रुपये में बेचा था। पुलिस ने तुरंत बेंगलुरु जाकर बच्चे को बरामद किया। पुलिस ने महिला, उसके दो सहयोगियों और बच्चे की खरीदी करने वाली महिला को गिरफ्तार कर लिया है। बच्चे को बचाकर मंड्या के बाल कल्याण केंद्र भेज दिया गया है।

जब जज ने ही जमानत के लिए पांच लाख रुपये की रिश्वत ली !

मुंबई। न्यायपालिका से न्याय मिलने की एक बड़ी उम्मीद आम लोगों को रहती है और कई ऐसे मामले सामने आए हैं जब लोगों को न्यायपालिका से ही न्याय मिला है। लेकिन इन दिनों न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की जड़े जमने की खबर भी गाहे बगाहे सामने आती रहती है। शायद यही वजह है कि जनता का विश्वास न्यायपालिका को लेकर डगमगाने लगा है। जी हाँ, जब न्याय करने वाले जज ही पैसे लेकर न्याय देंगे तो सोचिये स्थिति कैसी आ जाएगी। दरअसल रिश्वत लेने की घटना महाराष्ट्र के सतारा में घटी है। खबर है कि जज ने जमानत देने के लिए 5 लाख रुपये की रिश्वत ली। इस मामले में भ्रष्टाचार निरोधक विभाग (एंटी करप्शन) ने सतारा जिला न्यायलय के जज के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जज को गिरफ्तार करने के लिए हाईकोर्ट को पत्र भेजा गया है और हाईकोर्ट के आदेश के बाद ही जज को गिरफ्तार किया जाएगा। खबर है कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम समेत तीन लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक जज ने शिकायतकर्ता के पिता को जमानत देने के लिए सीधे रिश्वत मांगी।

डांटने और धमकाने का काम कर रहे धनखड़

-खड़गे ने प्रेस वार्ता में सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के कारण गिनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को प्रेस वार्ता में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के कारण गिनाए। उन्होंने कहा कि मजबूर होना पड़ा, क्योंकि उनके आचरण ने राष्ट्र के गौरव को हानि पहुंचाई है।

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सदन में विपक्ष की आवाज को दबाया जाता है। सभापति तो राजनीति से परे होते हैं, लेकिन यहां वो आरएसएस की तारीफ करते हैं। सभापति को पूरी तरह से निष्पक्ष होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का मकसद व्यक्तिगत शिकायतें या राजनीतिक लड़ाई से जुड़ा नहीं है। वहीं मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राज्यसभा अध्यक्ष स्कूल के प्रधानाध्यापक की तरह डांटते हुए काम करते हैं, वरिष्ठ अनुभवी विपक्षी नेताओं को वे उपदेश देते हैं, उन्हें बोलने से रोक देते हैं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में व्यवधान का सबसे बड़ा कारण तो स्वंय अध्यक्ष हैं। वे सभापति कम और सरकार के प्रवक्ता के रूप में ज्यादा काम कर रहे हैं।

इसी के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सदन में राज्यसभा अध्यक्ष के आचरण ने देश की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। हम व्यक्तिगत तौर पर राज्यसभा अध्यक्ष के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि उन्होंने खुद ही हमें उन्हें हटाने के लिए नोटिस देने के अलावा कोई विकल्प नहीं छोड़ा है। हम सभापति के व्यवहार और पक्षपात पूर्ण रवैये से तंग आ चुके हैं, इसीलिए उन्हें हटाने के लिए हमने नोटिस दिया हुआ है। कुल मिलाकर उन्होंने कहा कि धनखड़ का आचरण उनके संवैधानिक दायित्वों और उपराष्ट्रपति पद की गरिमा के खिलाफ रहा है। उन्होंने कहा कि धनखड़ ने अपने पद का उपयोग सत्तारूढ़ दल की नीतियों की प्रशंसा करने और विपक्ष को दबाने के लिए किया है। खड़गे ने कहा, एक संवैधानिक पद पर रहते हुए धनखड़ ने तटस्थता को दरकिनार कर, सरकार के प्रवक्ता जैसा व्यवहार किया है। विपक्ष के नेताओं को अपमानित करना और उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करना लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है।

दुखी मन से लाए अविश्वास प्रस्ताव.....

-प्रमोद तिवारी ने कहा विपक्ष को चुप कराया जा रहा

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, कि भारी मन और बड़े दुख के साथ हम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 67 बी के तहत यह अविश्वास प्रस्ताव को पेश करने के लिए बाध्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह महज मौजूदा एक सत्र की बात नहीं, बल्कि कई सत्रों से ऐसा चल रहा है। हमने देखा है कि विपक्ष के नेताओं को बोलने ही नहीं दिया जाता, पूरे विपक्ष को चुप करा दिया जाता है। सत्ता पक्ष के नेता किरेन रिजिजू तो बोल सकते हैं लेकिन दूसरे को बोलने का मौका ही नहीं दिया जाता। यह सरकार लोकतंत्र में विश्वास ही नहीं रखती। उन्होंने कहा कि जब सदन में हम नियमों के तहत अपनी बात ही नहीं रख सकते तो अविश्वास प्रस्ताव लाने के अलावा हमारे पास दूसरा कोई विकल्प नहीं था। इसलिए यह अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। गौरतलब है कि 10 दिसंबर को राज्यसभा में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला लिया था। इसके बाद ही इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने राज्यसभा के सेक्रेटरी जनरल को प्रस्ताव सौंपा है।

पीएम नरेंद्र मोदी जल्द जा सकते हैं कुवैत, अल-याह्या ने पिछले हफ्ते की थी मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी जल्द ही कुवैत की यात्रा पर जा सकते हैं। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पश्चिम एशियाई देश की पहली यात्रा होगी। इस समय खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) की अध्यक्षता भी कुवैत कर रहा है। पिछले हफ्ते कुवैत के विदेश मंत्री अब्दुल्ल अली अल-याह्या ने अपनी भारत यात्रा के दौरान पीएम मोदी से मुलाकात की थी। उन्होंने कुवैत नेतृत्व की ओर से पीएम मोदी को निमंत्रण दिया था। पीएम मोदी ने निमंत्रण को स्वीकार कर लिया था।

कुवैत एकमात्र जीसीसी सदस्य देश है जहां पीएम मोदी ने 2014 में पदभार संभालने के बाद से अब तक दौरा नहीं किया है। कोविड महामारी के कारण 2022 में प्रस्तावित यात्रा पर नहीं जा सके थे। जीसीसी में कुवैत के अलावा संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, सऊदी अरब, ओमान और कतर देश शामिल हैं। पीएम मोदी ने सितंबर में, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से मुलाकात की थी। यह दोनों नेताओं के बीच पहली बैठक थी।

पिछले सप्ताह भारत की यात्रा पर आए कुवैत के विदेश मंत्री के साथ चर्चा के दौरान पीएम मोदी ने विश्वास व्यक्त किया था कि कुवैत की जीसीसी की वर्तमान अध्यक्षता के अंतर्गत भारत और खाड़ी सहयोग परिषद के बीच घनिष्ठ सहयोग और मजबूत होगा। पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करते हुए पीएम मोदी ने क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की जल्द वापसी के लिए समर्थन जताया था। उन्होंने कुवैत में रहने वाले दस लाख भारतीयों की देखभाल के लिए कुवैत के नेतृत्व को धन्यवाद दिया।

ममता बनर्जी का केंद्र में पद पाना नहीं, बल्कि बीजेपी को हराना है लक्ष्य

इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व को लेकर कुणाल घोष ने दी प्रतिक्रिया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करने में रुचि दिखाई है। इस पर जारी बयानबाजी के बीच तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष ने कहा है कि केंद्र में कोई पद पाने में ममता बनर्जी की कोई रुचि नहीं है, वह बस बीजेपी को हराने का लक्ष्य लेकर चल रही हैं।

कुणाल घोष ने कहा कि बंगाल में टीएमसी ने बीजेपी को रोक दिया, झारखंड में हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बीजेपी को रोक दिया, लेकिन हरियाणा और महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी ऐसा करने में सफल नहीं हो सकी है। वहां पर मुख्य रूप से बीजेपी को रोकने की जिम्मेदारी कांग्रेस पर थी लेकिन वह असफल रही। इसलिए वरिष्ठ नेता कह रहे हैं कि बीजेपी को रोकने के लिए ममता बनर्जी जैसे अनुभवी और प्रभावी नेतृत्व को आगे आना चाहिए।

टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने कहा है कि बंगाल के मुर्शिदाबाद में हम बाबरी मस्जिद बनाएंगे। इस पर घोष ने कहा कि यह उसका निजी विषय है। अगर कोई चाहता है तो वह अपनी जमीन पर मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरुद्वारा कुछ भी बनवा सकता है। इस पर वह कोई राजनीतिक टिप्पणी नहीं करेंगे। कोई व्यक्ति घर के अंदर पूजा करता है या नमाज पढ़ता है यह उसके धर्म की बात है।

वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर कुणाल घोष ने कहा कि सीएम ममता बनर्जी साफ-साफ कह चुकी हैं कि हमारा देश विविधता में एकता पर यकीन करता है। हर राज्य का अपना इतिहास है, एक राजनीतिक छाप है। सारा चुनाव एक साथ कैसे होगा। सब चीज गलत हो जाएगी। कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुए रेप और मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई मार्च में है। इस मुद्दे पर घोष ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की नजर में सब ठीक है। जांच सही से हुई, सही से आरोपपत्र दाखिल किया गया, ट्रायल भी सही चल रहा है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने कोई नजदीक की तारीख देनी जरूरी नहीं समझी।

ईएमआई से ज्यादा पत्नी के गुजारा भत्ते को दें प्राथमिकता: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पत्नी को दिए जाने वाले गुजारा भत्ता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि लोन की ईएमआई कितनी है, कब देनी है इन सबसे ज्यादा प्राथमिकता पत्नी को गुजारा भत्ता देने की होना चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भूयान की बेंच ने यह फैसला एक पति की याचिका को खारिज करते हुए दिया। पति, जो एक डायमंड फैक्ट्री का मालिक है, ने अदालत से अनुरोध किया था कि वह अपनी अलग हो चुकी पत्नी को बकाया गुजारा भत्ता देने में असमर्थ है, क्योंकि उसकी फैक्ट्री घाटे में चल रही है और उस पर भारी कर्ज है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि तलाकशुदा पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी पति की संपत्ति पर प्राथमिक अधिकार रखती है। अदालत ने कहा, जीने का अधिकार, सम्मान के साथ जीने का अधिकार, और एक बेहतर जीवन का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित हैं। इन अधिकारों के तहत गुजारा भत्ता मौलिक अधिकार के समान है और किसी भी देनदार के कर्ज की वसूली के अधिकार से अधिक महत्वपूर्ण है। फैसले में कहा गया कि महिला के पूर्व पति को जल्द से जल्द बकाया गुजारा भत्ता चुकाना होगा। यदि पति इसमें विफल रहता है, तो परिवार अदालत उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर सकती है, जिसमें पति की अचल संपत्ति की नीलामी करके पत्नी को भुगतान सुनिश्चित करना शामिल है।

कांग्रेस अराजकता फैलाने वालों के साथ पसंद करती है बैठना

संभल हिंसा पीड़ितों से मिलने पर बीजेपी सांसद ने राहुल-प्रियंका को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के संभल हिंसा पीड़ितों ने दिल्ली में राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी से मुलाकात की। यह मुलाकात बीजेपी को पंसद नहीं आई और सासंद अनुराग ठाकुर ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति और कांग्रेस का यह चेहरा एक बार फिर बेनकाब हुआ है। उन्हें हमास और फिलिस्तीन तो दिखता है, लेकिन बांग्लादेश के अल्पसंख्यक नहीं दिखते। वे अराजकता फैलाने वालों के साथ बैठना पसंद करते हैं, लेकिन शांति को बढ़ावा देने के लिए कभी आगे नहीं आते। मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से कहूंगा कि कुछ लोगों के संसद में चरण पड़ने से संसद की कार्यवाही बाधित हो गई है।

अनुराग ने दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि हर बूथ को मजबूत करें, ताकि दिल्ली की जनता की मांग को पूरा किया जा सके, जिससे भ्रष्ट और निकम्मी आम आदमी पार्टी सरकार से मुक्ति दिल्ली की जनता को मिल सके। जब बूथ जीतेंगे तो हम चुनाव जीतेंगे। मैं बस इतना ही कहूंगा कि जब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस अगला चुनाव हारेंगे तो वे एक बार फिर ईवीएम को दोष देने का बहाना ढूंढ लेंगे। वे हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव हार गए और जहां भी हारे, उन्होंने ईवीएम को दोषी माना। सच्चाई यह है कि जनता उनकी नीतियों और भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी है।

अनुराग ठाकुर ने दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता अनिल गुप्ता के न्यू शाहदरा स्थित आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए स्टीकर और झंडा लगाया। उन्होंने मेरा बूथ सबसे मजबूत का नारा बुलंद किया और आगामी चुनावों में बीजेपी की जीत का संकल्प लिया।

स्विच मोबिलिटी दो नई लो फ्लोर इलेक्ट्रिक सिटी बसों को किया लांच

एजेंसी

नयी दिल्ली : अशोक लीलैंड की सहायक कंपनी और हिंदुजा समूह का हिस्सा, स्विच मोबिलिटी लिमिटेड, जो इलेक्ट्रिक बसों और हल्के वाणिज्यिक वाहनों का एक प्रमुख निमार्ता है, ने आज भारतीय बाजार के लिए अपने समकालीन इलेक्ट्रिक बस प्लेटफॉर्म स्विच ईआईवी12 - लो फ्लोर इलेक्ट्रिक सिटी बस का अनावरण किया। यह चेसिस-माउंटेड बैटरी वाली भारत की पहली लो-फ्लोर सिटी बस है, जिसमें 400+ kWh से अधिक की स्केलेबल बैटरी क्षमता है। इस वाहन को भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा हिंदुजा ग्रुप कंपनीज (भारत) के अध्यक्ष अशोक पी. हिंदुजा, अन्य गणमान्य व्यक्तियों और उद्योग के नेताओं की उपस्थिति में लॉन्च किया गया। इस अवसर पर, यूरोपीय बाजार के लिए डिजाइन की गई स्विच ई1 को वर्चुअली हरी झंडी दिखाई गई। इन दोनों बसों में समान डिजाइन दर्शन और ईवी आर्किटेक्चर है।

उद्देश्य से निर्मित स्विच ईआईवी12 प्लेटफॉर्म को शहरी शहर के आवागमन के लिए स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित किया गया है, जो प्रदर्शन, सुरक्षा, विश्वसनीयता और आराम में वैश्विक मानक प्रदान करता है। 39 यात्रियों तक की सीटिंग के साथ, स्विच ईआईवी12 अपने सेगमेंट में अग्रणी है, जो ऑपरेटरों के लिए अधिकतम राजस्व क्षमता प्रदान करता है।

हिंदुजा ग्रुप ऑफ कंपनीज (इंडिया) के चेयरमैन अशोक पी. हिंदुजा ने इन वाहनों को लॉन्च करते हुए कहा, ₹ये बसें प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया विजन को समर्पित हैं: भारत में बनी, भारत और दुनिया के लिए। स्विच मोबिलिटी अत्याधुनिक तकनीक और शून्य कार्बन उत्सर्जन वाले नए वाहनों को लॉन्च करने के लिए प्रेरित है, केवल इसलिए क्योंकि भारत में मोदी जी जैसे दूरदर्शी और गडकरी जी जैसे कार्यान्वयनकताओं के कारण शानदार सड़क बुनियादी ढांचा विकसित हो रहा है।

मुंबई की शान कही जाने वाली काली-पीली टैक्सियों घटी, अब केवल बची हैं 13,000 टैक्सियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई, (ईएमएस)। एक जमाने में मुंबई की शान कही जाने वाली और प्रायः हर फिल्मों में नजर आने वाली काली-पीली टैक्सियां अब लुप्त होती जा रही है. आलम यह है कि फिलहाल मुंबई शहर में महज 13,000 टैक्सियां बची हैं और संभावना जताई जा रही है कि अगर यही हाल रहा तो आने वाले समय में मुंबई की सड़कों पर आपको काली-पीली टैक्सियां नजर नहीं आएगी. दरअसल मुंबई की सबसे बड़ी एसोसिएशन, मुंबई टैक्सीमेन एसोसिएशन के अनुसार, मुंबई में चलने वाली काली-पीली टैक्सियों की संख्या पिछले साल 20,000 से घटकर अब 13,000 हो गई है। इसका मुख्य कारण चालकों द्वारा लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कराया जाना है।

एसोसिएशन के अनुसार, कुछ ड्राइवर पर्यटक लाइसेंस लेने और ओला/उबर जैसी ऐप-आधारित सेवाओं से जुड़ने या निजी यात्री परिवहन व्यवसाय की ओर रुख करने का विकल्प चुन रहे हैं। साथ ही टैक्सी ड्राइवरों की कमी बढ़ती जा रही है क्योंकि कई ड्राइवर परिवारों की युवा पीढ़ी इस पेशे में आने के लिए तैयार नहीं है। मुंबई टैक्सीमेन एसोसिएशन के अनुसार, अपने पुराने और जर्जर वाहनों को बेचने के लिए संघर्ष कर रहे ड्राइवरों को नई और महंगी टैक्सियों के लिए ऋण प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उदाहरण के लिए, ओमनी टैक्सियाँ जो बड़ी संख्या में चलती थीं अब लगभग विलुप्त हो चुकी हैं। कुछ ड्राइवरों ने इको-टैक्सी अपना ली है, जबकि अन्य ने यह व्यवसाय छोड़ दिया है क्योंकि उन्हें लगता है कि यह व्यवसाय लाभदायक नहीं है। वहीं स्वाभिमान ऑटो टैक्सी यूनियन के मुताबिक, अगले साल के अंत तक काली-पीली टैक्सियों की संख्या और कम होने की संभावना है, क्योंकि इन्हें सड़कों से चरणबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है। पहले व्यावसायिक क्षेत्रों के स्टैंडों पर 20-30 टैक्सियाँ खड़ी होती थीं, अब वहाँ केवल 5-10 टैक्सियाँ खड़ी होती हैं। मालूम हो कि मुंबईकरों का आज भी काली-पीली टैक्सियों से भावनात्मक जुड़ाव है। क्योंकि काली-पीली टैक्सी के ड्राइवर को शहर की सड़कें और शॉर्टकट अच्छे से पता हैं। लेकिन सड़क चौड़ीकरण और बुनियादी ढांचे के काम के कारण, टैक्सियों के लिए स्टैंड की संख्या कम हो गई है और लगभग 5 से 10 हजार स्टैंड की आवश्यकता है। इसके अलावा, दैनिक आधार पर लगने वाले जुर्माने से ड्राइवरों को परेशानी होती है। एक बार 500 रुपये और दूसरी बार 1,500 रुपये का जुर्माना, जो उनकी दैनिक आय से अधिक है। मालूम हो कि दो दशक पहले काली-पीली प्रीमियर पद्मिनी टैक्सियों की संख्या 63,000 थी। अब ये सभी टैक्सियां ??हटा दी गई हैं। इसी तरह, ओमनी टैक्सियों की संख्या में भी कमी आई है और मुंबई की सड़कों पर टैक्सियों की कुल संख्या में बड़ी कमी आई है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**